100
प्रमुखस्वामी महाराज
शताब्दी महोत्सव

▸ वर्ष : 3 ▸ अंक : 268 ▸ मूल्य : 4 रू.

▸ RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शनिवार, 28 मई 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का मध्यप्रदेश आगमन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की राष्ट्रपति की अगवानी

भोपाल, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के तीन दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास के लिए आज भोपाल आगमन पर विमानतल पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर राष्ट्रपति श्री कोविंद की अगवानी की और अभिवादन किया। राष्ट्रपति की धर्मपत्नी (प्रथम महिला) श्रीमती सविता कोविंद का भी स्वागत किया गया। राष्ट्रपति अगवानी के लिए नियुक्त मिनिस्टर इन वेटिंग, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह, सांसद विष्णु दत्त शर्मा और अन्य जन-प्रतिनिधि भी विमानतल पर उपस्थित थे। भोपाल आगमन के बाद राष्ट्रपति महोदय राजभवन के लिए रवाना हुए।

-अगवानी के समय उपस्थित महत्वपूर्ण जन-प्रतिनिधि और अधिकारी

विमानतल पर स्वागत के लिए वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री भारत सिंह कुशवाह, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक विष्णु खत्री, विधायक प्रदीप पटेल के अलावा मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना, कमिश्नर भोपाल गुलशन बामरा, मेजर जनरल धीरज मोहन, कलेक्टर भोपाल अविनाश लवानिया, पुलिस कमिश्नर भोपाल मकरंद देउस्कर भी उपस्थित थे।

पीएम मोदी ने कहा, ड्रोन भेज दूता हूं, वहां निर्माण कार्य की जानकारी लेकर आ जाता हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रगति मैदान में दो दिवसीय 'भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम ने कहा, ड्रोन तकनीक को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वह अद्भुत है। जो ऊर्जा नजर आ रही है, वह भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। यह भारत में रोजगार के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती हैं।'

पीएम मोदी ने कहा, जब केदारनाथ के पुनिर्माण का काम शुरू हुआ था, तब हर बार मेरे लिए वहां जाना संभव नहीं था। इसके बाद मैं ड्रोन के जरिए केदारनाथ के काम का निरीक्षण करता था। आज सरकारी कामों की गुणवत्ता को देखना है, तब यह जरूरी नहीं है कि मुझे वहां निरीक्षण करने लिए जाना है। उन्होंने कहा, मैं ड्रोन भेज दूं तब जानकारी वह लेकर आ जाता है और उन्हें पता भी नहीं चल पाता है कि मैंने जानकारी ले ली है।'

संक्षिप्त समाचार

'आईएनएस खंडेरी'ह्व में समुद्री यात्रा का अद्भुत और रोमांचकारी अनुभव रहा : राजनाथ

कारवार, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को एक पनडुब्बी में समुद्री यात्रा की। सिंह ने ट्वीट किया, ह्यआईएनएस खंडेरीह्व में समुद्री यात्रा का अद्भुत और रोमांचकारी अनुभव रहा। ह्व रक्षा मंत्री ने कहा, ह्व समुद्र में नीचे कुछ घंटें बिताए और कलवरी श्रेणी की अत्याधुनिक पनडुब्बी की लड़ाकू क्षमताओं और आक्रामक ताकत को देखा। ह्वउन्होंने पानी के अंदर भारतीय नौसेना की क्षमताओं को प्रत्यक्ष देखने के बाद कहा कि वह भारत की सुरक्षा के प्रति अधिक आश्वस्त हैं। सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना एक आधुनिक, प्रबल और विश्वसनीय बल है जो हर स्थिति में सतर्क, बहादुर और विजय पाने की क्षमता रखती है।

चीन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए दीर्घकालिक और सबसे गंभीर खतरा : ब्लिंकन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के विरोध में अमेरिका ने पूरी दुनिया को एकजुट किया हैं, लेकिन चीन, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए दीर्घकालिक और सबसे गंभीर खतरा बना हुआ है। चीन पर अमेरिका की विदेश नीति के मुद्दे पर दिए गए भाषण में ब्लिंकन ने कहा कि चीन अकेला ऐसा देश है, जिसका इरादा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलना है और इसके लिए वह आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और तकनीकी शक्ति भी बढ़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि 'बीजिंग का दृष्टिकोण हमें उन सार्वभौमिक मूल्यों से दूर ले जाएगा जिनके बल पर दुनिया ने पिछले 75 साल में तरक्की की है।' ब्लिंकन ने कहा, (रूस के) राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन का युद्ध जारी है फिर भी हमारा ध्यान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए दीर्घकालिक और सबसे गंभीर खतरे पर केंद्रित है जो कि चीन द्वारा उत्पन्न है।

दो-तीन दिन में केरल पहुंचेगा मानसून, दिल्ली में बादल छाए रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी है। लोगों को गर्मी से राहत कब मिलेगी, यह सबसे बड़ा सवाल है। सवाल यह भी है कि आखिर देश में मानसून दस्तक कब देगा? इस लेकर अब भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बड़ी बात कही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आरके जेनामणि ने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में केरल में मानसून पहुंच सकता है। इसके साथ ही दिल्ली में आगामी कुछ दिनों तक बादल छाए रहने वाले हैं। जेनामणि ने बताया कि वर्षा के कारण, भारत के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य और सामान्य से नीचे है। अगले 5 दिनों में कोई लू की स्थिति नहीं होगी। पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय है और वहां बारिश का कारण बनेगा। जेनामणि ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून दक्षिण अरब सागर और लक्षद्वीप के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

गृह मंत्रालय के आदेशों पर एनडीएमसी चेयरमैन का ट्रांसफर, बीएस भल्ला को सौंपी कमान

नई दल्लिी, एजेंसी। दल्लिी के नए उप-राज्यपाल और नए चीफ सेक्रेटरी की नयिुक्ति के बाद अब नई दल्लिी नगरपालकिा परषिद् के नए चेयरमैन की नयिुक्ति की गई है। पालकिा परषिद् के चेयरमैन के रूप में दल्लिी सरकार में एडशिनल चीफ सेक्रेटरी (होम) व 1990 बैच के सीनयिर आईएएस अधकिारी बीएस भल्ला को बनाया गया। इसबारे में गृह मंत्रालय की ओर शुक्रवार को आदेश जारी कर दएि गए हैं। तुरंत प्रभाव से पद संभालने के आदेश भी दएि गए हैं।

इस बीच हाल ही में दल्लिी नगर नगिम के एकीकृत स्वरूप में आने के बाद कई बड़ी नयिुक्तयिां एमसीडी में की गई हैं। 1992 बैच के सीनयिर आईएएस अधकिारी अश्वनी कुमार को स्पेशल ऑफसिर बनाया गया है, तब एसडीएमसी के कमशिनर रहे 1998 बैच के एजीएमयूटी कैडर के सीनयिर आईएएस अधकिारी ज्ञानेश भारती को एकीकृत नगिम का कमशिनर नयिुक्त कयिा जा चुका है। भल्ला के नयिुक्ति संबंधी आदेश गृह मंत्रालय की ओर शुक्रवार को जारी किए गए हैं।

दरअसल, गृह मंत्रालय के आदेशों पर दल्लिी सरकार के कई सीनयिर आईएएस अधकिारयिों का अन्य राज्यों में ट्रांसफर कयिा गया था। कई अधकिारी अपनी नई ज्वाइनगिं कर चुके हैं। कई अधकिारयिों को कयिा जाना बाकी है। एनडीएमसी के चेयरमैन धर्मेन्द्र का भी ट्रांसफर कयिा जा चुका है। उन्हें अरूणाचल प्रदेश का नया चीफ सेक्रेटरी नयिुक्त कयिा गया है। इस संबंध में गृह मंत्रालय की ओर से 19 अप्रैल को ट्रांसफर/पोस्टगिं आर्डर जारी कएि गए थे। लेकनि अभी वह अपनी नई ज्वाइनगिं नहीं कर सके थे। लेकनि अब एनडीएमसी के नए चेयरमैन के रूप में भल्ला को नयिुक्त गया है। नवर्तिमान चेयरमैन धर्मेंद्र को भी वभिाग से आज तुरंत प्रभाव से रलीव कर दयिा गया है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का निर्यात पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान की नीति रही : भारतीय सेना

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 3 आतंकियों को सेना मार गिराया है। तीनों आतंकी लश्कर ए तैयबा के बताए जा रहे हैं। तीन घुसपैठियों को मार गिराए जाने के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर निशाना साधा है। भारतीय सेना ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का निर्यात पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान की नीति रही है। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पिछले कई हफ्तों से पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिशों में तेजी आई है। आतंकी घुसपैठ में वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष विराम लागू है।

पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को पुनर्जीवित करने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश में लगा हुआ है। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान सेना द्वारा किया गया युद्ध विराम समझौता केवल एक छलावा है। भारतीय सेना ने कहा कि तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों का मारा जाना और बड़ी मात्रा में हथियारों की बरामदगी स्थानीय लोगों की शांति और समृद्धि और आसन्न अमरनाथ यात्रा को बाधित करने के इरादे का स्पष्ट संकेत है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को कश्मीर में अपने खत्म होते एजेंडे को पुनर्जीवित करने लिए अपने नापाक मंसूबों को फिर से आगे बढ़ाने के लिए फटकार लगाई है। सेना की तरफ से यह बयान कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम करने के बाद आया।

केंद्र की सोच हैं, मुस्लिम बहुमत राज्य है, इसलिए लोग मरते हैं, तब मरने दो : महबूबा

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की भाजपा सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र की नीतियों की वजह से कश्मीर में हालात खराब हैं। दरअसल, महबूबा ने आतंकवादी हमले में मारी गई टीवी अभिनेत्री अमरीन भट के परिजनों से मुलाकात की।

पीडीपी प्रमुख महबूबा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बेगुनाहों का खासकर कश्मीरियों का खून बहाना रोज का मामूल बन गया है और जो सरकार है, वह ज्यों की त्यों है। उनकी जो नीति है, वहां दबाव की नीति है, जिसका नतीजा है, कि जम्मू-कश्मीर में हालात बेहतर होने की जगह और बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरी दुनिया में चिल्लाते फिरते हैं कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक है, यहां कुछ ठीक-ठाक नहीं हुआ है। जो भाजपा सरकार है, वहां इस मजहब के आधार पर देख रही है कि मुस्लिम बहुमत राज्य है, इसलिए लोग मरते हैं, तब मरने दो।

गौरतलब है कि बडगाम जिले के चादूरा इलाके में आतंकवादियों ने टीवी अभिनेत्री अमरीन भट के घर में घुसकर उन पर गोलियां दागी थी। इस गोलीबारी में अमरीन भट का भतीजा भी घायल हो गया था। हालांकि सुरक्षाबलों ने 48 घंटे के भीतर अमरीन भट की हत्या का बदला ले लिया। अमरीन भट की हत्या में स्थानीय आतंकवादी शामिल थे, जिन्होंने हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा ज्वाइन किया था। मारे गए दोनों आतंकवादियों की पहचान मुश्ताक भट और फरहान हबीब के तौर पर हुई है।

पोर्टल पर पंजीकृत किए गए असंगठित क्षेत्र के 27 करोड़ से अधिक श्रमिक-प्रवासी कामगार : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया है कि राज्यों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के परामर्श से विकसित पोर्टल पर करीब 27.45 करोड़ असंगठित मजदूरों या प्रवासी श्रमिकों को पंजीकृत किया गया है। केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ से कहा कि श्रमिकों के पंजीकरण के लिए एनआईसी के परामर्श से एक वेबसाइट विकसित की गई है। भाटी ने कहा है कि संबंधित राज्यों की ओर से उपलब्ध जानकारियों के आधार पर पोर्टल पर 27.45 करोड़ मजदूरों का पंजीकरण किया गया है।

केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारें असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों/प्रवासी मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए पंजीकरण का किस प्रकार फायदा उठाएंगी? शीर्ष अदालत ने कहा, पंजीकरण का एक उद्देश्य यह है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ असंगठित क्षेत्र के मजदूरों/प्रवासी श्रमिकों तक पहुंच सके। एएसजी ने अनुपालन रिपोर्ट को प्रस्तुत करने के लिए कुछ समय देने का आग्रह किया। इस पर शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को सभी राज्यों से वांछित जानकारियां हासिल करने निर्देश दिया ताकि असंगठित मजदूरों और प्रवासी श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए आदेश जारी किया जा सके।

पीठ ने कहा सभी राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया जाता है कि वे केंद्र सरकार की आवश्यकता के अनुरूप सभी संबंधित जानकारियां उपलब्ध करायें, ताकि केंद्र सरकार सुनवाई की अगली तारीख को न्यायालय के समक्ष व्यापक रिपोर्ट पेश कर सके। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है।

स्मृति ईरानी ने कहा इस देवभूमि से अमेठी तक जय श्रीराम का नारा पहुंचना चाहिए

धर्मशाला, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बीजेपी के त्रिदेव सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए गांधी परिवार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने कांग्रेस का हर रिवाज बदला है। स्मृति ईरानी ने कहा इस देवभूमि से अमेठी तक जय श्रीराम का नारा पहुंचना चाहिए क्योंकि कांग्रेस की सरकार ने हमें वर्षों तक राम मंदिर निर्माण से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मंच से कह रहे हैं कि युवराज को अमेठी से ऐसा भगाया कि उन्होंने केरल में पनाह ली। उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि राहुल गांधी ने केरल में जाकर पनाह ली लेकिन यह भी सत्य है कि केरल में कांग्रेस पार्टी ने ऐसे लक्षण दिखाए की शर्म आ जाए। उन्होंने कहा कि ये परिवार अगर हिमाचल में वोट मांगेंगे तो हिमाचल की जनता मुंहतोड़ जवाब देगी।

शाहपुर के चंबी मैदान में स्मृति ईरानी ने कहा कि हिमाचल वीर भूमि से उस परिवार तक श्री राम का जयघोष पहुंचे, जिसने देश विरोधी नारे का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि त्रिदेव सम्मेलन से कहने आई हूं कि मेरे अंदर आज भी आग है। मैंने

अमेठी में 50 वर्षों तक गरीब को तिल-तिल मरते देखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता ये कहते हैं कि हिमाचल में रिवाज नहीं है सरकार रिपीट करने का। उन्होंने कहा कि हिमाचल में यह रिवाज भी नहीं थी कि एम्स जैसा संस्थान हिमाचल में बने लेकिन भाजपा ने उस रिवाज को तोड़ा और आज एम्स बिलासपुर में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही रिवाजों को तोड़कर भाजपा ने हिमाचल में आईआईटी और आईआईएम बनाए। अब चुनाव में भी रिवाज तोड़ेंगे और फिर भाजपा सरकार बनाएंगे।

स्मृति ईरानी ने कहा कि कोरोना की विपदा कांग्रेस के कार्यकाल में आई होती तो देश की जनता मर जाती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में यह एक ऐसा परिवार है जब विपदा की घड़ी आई तो जनता की गुमराह करने का काम किया। पहले टीकाकरण न लगाने को कहा ताकि गरीब जनता सुरक्षित न हो सके। उन्होंने कहा कि मेरी भाजपा की सरकार ने उनकी भी सेवा की जिन्होंने वोट नहीं दिया। वैक्सीन उन्होंने भी लगाई जिन्होंने इस वैक्सील का समर्थन नहीं किया। हम पक्षपात नहीं करते। विपदा की घड़ी में कांग्रेस का भाग जाना ही कांग्रेस का रिवाज है। सत्ता को सेवा में परिवर्तित करने का काम भाजपा ने किया।

आरबीआई की रिपोर्ट: दो हजार रुपये के नोट की संख्या में गिरावट

मुंबई, एजेंसी। दो हजार रुपये के बैंक नोट की संख्या में पिछले कुछ साल से गिरावट का सिलसिला जारी है। इस साल मार्च अंत तक चलन वाले कुल नोट में इनकी हिस्सेदारी घटकर 214 करोड़ या 1.6 प्रतिशत बची हैं। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है। इस साल मार्च तक सभी मूल्यवर्ग के नोटों की कुल संख्या 13,053 करोड़ थी। इससे एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 12,437 करोड़ था। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2020 के अंत में चलन में शामिल 2000 रुपये के मूल्यवर्ग वाले नोटों की संख्या 274 करोड़ थी। यह आंकड़ा चलन में कुल करेंसी नोटों की संख्या का 2.4 प्रतिशत था।

इसके बाद मार्च 2021 तक चलन में शामिल 2000 के नोटों की संख्या घटकर 245 करोड़ या दो प्रतिशत रह गई। पिछले वित्त वर्ष के अंत में यह आंकड़ा 214 करोड़ या 1.6 प्रतिशत तक रह गया। उपरोक्त आंकड़े मात्रा के लिहाज से हैं। यदि मूल्य के संदर्भ में बात करें, तब मार्च 2020 में 2000 रुपये के नोट का कुल मूल्य, सभी मूल्यवर्ग के नोटों के कुल मूल्य का 22.6 प्रतिशत था। मार्च 2021 में यह आंकड़ा घटकर 17.3 प्रतिशत और मार्च 2022 में 13.8 प्रतिशत रह गया। रिपोर्ट के अनुसार इस साल मार्च के अंत में 500 रुपये के नोटों की संख्या बढ़कर 4,554.68 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3,867.90 करोड़ थी। मात्रा के लिहाज से चलन में सबसे अधिक 500 रुपये के नोट (34.9 प्रतिशत) थे। इसके बाद 21.3 प्रतिशत के साथ 10 रुपये के नोटों का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार सभी मूल्य वर्ग में चलन वाली मुद्रा का कुल मूल्य इस साल मार्च में बढ़कर 31.05 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया जो मार्च 2021 में 28.27 लाख करोड़ रुपये था।

राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने की कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा

» विजय गौड़ ब्यूरो चीफ

राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने आज आदर्श सभागार, पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में सेवारत/सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिवारों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। पुलिस परिवारों के लिए नए लाभकारी उपायों को जारी रखते हुए, राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त ने वेलफेयर विंग की संशोधित वेबसाइट लॉन्च की। रिफर्बिश्ड वेबसाइट लिंक कल्याण से संबंधित जानकारी और समाधान प्रदान करता है यानी अनुकंपा आधार पर नौकरियां, दिल्ली पुलिस कल्याणयोजना (डीपीडब्ल्यूएस), डीपीएमएफ, स्वास्थ्य और कल्याण, मैस बुकिंग सुविधा, पीएफईडी सुविधाएं इत्यादि। इसके अलावा, आईडी-कार्ड, पेंशन भुगतान सहित सभी दस्तावेज सेवानिवृत्त लोगों का ऑर्डर, डिस्चार्ज सर्टिफिकेट और सीनियर सिटीजन कार्ड अब डिजी-लॉकर पर उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि ये दस्तावेज हमारे सभी पूर्व कर्मियों के पास सुरक्षित और आसान रहे।इस अवसर पर बोलते हुए, राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त ने रेखांकित किया कि दिल्ली पुलिस एक परिवार की तरह है और सेवानिवृत्त या कर्मियों के परिजन जिन्होंने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है, उन्हें किसी भी समय अलग महसूस नहीं करना

चाहिए। प्रत्येक सेवारत कर्मियों का यह भी कर्तव्य है कि वे हमारे पूर्व कर्मियों को दिलासा दें और उनकी शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने ने यह भी आश्वासन दिया कि सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मियों के परिजन भी ओपन हाउस निवारण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों की भलाई के लिए एक संस्थागत तंत्र विकसित करने के लिए नव स्थापित कल्याण इकाई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उन हितधारकों के योगदान की भी सराहना की, जो प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और उच्च अध्ययन करने वाले पुलिस वार्डों के लिए किफायती पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए पुलिसकर्मियों और शिक्षा भागीदारों के बीच कोविड मृतक के परिजनों को मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए आगे आए। राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त द्वारा मेसर्स मैनकाइंड फार्मा द्वारा

कोविड -19 के पुलिस शहीदों के परिवारों को दिए गए 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता राशि को वितरित किया। कल्याण इकाई ने निर्माण आईएएस अकादमी, वैकल्पिक शिक्षण प्रणाली (एएलएस), दृष्टि अकादमी और पेस आईआईटी और मेडिकल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें इन अकादमियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं या उच्च अध्ययन की तैयारी करने वाले पुलिस वार्डों के लिए छूट या मुफ्त पाठ्यक्रम की पेशकश की है। डिजी-लॉकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली एक ऑनलाइन सेवा है जो प्रत्येक आधार धारक को प्रामाणिक दस्तावेजों / प्रमाणपत्रों तक पहुंचने के लिए क्लाउड में एक खाता प्रदान करती है। यह सुविधा हमारे सेवानिवृत्त लोगों के लिए एकीकृत की गई है ताकि वे डिजिटल रूप में सेवामुक्ति प्रमाणपत्र, पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त पहचान पत्र और वरिष्ठ नागरिक कार्ड प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर राकेश अस्थाना पुलिस आयुक्त ने कुछ प्रसिद्ध संसाधन व्यक्तियों को सम्मानित किया जिसमें एनईजीडी के विनय ठाकुर और निर्मित मेहरोत्रा, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के राजीव जुनेजा, सीईओ मेसर्स मैनकाइंड फार्मा इंडिया, अभिषेक सिंह निर्माण आईएएस अकादमी, मनीष कुमार गौतम वैकल्पिक शिक्षण प्रणाली (एएलएस), अजय किरण सिंह काराकोटी दृष्टि अकादमी, संदीप सिंघल, पेस आईआईटी और मेडिकल शामिल है। राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त द्वारा कल्याण इकाई और जिलों के अधिकारियों को भी इतने कम समय में विभिन्न कल्याण तंत्र स्थापित करने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।आदर्श हॉल में दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त पुलिस, संयुक्त आयुक्त पुलिस और अतिरिक्त आयुक्त पुलिस स्तर के अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि जिलों और इकाइयों ने वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

पोल खोल अभियान दिल्लीवालों के लिए अपनी समस्या और केजरीवाल के प्रति गुस्से को उजागर करने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है :आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में अंतर है और आज उसका प्रमाण तिलक विहार में हुए पोल खोल अभियान के दौरान मिल गया। पोल खोल अभियान एक तरह से लोगों को अपनी समस्या और केजरीवाल के प्रति गुस्से को उजागर करने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। केजरीवाल ने तिलक विहार में रह रहे 925 से अधिक 84 दंगों के पीड़ित सिख परिवारों से गुरुद्वारें में हुजूर साहिब के सामने 400 यूनिट बिजली मुफ्त देने की कसम खाई थी, लेकिन आज उन परिवारों के बिजली बिल लाखों रुपये में आ रहे हैं। जिसकी शिकायत आज पोल खोल अभियान के दौरान खुद तिलक विहार के लोगों ने श्री आदेश गुप्ता को अपना बिल दिखाते हुए किया।

श्री गुप्ता ने आज हुए प्रेसवार्ता में लोगों द्वारा इसकी शिकायत किए जाने की वीडियो दिखाया। इसके बाद कुछ सिख परिवारों के पास आए हुए बिजली बिल के पेपरों को दिखाते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि फूल सिंह के पास 2,22,670 रुपये का बिल आया है। इंदिरा कौर नाम की महिला के पास 144530 रुपये का बिजली बिल आया है। गुरदीप सिंह 132170 रुपये का बिल आया है। इन सब के घर 20 गज के हैं जिसमें सिर्फ एक पंखा, एक कूलर और एक ट्यूब लाइट का प्रयोग होता है। ऐसे सैकड़ों घरों में लाखों रुपये के बिल भेजे गए हैं और इतना ही नहीं उनका कनेक्शन भी काट दिया गया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने 84 के दंगों में अपनों को खोया था।

श्री गुप्ता ने कहा कि इस चिलचिलाती गर्मी में घर के बिजली कनेक्शन काटना मानवीयता को शर्मसार करने वाला है। केजरीवाल ने वायदा किया था कि 84 के दंगों में अपनों को खोने वाले सिख परिवारों में एक सदस्य को नौकरी देने की भी बात कही थी, लेकिन आज तक उसे पूरा नहीं किया। दूसरे राज्यों में जाकर झूठी बातें करने वाले केजरीवाल की हकीकत यह है कि उनके अंदर आज इंसानीयत तक खत्म हो गई है। जब भी चुनाव आता है तो उनके विधायकों को सभी वायदें याद आते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही फिर वहीं पुरानी कहानी दोहराई जाती है।

श्री गुप्ता ने केजरीवाल से सवाल करते हुए कहा कि उनकी बिजली कंपनियों से इतनी सांठगांठ हो चुकी है कि आज वह गरीब और मजबूर दिल्लीवासियों के हित देखने की जगह बिजली कंपनियों के फायदें का काम कर रहे हैं। ओखला, मदनपुर खादर और बदरपुर सहित कई जगहों पर रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को बसाकर उन्हें बिजली मुफ्त दे रहे हैं, लेकिन दिल्लीवासियों के साथ इतनी नइंसाफी जाजती क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार पहले 400 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था लेकिन बेशर्मी से बिजली बिल भेजे जाते रहे। फिर जब पंजाब चुनाव आया तो केजरीवाल की एक टीम तिलक विहार वासियों के पास आई और उन्हें दिलासा दी कि उनका सारा बिजली का बिल कैंप लगाकर माफ कर दिया जाएगा। लेकिन जैसे ही पंजाब चुनाव खत्म हुआ सभी वायदें काफूर हो गए।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल ने नए उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने करीब 40 मिनट तक नए उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की। एलजी सचिवालय में हुई बैठक को अरविंद केजरीवाल ने एक शिष्टाचार मुलाकात बताया है। उन्होंने कहा, ह्यसरकार और उपराज्यपाल के बीच समन्वय बना रहे, दोनों मिलकर दिल्ली की बेहतरी के लिए काम करें। हमारी यही शुभकामनाएं नए उपराज्यपाल को हैं।'
बैठक के बाद ही अरविंद केजरीवाल ने कहा, ह्यपुराने उप राज्यपाल का भी कार्यकाल बेहतर रहा। हम लोगों ने मिलकर काफी अच्छे काम किए और उम्मीद है कि इन उपराज्यपाल के साथ भी दिल्ली जनता के लिए हम बेहतर कार्य करेंगे।'

लद्दाख में 26 जवानों को ले जा रहा वाहन श्योक नदी में गिरा, 7 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के तुरतुक सेक्टर में सुबह नौ बजे लद्दाख के परतापुर के ट्रांजिट कैम्प से 26 सैनिकों को लेकर हनीफ सब सेक्टर के अग्रिम चौकी की ओर रवाना हुआ वाहन सड़क से फिसलकर 50 से 60 फीट गहरी श्योक नदी में जा गिरा। सभी जख्मी 26 जवानों को निकालकर परतापुर के 403 फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेह से सर्जिकल टीम को परतापुर अस्पताल भेजा गया। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक सात सैनिकों को मृत घोषित कर दिया गया है। बाकी घायल बचे 19 सैनिकों को वायुसेना की मदद से वेस्टर्न कमांड के अस्पताल चंडीमंदिर शिफ्ट कर दिया गया है, ताकि उनको बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ह्यलद्दाख में हुई बस दुर्घटना से काफी दुखी हूं, जिसमें हमने अपने बहादुर सैनिकों को खो दिया है। मेरी संवेदनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं। मुझे आशा है कि घायल लोग जल्द स्वस्थ हो जाएंगे। प्रभावितों को हरसंभव सहायता दी जा रही है।'

पीएम मोदी आज गुजरात दौरे पर, राजकोट के आटकोट में अस्पताल का करेंगे लोकार्पण

अहमदाबाद, एजेंसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात दौरे पर आ रहे हैं गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी राजकोट के आटकोट में सुबह ग्लॉबल पाटीदार मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण और शाम को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सहकार सम्मेलन को संबोधित करेंगे पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए राजकोट और गांधीनगर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है राजकोट-भावनगर हाईवे पर शनिवार की सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगो रोडवेज की बसों को छोड़ भारी एवं कॉमर्शियल वाहन, निजी ट्रावेल्स के लिए डायवर्ट रूट के लिए जिला कलेक्टर ने अधिसूचना जारी कर दी है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार की सुबह 9.30 बजे राजकोट एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा किया गया जेजेएम से जुड़े एफ. टी. के. प्रशिक्षण कार्यक्रम का अयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

भोजपुर: ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने जल जीवन मिशन के तहत बीडीओ कार्यालय भोजपुर ब्लॉक और जल निगम गाजियाबाद के समन्वय से गाजियाबाद के भोजपुर ब्लॉक में एफ.टी.के. प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों भोजपुर ब्लाक की ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह जी, तथा बी.डी.ओ. श्री आशाराम सिंह के साथ जिला समन्वयक श्री उपहार जी, डीपीएमयू टीम से श्री अनिल जी, एवं सारा ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान श्री संजय की मौजूदगी में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोजपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली 47 ग्राम पंचायतों से महिलाओं ने प्रतिभाग किया. श्री संजय ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लयह कार्यक्रम वास्तव में काफी प्रेरणादायक साबित हुआ है. इस प्रभावी प्रशिक्षण के लिए हम सभी श्री दीपन लैब, प्रभारी जी.बी. नगर एवं सुश्री अंजलि, लैब प्रभारी गाजियाबाद के आभारी हैं और उनके साथ-साथ पूरी जी.वी.टी. टीम को भी साधुवाद देते हैं.ह्व इस अवसर पर ए.ई., एस.डब्ल्यू.एस.एम. गाजियाबाद जल निगम श्री आदित्य भी उपस्थित रहे, साथ ही भोजपुर ब्लॉक के टीम लीडर श्री वसीम ने भी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें एफ.टी.के. प्रशिक्षण के दौरान अधिकतम ज्ञानार्जन हेतु प्रेरित किया.

इस प्रशिक्षण में लैब प्रभारी श्री दीपन द्वारा एफ. टी.के. का प्रयोग करते हुए जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रदर्शन किया गया और प्रतिभागियों के साथ इसके परिणामों पर चर्चा भी की गई. इतना ही नहीं, कुछ महिलाओं ने स्वयं आगे बढ़कर फील्ड टेस्ट किट का उपयोग करके पानी की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया. महिला प्रशिक्षुओं की इस पहल ने न सिर्फ प्रशिक्षण में उनकी रुचि के स्तर को दशार्या, बल्कि कार्यक्रम को पूर्णतया सफल भी बनाया. एफ.टी.के. प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन श्रीमती सुचेता सिंह के कर-कमलों द्वारा भोजपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत से आई महिलाओं को जल निगम गाजियाबाद द्वारा प्रदान की गई फील्ड टेस्ट किट का वितरण करने के साथ हुआ.

राज्यसभा चुनाव को लेकर जेएमएम की बैठक 28 मई को

रांची, एजेंसी। झारखंड के राज्यसभा चुनाव में गठबंधन के साझा या कांग्रेस और जेएमएम के अलग-अलग प्रत्याशी उतारने को लेकर सस्पेंस बरकरार है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस इस बार साझा प्रत्याशी देने पर अड़ी है। दिल्ली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ झारखंड कांग्रेस की अहम बैठक कुछ नेताओं के साथ हुई है। जेएमएम प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य कह रहे हैं कि जेएमएम के पास 30 विधायक हैं। इसकारण पार्टी का राज्यसभा की सीट पर स्वाभाविक दावा बनता है.। जेएमएम के इसी दावे के बाद झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय ने कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, चारों कार्यकारी अध्यक्ष, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, गीता कोड़ा और बंधु तिर्की सहित कई विधायकों को दिल्ली बुलाया है। वहीं, जेएमएम की तरफ से प्रत्याशी को लेकर मंथन जारी है। सूत्रों के मुताबिक, जेएमएम विधायक दल की बैठक 28 मई को बुलाई गई है। चर्चा है कि बैठक में राज्यसभा चुनाव के प्रत्याशी सहित राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा होगी। 28 मई को जेएमएम की बैठक पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन के आवास पर बुलाई गई है। बैठक में झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन, कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पार्टी के सभी विधायकों के साथ वरिष्ठ नेता व जिलाध्यक्ष उपस्थित रहने वाले हैं।

बता दें कि राज्यसभा की एक सीट के लिए झामुमो सबसे मजबूत स्थिति में है। झारखंड राज्यसभा की 2 सीटों के लिए चुनाव 10 जून 2022 को होना है। सजायाफ्ता बंधु तिर्की की सदस्यता जा चुकी है। इस समय विधानसभा निर्वाचित सदस्यों की संख्या 80 है। पहली प्राथमिकता में जीत के लिए 27 मत जरूरी हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पास 30 विधायक हैं।राजद के पास एक विधायक है, कांग्रेस के पास विधायकों की संख्या प्रदीप यादव को मिलाकर 17 है। दूसरी ओर भाजपा के विधायकों की संख्या बाबूलाल मरांडी को मिलाकर 26 है। आजसू के 2 विधायक, एनसीपी के 1, माले के 1 और 2 निर्दलीय विधायक हैं।

स्कूली स्तर पर विद्यार्थियों को पढाई के साथ-साथ रोजगार संबंधित शिक्षा भी जरूरी है

» मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्कूली स्तर पर विद्यार्थियों को पढाई के साथ-साथ अन्य कौशल की कैसे जानकारी दी जाए, कैसे उनको स्कूल से निकलते ही अपने पैरों पर खड़ा होने में व्यवसायिक मदद की जाए नीति के तहत आज दिनांक 27 मई 2022 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदपुर झाड़सा में कृषि कौशल विषय के विद्यार्थियों को विभाग की तरफ से कृषि आधारित कौशल टूल किट वितरित किए गएह्ल प्रधानाचार्य महोदय श्री दीपक यादव जी ने बताया कि विभाग की इस पहल के पीछे का मकसद है कि बच्चे पढ़ने के साथ-साथ कुछ स्कूली स्तर पर विद्यार्थियों को पढाई के साथ-साथ अन्य कौशल की कैसे जानकारी दी जाए सीखें, ताकि उनकी कुछ आमदनी भी हो सके इसलिए ही छात्रों को ये टूल किट दी गई है ह्ल इस अवसर पर गांव के गणमान्य व्यक्ति सर्वश्री नत्थू सिंह पूर्व सरपंच, सूबेदार रामफूल, लायक राम पूर्व सरपंच, छतर सिंह नंबरदार, धर्मेंद्र फौजी सामाजिक कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष जिला हैंडबॉल संघ, पार्षद सुनील कुमार, बबलू ,जगदीश प्रधान महावीर ,कैप्टन किरण, मोहन नंबरदार तथा देशराज उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन श्री विजेंद्र सिंह प्रवक्ता वाणिज्य एवं श्री सुनील कुमार प्रवक्ता गणित ने किया तथा विद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कंटेंट सेक्टर की अकेली उम्मीद है 'हिंदी' : शशि शेखर

नई दिल्ली, 27 मई। हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जन संचार संस्थान में आयोजित विशेष व्याख्यान को संबोधित करते हुए ह्यहिन्दुस्तानह्ल समाचार पत्र के प्रधान संपादक श्री शशि शेखर ने कहा कि डिजिटलाइजेशन ने पत्रकारों और पत्रकारिता को एक नई ताकत दी है। वर्तमान में कंटेंट सेक्टर की अकेली उम्मीद हिंदी भाषा है, जिसमें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक श्री आशीष गोयल, डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रधान भी उपस्थित थे।

श्री शशि शेखर ने कहा कि पत्रकारिता सत्य, तथ्य और कथ्य के साथ चलती है। जितने भी लोग खबरों के व्यावसाय में हैं, उन्हें एक बात नहीं भूलनी चाहिए, कि वे ह्यप्रोफेशनल ट्रूथ टेलरह्ल हैं। हम कहानीकार नहीं, बल्कि कलमकार हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी कंटेट की बढ़ती गुणवत्ता ने उसे डिजिटल माध्यमों पर अलग पहचान दिलाई है।

श्री शेखर ने कहा कि दुनिया जब बदलती है, तो उसके फायदे और नुकसान दोनों होते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक रवैया अपनाते हुए अच्छी चीजों को ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार अब डिजिटल युग में ग्लोबल रिसोर्स बनते जा रहे हैं। इसलिए मीडिया शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को भी उसी हिसाब से तैयार करें। पत्रकारों को अब विशेषज्ञता की आवश्यकता है।

इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि भारत में हिंदी पत्रकारिता की शुरूआत पं. युगल किशोर शुक्ल द्वारा 30 मई, 1826 को कोलकाता से प्रकाशित समाचार पत्र ह्यउदन्त मार्तण्डह्ल से हुई थी। इसलिए 30 मई को पूरे देश में हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ह्यउदन्त मार्तण्डह्ल का ध्येय वाक्य था, ह्यहिंदुस्तानियों के हित के हेतह्ल और इस एक वाक्य में भारत की पत्रकारिता का मूल्यबोध स्पष्ट रूप में दिखाई देता है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि पिछले वर्ष आईआईएमसी ने अपने पुस्तकालय का नाम पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर रखा। यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि हिंदी पत्रकारिता के प्रवर्तक पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर यह देश का पहला स्मारक है। उन्होंने कहा कि हिंदी और भारतीय भाषाओं का यह स्वर्णिम युग है। हिंदी सभी को साथ लेकर चलने वाली भाषा है। माताएं और भाषाएं अपने बच्चों से ही सम्मान पाती हैं।

भारतीय जन संचार संस्थान के समस्त विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान श्री शशि शेखर ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया एवं उनके साथ सार्थक संवाद किया।

29 मई की आम आदमी पार्टी की कुरुक्षेत्र रैली प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा प्रदान करेगी : राजबाला शर्मा

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। 29 मई को कुरुक्षेत्र में होने वाली रैली में 50 से ज्यादा बस लेकर पहुंचेगी। मदरलैंड अखबार की रिपोर्टर गीतिका की कुरुक्षेत्र रैली को लेकर राजबाला शर्मा से खास बातचीत।

आम आदमी पार्टी की राजबाला का कहना है की 29 मई की आम आदमी पार्टी की कुरुक्षेत्र रैली प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा प्रदान करेगी : 19 जून माह में होने वाले पंचायत एवं निकाय चुनाव आम आदमी पार्टी अपने सिंबल पर चुनाव लड़ेगी और बहुत अच्छा प्रदर्शन करेगी: हरियाणा में मौजूदा भाजपा व जजपा सरकार के कार्यकाल में आम आदमी के लिए कुछ नहीं किया गया है, जिसका वे इन चुनावों में उल्लेख कर सकें।

राजबाला शर्मा।29 मई को पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुरुक्षेत्र में होने वाली ह्लअब बदलेगा हरियाणा रैलीह्व काफी अहम होगी और यह प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि इस रैली को लेकर जहां पार्टी कार्यकताओं में काफी जोश है, वही आम लोगों में भी इसके लिए भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि गुड़गांव जिले से भारी संख्या में लोग खासकर महिलाएं इस रैली में शिरकत करेंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय बेरोजगारी, महंगाई, बिजली, पानी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य अहम मुद्दे हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर सड़कें, जलभराव गंदगी, टूटी हुई गलियां, स्ट्रीट लाइट आदि भी अहम मुद्दे रहेंगे। पार्टी कार्यकर्ता पूरे जोर-शोर के साथ आमजन तक पहुंच कर लोगों को इस रैली में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं और लोगों का भी काफी समर्थन इसके लिए मिल रहा है।

अधिवक्ता परवीन शर्मा। परवीन शर्मा का कहना है की लोग प्रदेश में एक बदलाव की उम्मीद से अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। क्योंकि अब तक प्रदेश में जिस किसी भी पार्टी की सरकार रही है उसने विकास के नाम पर सिर्फ और सिर्फ अपना और अपने लोगों का ही विकास किया है। और अब सत्ता प्राप्ति के लिए विभिन्न दलों में आपस में काफी खींचातानी चल रही है जबकि आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता सिर्फ और सिर्फ आप की सरकार प्रदेश में बनाने के लिए जोर लगा रहा है, ताकि आमजन को दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दी जा सके। क्योंकि पार्टी का लक्ष्य जन सेवा करना ही है। आम आदमी पार्टी आप से जुड़िए अभियान के तहत 10000 से अधिक लोग गुड़गांव में जुड़ चुकी है ह्ल आदमी पार्टी की रैली में राजबाला का कहना है की कम से कम दो लाख आदमी पहुंचने की संभावना है।

दिल्ली कमेटी के दिवालियेपन पर न्यायिक जांच होनी चाहिए : सरना

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर, मदरलैंड संवाददाता

- सरना ग्रुप ने कहा, सिरसा-कालका की जोड़ी को कोर्ट के अवमानना के मामले में ही 20 साल सजा हो सकती है
- आखिर ऐसा क्या कुछ हुआ कि आज दिल्ली कमेटी पूर्ण दिवालियापन के कगार पर है

नई दिल्ली। नई दिल्ली। शिरोमणी अकाली दल दिल्ली (शिअदद) ने दिल्ली के शीर्ष सिख धार्मिक संस्था के पूर्ण दिवालियापन पर न्यायिक जांच की मांग करने के लिए एक याचिका दायर करने की योजना बनाई है। शिअदद के प्रधान परमजीत सिंह सरना ने आरोप लगाते हुए कहा कि कालका-सिरसा की जोड़ी द्वारा चलाई जा रही दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के कर्मचारियों के वेतन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बढ़ते बिलों को लेकर माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के सामने अपनी नई पेशगी में आधिकारिक तौर पर गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल (जीएचपीएस) की श्रृंखला को दिल्ली कमेटी से दूर कर लिया है।

सरना ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि हरमीत सिंह कालका की अध्यक्षता वाली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी न्यायालय में अपने मौजूदा और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की देनदारी को खत्म करने संबंधित कोई भी ठोस तर्क देने में विफल रही है। यही नहीं जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने जीएचपीएस के वर्षों पुराने मुद्दे को हल करने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में इनके वकील से पूछा तो उन्होंने स्कूलों के स्वामित्व को ही छोड़ दिया। जबकि डीएसजीएमसी गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों की करता-धर्ता है।

बावजूद इसके दिल्ली कमेटी द्वारा माननीय न्यायलय के सामने जीएचपीएस से अपना मालिकाना हक छोड़ना यह दर्शाता है कि सिरसा-कालका की जोड़ी उस स्थिति से भाग रही है जो उन्होंने खुद गुरुद्वारा कमेटी के सभी वित्तीय संसाधनों को छीनकर बनाई।

सरना ने बताया कि हमने कमेटी छोड़ते वक्त 120 करोड़ रुपए खजाने में छोड़े थे। अब जब दिल्ली कमेटी दिवालिएपन के कगार पर है तो इसकी अदालती जांच करने संबंधित कार्यों के लिए हमने तुरंत एक कानूनी जानकारों की टीम को इस काम के लिए लगा दिया है।

हमारी मांग है कि कोर्ट द्वारा नियुक्त आयोग इस बात की जांच करे कि गुरुद्वारा कमेटी आज जहां है वहां कैसे पहुंची। सिरसा-कालका जोड़ी के तहत हुई लूट का पूरा

सच का पता लगाने के लिए कोर्ट की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा कमेटी अपने ही कर्मचारियों को उनके जायज बकाया को लेकर इतने तनाव में क्यों हैं?

शिअद दिल्ली के प्रमुख परमजीत सिंह सरना ने यह भी कहा कि अदालत ने गुरद्वारा कमेटी को चेतावनी भी दी है कि उसका शीर्ष नेतृत्व पर कोर्ट के अवमानना के 41 मामले हैं, जिनमें से प्रत्येक को कम से कम छह-छह माह की सजा हो सकती है।

सरना ने कहा कि कालका के नेतृत्व वाली कमेटी को केवल कोर्ट के अवमानना के मामले ही 20 साल और 6 महीने की सजा भुगतनी पड़ सकती है। इसके अलावा उन पर धोखाधड़ी और लूट के अन्य आरोप भी हैं। अगर इसमें भी उन्हें दोषी ठहराया जाता है तो सिरसा-कालका की जोड़ी को जीवन भर जेल में बितानी पड़ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

सडक सुरक्षा सप्ताह जागरूकता अभियान के अन्तर्गत पोस्टर कार्यक्रम कराया गया

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी/भोंगाव। सडक सुरक्षा सप्ताह जागरूकता अभियान के अन्तर्गत नेशनल पी जी कालेज भोगांव के एन.सी.सी. कैडेट्स से सड़क सुरक्षा पर पोस्टर कार्यक्रम कराया गया। सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में तीन यूपी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल जे.एस. कौशल एवं नेशनल पी जी कालेज के प्राचार्य डा.एस.के.एस. यादव ने कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की दी जानकारी। डा. ए के पाल कैडेट्स को अपने आसपास के लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में बताने को कहा डा.असीम यादव ने कैडेट्स को बताया कि जो लोग नशा करके वाहन चलाते हैं उन पर सकती से पेश आए। कैडेट्स ने पोस्टर के माध्यम से सड़क सुरक्षा के नियमों को दशार्या पोस्टर बनाने वाले कैडेट्स में प्रथम स्थान दीक्षा गौर ने और द्वितीय स्थान कामिनी शिवी पाण्डेय तृतीय स्थान दुर्गा भावना शाक्य जगत मणि का स्थान रहा कमान अधिकारी और डा. एस के एस यादव ने कैडेट्स को प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कैडेट्स को शुभकामनाएं दी। सडक सुरक्षा कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी एस पी सिंह, डा ए के पाल, डा असीम यादव, सूबेदार मेजर साहब खान सूबेदार प्रकाश चांद हवलदार मनीष मोहन, डा अबधेश कुमार, डा आशुतोष मिश्रा, संजय सक्सेना, अमित कुमार, जयवीर सिंह, परमार, विशाल यादव, डा आन्नद मोहन, प्रवीन सक्सेना आदि लोग मौजूद रहे!

पटवारी को 1500 रू0 घूसखोरी मामलें में रंगे हाथ दबौचा, साथी पटवारी फरार

मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। जिला सतर्कता विभाग की टीम ने पुन्हाना तहसील प्रांगण से रामदेव नामक पटवारी को घूसखोरी मामलें में रंगे हाथ दबौच लिया है। आरोप है कि वह भूमि इंतकाल दर्ज कराने के ऐवज में 1500 रू0 रिश्वत मांग रहा था। विभागीय टीम ने रिश्वत की राशि भी आरोपी से बरामद कर ली हैं। जबकि उसका एक अन्य सहयोगी पटवारी मौका से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव डूडोली(पुन्हाना) निवासी इस्लाम पुत्र भूरे खां अपनी जमीन के इंतकाल चढाने की ऐवज में हल्का पटवारी 1500 रू0 मांग रहा था। इस बीच उसने जिला सतर्कता विभाग के निरीक्षक जयपाल सिंह को शिकायत दे दी और सतर्कता विभाग के एएसआई संजय, मुख्य सिपाही कुलदीप, सिपाही मनोज ने डयूटी मैजिस्टेऊट शमशेर सिंह के नेतृत्व में पुन्हाना तहसील प्रांगण में खड़े पटवारी को जैसे ही रिश्वत की रकम ली सतर्कता विभाग की टीम ने पटवारी को तो मौके पर रिश्वत की राशि सहित गिरफतार कर लिया लेकिन उसका साथी विनोद मौके से फरार हो गया। सतर्कता विभाग ने रामदेव व विनोद पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज कर रामदेव को गिरफ्तार कर लिया और आगे जांच कर रही है जबकि उसका साथी विनोद फरार है। इस बारे में सतर्कता विभाग के निरीक्षक जयपाल सिंह ने शुक्रवार सांय माना कि रामदेव पटवारी को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जबकि उसका साथी विनोद मौका से फरार हो गया।

ग्राम टिंडोंली में पानी की टँकी के विवाद में अधिवक्ता ने जून में कोर्ट बन्द होने पर सुनवाई के लिए दीया प्रार्थना पत्र

अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत चयनित तहसील मैनपुरी ग्राम पंचायत टिंडों ली में पानी की टँकी के गलत जगह पर निर्माण को लेकर अधिवक्ता देवेन्द्र सिंह कटारिया ने न्यायालय में केस दर्ज किया है जिसमे जिला अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी, लेखपाल, प्रधान को पार्टी बनाया है जिसमे 14 जुलाई तारीख विपक्षी के जबाब हेतुं नियत हैं किंतु जून माह में सिविल केसों की सुनवाई बन्द होने पर अधिवक्ता देवेन्द्र सिंह कटारिया ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया कि जून माह में न्यायालय बन्द होने कारण विपक्षी गण टँकी के कार्य मे प्रगति ला सकते हैं ऐसी स्थिति में जून माह में विपक्षी लोगो को कार्य करने से रोक जाये जब कि टिंडों ली के निवासी गण कहते है कि केंद्र सरकार की पानी के8 टँकी का निर्माण यदि टिंडों ली में न हो तो टँकी की ग्राम वासियों को कोई जरूरत नही है उनके गांव में बमुश्किल से पक्की सड़के सांसद, विधायक, एम एल सी की निधि से बनी है जो टँकी के निर्माण के दौरान सड़के सब टूट जाएगी और घरों तक पानी नही आयेगा अभी पानी की टँकी के लिए जो पाईप प्राइवेट संस्था द्वारा मानक से कम मोटाई के डाले जा रहे हैं अधिवक्ता देवेन्द्र सिंह कटारिया आज जिलाधिकारी से पानी की टँकी के निर्माण के सम्बंध में मुलाकात की जिस पर उप जिलाधिकारी सदर ने जाँच कराने को कहा हैं

1 जून को महिला आयोग की सदस्य सुमन चतुवेर्दी सुनेगी महिलाओं की समस्याएं

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। मिशन शक्ति 4.0 के अन्तगर्त महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से तथा आवेदक, आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग सुमन चतुवेर्दी की अध्यक्षता में 1 जून (बुधवार) को ट्राजिस्ट हास्टल में जागरूकता चैपाल शिविर, महिला जनसुनवाई कायर्क्रम का आयोजन होगा। मिशन शक्ति 4.0 के अन्तगर्त महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं विषयक जागरूकता, चैपाल का आयोजन किया जायेगा, चैपाल, शिविर के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जायेगी, योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध कराये जाने के साथ ही पात्रों का सुसंगत योजनाओं में यथासंभव पंजीकरण भी कराया जायेगा, उ.प्र. शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा निराश्रित महिलाओं को पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने, कन्या सुमंगला योजना से अच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद की महिलाओं को लाभान्वित किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक प्रचार-प्रसार कराया जायेगा, उ.प्र. बाल सेवा योजना से लाभान्वित परिवारों, बालिकाओं के सम्बन्ध में समीक्षा की जायेगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में जनपद को 175 शादी का लक्ष्य

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने माह जून में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कायर्क्रम की तैयारियों संबंधी बैठक मे उप जिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय से कहा कि सामूहिक विवाह योजना का का लाभ पाने के लिए प्राप्त फार्म की गहनता से जांच करें, वर-वधु, उनके अभिभावकों को कायार्लय बुलाकर भौतिक सत्यापन करें, कायार्लय आने पर मोबाइल से फोटो अवश्य ली जाए, दिव्यांग के सम्बन्ध में यथा संभव उसके घर जाकर सत्यापन किया जाये, प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन किया जाए, योजना का लाभ पात्र, गरीब परिवार की कन्या को मिले, सुनिश्चित किया जाए यदि कहीं अपात्र को योजना में लाभान्वित किया गया तो संबंधित की जवाबदेही तय कर दंडात्मक कायवार्ही होगी, वर-वधु को दिये जाने वाले सामान की गुणवत्ता की जांच गठित कमेटी से करायी जाये, उप जिलाधिकारी सदर, अधिशाषी अधिकारी कुरावली, ज्योति खुड़िया, जिला कायर्क्रम अधिकारी सहित अन्य महिला अधिकारियों से वधु को दिये जाने वाले सामान की जांच करें, वर-वधु को बेहतर क्वालिटी का सामान, कपड़े आदि उपलब्ध कराये जायें।

श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में जनपद को 175 शादी का लक्ष्य शासन स्तर से आवंटित किया गया है, इस हेतु धनराशि भी अवमुक्त हो चुकी है, प्रत्येक शादी पर रू. 51 हजार व्यय होगा, जिसमें से रू. 35 हजार की धनराशि वधु के बैंक खाते में भेजी जानी है, इसलिए सभी सम्बन्धित अधिकारी, कमचार्री सुनिश्चित करें कि आवेदन के साथ ही वधु का बैंक खाते का विवरण प्रत्येक दशा में प्राप्त किया जाये, प्राप्त सभी आवेदन पत्रों की गहनता से जांच की जाये, खासतौर पर वर की उम्र 21 एवं वधु की उम्र 18 वर्ष से कम न हो इस हेतु आवेदन पत्र के साथ वर-वधु का शैक्षिक प्रमाण-पत्र, मनरेगा जॉब काड, आधार काड, मतदाता पहचान पत्र आदि में कोई न कोई दस्तावेज अवश्य लगवाया जाये, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वग की दशा में जाति प्रमाण-पत्र संलग्न कराया जाये, भौतिक सत्यापन के समय वर-वधु की आयु, आय के प्रमाण पत्र की जांच गहनता से की जाए। उन्होने कहा कि जनपद हेतु आवंटित 175 लक्ष्य की पूर्ति हेतु सभी उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी को 50-50, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मैनपुरी को 50 एवं अन्य समस्त अधिशाषी अधिकारी को 25-25 का लक्ष्य आवंटित किया गया है, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी स्थानीय निकाय आवंटित लक्ष्य की पूति करें, इस हेतु लेखपाल, सचिव, सफाई नायक, ग्राम प्रधानों का सहयोग लिया जाये, इनके माध्यम से वाड, ग्रामों में ऐसे गरीब परिवारों को जिनके यहां शादी प्रस्तावित है, को चिन्हित कराकर उन्हें योजना में लाभान्वित कराया जाये,

जिलाधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्र में संबंधित उप जिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्र में संबंधित खंड विकास अधिकारी प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच, पात्र को लाभान्वित कराने के लिए जिम्मेदार होंगे, पात्रता का चयन पूरी सावधानी से किया जाये। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 02 लाख वाषिर्क आय सीमा के अन्तगर्त आने वाले परिवारों की वयस्क पुत्रियों के विवाह हेतु इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है, सभी वगों के जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों की कन्याओं के विवाह हेतु सामूहिक आयोजन किया जाता है, इस योजना के तहत विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिलाओं के विवाह की भी व्यवस्था है, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नगरीय निकाय (नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगर निगम) क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत स्तर पर पंजीकरण कराये जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होने जिला समाज कल्याण अधिकारी निदेर्शित करते हुये कहा कि सामूहिक विवाह हेतु सभी तैयारियां समय से पूर्ण की जायें, माह जून में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह कायर्क्रम को पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जाये, वर-वधु पक्ष से आने वाले लोगों के स्वागत में कोई कमी न रहे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर, भोगांव, करहल, किशनी, कुरावली, नवोदिता शमा, राज नारायण त्रिपाठी, आर.एन. वमा, जय प्रकाश, वीरेन्द्र कुमार मित्तल, समस्त तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय आदि उपस्थित रहे, बैठक का संचालन जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. इन्द्रा सिंह ने किया।

कृषि विभाग की संचालित योजनाओं की जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक मैं दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने खराब प्रगति पर जताई नाराजगी

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने आत्मा, जिला कृषि वार्षिक योजना, पीएम किसान, फसल बीमा, एफपीओ, बीज वितरण सहित अन्य कृषि विभाग की संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में पंजीकृत कृषकों की विकास खंडवार ई-केवाईसी प्रगति में निधार्रित लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 56 प्रतिशत की पूति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये उप कृषि निदेशक को निदेर्शित किया कि सबसे खराब प्रगति वाले 03 तकनीकि सहायकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कायवार्ही कर आख्या उपलब्ध कराये जाने के निदेर्श दिये। उन्होंने कहा कि किसानों की ई-केवाईसी कराये जाने में किसी भी प्रकार की हीला-हवाली बदार्श्त नहीं की जायेगी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी नेतृत्व देकर आगामी 02 दिन में किसानों की ई-केवाईसी की प्रगति सुधारें, ग्रामवार रोस्टर बनाकर प्रधानों, ग्राम पंचायत अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्त किसानों की ई-केवाईसी करायी जाये।

श्री सिंह ने कहा कि किसी भी जन सुविधा केंद्र संचालक द्वारा किसानों से ई-केवाईसी कराने हेतु निधार्रित धनराशि से अधिक राशि किसी भी दशा में न ली जाये, कोई भी जन सेवा केंद्र संचालक किसानों का शोषण न करें, समस्त उप जिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारी, कमचार्री ऐसे किसानों जिनके द्वारा अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है, उन किसानों को ई-केवाईसी कराने हेतु प्रेरित करें उन्हें ई-केवाईसी कराने हेतु लिखित में उपलब्ध कराया जाये, कोई भी किसान जानकारी के अभाव में ई-केवाईसी कराने से वंचित न रहे, किसानों को ई-केवाईसी कराने हेतु आधार काड, बैंक पासबुक सहित प्रयोग होने वाले दस्तावेजों की जानकारी दी जाये। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी, उप कृषि निदेशक से कहा कि जनपद के प्रगतिशील कृषकों के उत्पादों का प्रदशर्न कराए जाएं, अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जाये, किसानों को खाद, बीज, कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान को समय से उपलब्ध कराया जाये, कृषकों को अन्य योजनाओं से लाभान्वित कर उनके उत्थान, आय में वृद्धि बढ़ाने की दिशा में कायवार्ही की जाये। उन्होंने बीज की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा करने पर पाया कि जनपद को 600 कुन्तल धान बीज उपलब्ध कराया गया है, जिसका वितरण किसानों को किया जा रहा है, धान बीज प्रजाति पी.वी. 1509 एवं पीवी 1718 की रू. 5495 प्रति कुन्तल की दर निधार्रित है, कृषकों को 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराय जा रहा है, अनुदान की धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभाथी किसानों के बैंक खातों में भेजी जा रही है।

जिलाधिकारी ने कृषि उत्पादन संगठन एफ.पी.ओ. के सम्बन्ध में जानकारी करने पर पाया कि जनपद में कृषि उत्पादन पर आधारित 06 समूह संचालित हैं, जिनके द्वारा आलू उत्पादन, बीज, जैविक खेती, मूँगफली उत्पादन, लहसुन उत्पादन, सब्जी खाद्यान्न उत्पादन एवं माकेटिंग के काय किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान ऊजा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निदेर्श देते हुये कृषि विभाग के अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों से कहा कि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को दिलाने का प्रयास करें, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अधिक से अधिक किसानों का बीमा कराया जाये ताकि दैवीय आपदा की दशा में किसान लाभान्वित हो सकें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर, भोगांव, करहल, किशनी, कुरावली, नवोदिता शमा, राज नारायण त्रिपाठी, आर.एन. वमा, जय प्रकाश, वीरेन्द्र कुमार मित्तल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. बी.पी. सिंह, जिला कृषि अधिकारी सूय प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे, बैठक का संचालन उप कृषि निदेशक डीवी सिंह ने किया।

इंटरनेशनल एडवोकेट ऑर्गनाइजेशन के राष्टीय अध्यक्ष ने अधिवताओ से की मुलाकात

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जनपद मैनपुरी बार एशोसिएशन में इंटरनेशनल एडवोकेट ऑर्गनाइजेशन के राष्टीय अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने अधिवताओ से मुलाकात की उन्होंने युवा अधिवक्ता चमन शाक्य के प्रकरण के बारे में जानकारी की ओर मैनपुरी के अधिवताओ को संगठित ओर एकता की अधिवताओ की शक्ति पर मैनपुरी बार के अध्यक्ष व सचिव को धन्यवाद किया कि उनके अथक सहयोग से अधिवक्ता को न्याय मिल बार के लाइब्रेरी मीटिंग हाल में बेठक की जिसमे प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह कटारिया ने उनका स्वागत किया तथा अध्यक्ष सौरभ यादव, सच्ची सन्तोष यादब, जिला अध्यक्ष ब्रजेन्द्र यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया सौरभ यादब, सन्तोष यादव, देवेन्द्र कटारिया व अन्य अधिवताओ ने अपने विचार रखे राष्टीय अध्यक्ष सुधीर शर्मा ने कहा कि वह ओर उनका संगठन हमेशा अधिवताओ के साथ है उनके हित मे कार्य करता हैं वह इस समय अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को उत्तर प्रदेश में लागू करने के लिए सरकार से प्रयासरत हैं उन्होंने कहा कि उनके संगठन से अधिक से अधिक अधिवक्ता जुड़े बाद में कलेक्ट्रेट पर जिला अधिकारी व एस डीएम से देवेन्द्र कटारिया के जन हित करी प्रयास पानी की टँकी के लिए मुलाकात की वहां भी अधिवताओ से मुलाकात कर सभी का हालचाल जाना मैनपुरी बार की बैठक में मुनेंद्र यादव, नृप चौधरी, ओमप्रकाश कठेरिया, अमित कठेरिया, विनीत निगम, सतेंद्र शाक्य, व काफी सख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे

समाज सुधार अभियान की वर्किंग कमेटी की बैठक

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। समाज सुधार अभियान की वर्किंग कमेटी ने मुफ्ती जाहिद हुसैन की सदारत में फिरोजपुर झिरका, नगीना, नूह, सोहना हलको की स्थानीय कौर कमेटी गठित कर दी है जिससे समाज सुधार अभियान ने मजबूती की तरफ एक कदम ओर बढ़ा दिया है। पहले से तय समय पर वर्किंग कमेटी के सदस्य उपरोक्त सभी हलको में पहुँचे जहाँ पर लोगो ने उनका स्वागत किया और सर्वसम्मति से हलको की स्थानीय कमेटियों का गठन हो गया।

याद रहे समाज सुधार अभियान 5 फरवरी 2022 को कुछ फिक्रमंद साथियो ने नीमली तिजारा से शुरू किया था जिसमे उलेमा हजनात, सियासी नुमाइंदे, समाजी कारकुनान और प्रबुद्ध लोगो को मदु किया गया था जिसमे सर्वसम्मति से फैसला हुआ कि इस अभियान को उलेमा हजनात की अगुवाई में चलाया जाएगा और अल्लाह के फजल व कर्म से अभी तक नीमली तिजारा, फिरोजपुर झिरका, नूह और किशनगढ़ (अलवर) में चार कामयाब इजलास हो चुके और पांचवा इजलास 9 जून 2022 को सीकरी(भरतपुर) राजस्थान में होने जा रहा है। इस अभियान का मकसद समाज मे फैल रही बुराइयो और कुरूतियों को दूर करके स्वच्छ, एक और नेक समाज बनाना है इसलिए समाज से गुजारिश है कि आओ, जुडो और साथ चलो।

अभियान में वर्किंग कमेटी के साथी मुफ्ती जाहिद हुसैन मौलाना अरशद मिलखेड़ला, मौलाना शेर मोहम्मद, अमीनी, पूर्व मंत्री आजाद मोहम्मद, पूर्व विधायक सईदा खान, मौलाना अथर साहब, जुबेर अल्वरी, सलामुद्दीन नोटकी एडवोकेट, रमजान चौधरी, कोर कमेटी के कारी साहून सहित अलग अलग हलको में सेकड़ो स्थानीय साथी मौजूद रहे।

हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग किया जाए और न्यू पेंशन स्कीम को बंद किया जाए

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग करवाने की मांग, पुरानी पेंशन बहाल करवाने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने, कच्चे कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी, छंटनी ग्रस्त कर्मचारियों की बहाली व अन्य मांगों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन उपायुक्त कार्यालय के सामने जिला सचिव योगराज दीक्षित की अध्यक्षता में किया गया। प्रदर्शन का संचालन लिखीराम ने किया। प्रदर्शन मे पुनहाना, नगीना, फिरोजपुर झिरका, तावडू, नहूं के पक्के व कच्चे कर्मचारी शामिल हुए।सभी कर्मचारियों ने सरकार की आलोचना करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद सभी कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए माननीय मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए जिला सचिव योगराज दीक्षित ने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम में बहुत ज्यादा खामियां उजागर हो रही है कौशल रोजगार निगम में जाने से कच्चे कर्मचारियों के लिए भविष्य में गंभीर परिणाम सहन करने होंगे कच्चे कर्मचारियों मे भ्रम की स्थिति बनी हुई है और वे इस निगम में शामिल भी नहीं होना चाहते है यह निगम ना तो कर्मचारियों के हित में हैं और ना विभागों व जनता के हित में हैं सरकार कच्चे कर्मचारियों को जबरदस्ती पंजीकरण करवाकर हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल करना चाहती है यदि सरकार इन कच्चे कर्मचारियों की हितेशी है तो पहले गेस्ट टीचर की तर्ज पर इनको समान काम समान वेतन दे सेवा सुरक्षा की गारंटी दे ओर बाद मे पक्का करने की नीति बनाए। इस निगम के बाद कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने की प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। भविष्य में कच्ची भर्तियां होंगी कर्मचारियों में सरकार की नीतियों व कौशल निगम के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

इस मौके पर ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के राज्य सचिव समून खान, प्रदर्शन को फूल कुमार जिला प्रधान अध्यापक संघ, सर्व कर्मचारी संघ के ब्लाक प्रधान बनवारीलाल फिरोजपुर झिरका, ब्लॉक प्रधान पुनहाना सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा असलम खान, बिजली विभाग के सचिव लियाकत, सतवीर, रामफल, प्रधान मनीष, सुल्तान, राहुल गुप्ता, जियाउल हक, देवेंद्र प्रधान, प्रधान शौकत अली, सचिव आरिफ खान, विजय सिंह, जुबेर खान, जुनैद, अरशद हुसैन, सुभाष, आजम खान, सलीम, इरफान, जावेद आदि अन्य विभागों के कर्मचारियों ने संबोधित किया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत में रोड शो कर मांगे वोट

चंपावत, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को चंपावत विधानसभा का दौरा किया। इस दौरान उन्होने मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम पंचायत ढकना बड़ोला के बैल्टाक में जनसभा का अयोजन कर अपने लिए वोट मांगे। शुक्रवार को सुबह हैलीपैड में उतरने के बाद सीएम ने बैल्टाक, छतार स्थित मल्लिकार्जुन स्कूल में जनसभा को संबोधित कर रोड शो निकाला। ढ़कना में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चंपावत जिले की विश्व के मानचित्र में एक अलग ही पहचान होगी। कहा कि इस विधानसभा में विकास की अपार संभावनाएं हैं जिन्हें चुनवों के बाद शीघ्र ही धरातल पर उतारा जाएगा। पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ, ग्रामीण क्षेत्र में सड़क सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। कहा कि सभी लोग आने वाली ३१ मई को एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में मतदान करें। इससे पूर्व सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक कैलाश गहतोड़ी ने कहा कि चुनवा से पूर्व ही विधानसभा के लिए तीन सौ करोड़ की धनराशि विकास कार्यों के लिए जारी की जा चुकी है जिससे चंपावत विधानसभा में विकास कार्य किए जाएंगें। मल्लिकार्जुन स्कूल में युवा सम्मेलन में प्रतिभाग कर युवाओं को उप चुनावों में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग करने की अपील की गयी। जिसके बाद उन्होने छतार से लेकर चंपावत मुख्याल तक रोड शो कर अपने लिए वोट मांगे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष हेमेश कलखुडिया ने किया।

आईआईटी रुड़की का आसपास के शिक्षा संस्थानों एवं अनुसंधान संगठनों के साथ एमओयू

रुड़की, एजेंसी। आईआईटी रुड़की ने आसपास के शिक्षा संस्थानों एवं अनुसंधान संगठनों के साथ साझेदारी हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और आईआईटी रुड़की में उपलब्ध सभी तकनीकी सुविधाएं एवं शैक्षणिक संसाधनों को इन संस्थानों के लिए उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। आईआईटी रुड़की स्थापना के 175 साल के समारोह के अवसर पर आज आईआईटी रुड़की द्वारा उत्तराखंड और पांच चयनित शिक्षण संस्थानों जैसे ग्राफिक एरा स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जौली ग्रांट नोएडा इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी नोएडा तथा एनआईटी उत्तराखंड के साथ-साथ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की के साथ सहयोग के लिए प्रारंभिक ढांचा स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की गई और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आईआईटी रुड़की के डिप्टी डायरेक्टर एम परीदा ने बताया एमओयू होने के बाद आईआईटी रुड़की इन संस्थानों को तकनीकी व अनुसंधान नवाचार और विकास क्षेत्र में सहयोग करेगा तथा यहां के फैकेल्टी इन संस्थानों में जाकर लेक्चर भी देंगे। इन संस्थानों के छात्र-छात्राएं यहां आकर यहां के संसाधनों जैसे लैब व अन्य तकनीक का ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा संयुक्त रूप से शोध पत्र भी जारी कर सकेंगे। फिलहाल यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है यह अपने आप मे एक ऐतिहासिक कदम है। साइंटिस्ट और डॉक्टर आपस में शोध और आगे क्या हो सकता है उस पर चर्चा करेंगे। स्वामी रामा हिमालयन विशिविद्यालय जौलीग्रांट के कुलपति विजय धस्माना ने इसे एक सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे उनके संस्थान को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब चिकित्सा को और सुलभ व सस्ता बनाने के लिए डॉक्टर इंजीनियर मिलकर ऐसे उपकरणों का निर्माण करने की दिशा में काम करेंगे जिससे लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि स्वामी रामायण विश्वविद्यालय उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं। इसलिए हमने गांव गांव तक चिकित्सा सुविधा को पहुंचने के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही चिकित्सा स्वास्थ्य शिक्षा एवम व्यवसाय का लाभ उत्तराखंड के लोगों को दिलाने के दिशा में सार्थक प्रयास कर रहे हैं। आईआईटी रुड़की के साथ हुए समझौते के बाद संस्थान को अपने मिशन में और अधिक लाभ होगा।

नगर निगम उपचुनाव में सपा अपना प्रत्याशी नहीं उतरेगी: सुमित

हरिद्वार, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष पं. सुमित तिवारी ने मीडिया को जारी बयान में कहा हैं कि सपा नगर निगम उपचुनाव में वार्ड न0 9 ब्रह्मपुरी व वार्ड नं0 60 हरिलोक में अपना प्रत्याशी नही उतरेगी, बल्कि उस प्रत्याशी का समर्थन करेंगी। जो समाजवाद की विचारधारा के करीब होगा। कहा कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ- सत्यनारायण सचान की अनुमति एवं दिशा निर्देशन से पार्टी द्वारा यह निर्णय लिया गया है। पार्टी नगर निगम के उपचुनाव में अपना कोई प्रत्याशी नही उतारेगी। बल्कि पार्टी उस प्रत्याशी का समर्थन करेगी जो समाजवादी विचारधारा का अनुयायी होगा।

नारी शक्ति के योगदान से हमारे देश और विदेश का मान-सम्मान बढ़ा: राज्यपाल

- 410 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की
- कुमाऊं विवि के 17वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया मुख्य अतिथि प्रतिभाग

नैनीताल, एजेंसी। सरोवर नगरी नैनीताल के डी एस बी कॉलेज में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह(सेवा निर्वत) ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि/उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री ने शैक्षिक सत्र 2019-20 एवं 2020-21 के सामान्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के स्नातक एवं परास्नातक स्तर के कुल 58,640 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में जहां 410 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई वहीं स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले 115 विद्यार्थियों को मेडल एवं 5 विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार दिए गए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी उपाधि एवं मेडल धारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का सही उपयोग तभी संभव है जब वह जानकारी प्रयोगशालाओं से खेतों तक और कक्षाओं से गांव तक पहुंचे। राज्यपाल ने कहा कि आज बेहद हर्ष का विषय है।120 में से 95 गोल्ड मेडल बेटियों ने प्राप्त किए हैं जो यह साबित करती है कि वे किसी से कम नहीं हैं, इससे यह पता चलता है कि बेटियां कितनी विशिष्ट क्षमताओं से युक्त हैं।

उत्तराखण्ड की नारी शक्ति अलग ही नेतृत्व क्षमता से युक्त हैं। उनके बड़े योगदान से हमारे देश और विदेश का मान-सम्मान बढ़ा है। राज्यपाल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे किसी भी क्षेत्र में कार्य करें किन्तु गांव में रहने वाली मातृशक्ति के जीवन को उन्नत और सरल बनाने में अपना योगदान अवश्य दें। उन्होंने कहा कि नैनीताल की सुंदरता पूरी दुनिया को आकर्षित करती है। यहां की झीलें प्रकृति के किसी सुंदर वरदान से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि के प्रत्येक नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि हम अपने प्रदेश को साफ-सुथरा व प्लास्टिक मुक्त करें। राज्यपाल ने कहा कि आने वाला समय विश्वगुरू के रूप में भारत नेतृत्व करेगा। इसके लिए विद्यार्थियों को ज्ञानवान, परिश्रमी, मेधावी और चरित्रवान नागरिक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डॉ. धन सिंह रावत ने मेडल और उपाधि धारकों को बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में इसी वर्ष नई शिक्षा नीति लागू की जा रही है जिसमें वेद, ज्योतिष, वैदिक गणित, उत्तराखण्ड का इतिहास, जसूली देवी का इतिहास सहित क्षेत्रीय भाषाओं के पाठ्यक्रम सम्मिलित किया जायेगा। उच्च शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय के लिए 10हजार नई किताबें देने की घोषणा की। साथ ही अवस्थापना से संबंधित जो भी कमियां हैं उन्हें दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा मिले इस ओर हर संभव प्रयास किये जायेंगे। दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो.एन.के.जोशी ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र और फैकेल्टी व एन.सी.सी की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। कुलसचिव दिनेश चन्द्रा ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया। इस समारोह में प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, विधायक सरिता आर्य, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट, समेत कार्यपरिषद् व विद्या परिषद् के सदस्य, डिग्री व मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महंगाई बढ़ाकर जनादेश का अपमान कर रही भाजपा सरकार: नरेश

हरिद्वार, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की विधानसभा कलियर कार्यालय में हुई बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश शर्मा ने कहा कि बढती महंगाई के विरोध में भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। भाजपा ने जिन जुमलों और झूठे वादों के सहारे जनता का भरोसा जीत कर सत्ता हासिल की थी। आज उन वादों के विपरीत लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है, जोकि भाजपा के द्वारा जनादेश का अपमान करने की तरह है। उन्होंने कहा कि सरकार की उपेक्षा पूर्ण नीति के चलते आम आदमी परेशान है, रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, पेट्रोल और डीजल की कीमतें रुक नहीं रही हैं साथ ही आम आदमी के सामान्य जीवनचर्या से जुड़ी हर चीज महंगी हो गई है। जिससे आम लोगों को अपना घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार हो या फिर उत्तराखंड की धामी सरकार भाजपा की सरकारें महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रही हैं। भाजपा को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार के सरकार से महंगाई पर नियंत्रण करने की मांग की। इस मौके पर साहिब अकरम, जनेदलक्ष्मी सोनकर, राव तनवीर, विशाल, महबूब जलफुकर, कमलेश, निक्की, मनीषा, समीर, स्वराज पाटिल, खालिद हसन समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने की उत्तराखण्ड में रोपवे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा

देहरादून, एजेंसी। मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु ने शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड में रोपवे प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने सभी प्रोजेक्ट्स की प्रगति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सभी प्रोजेक्ट्स के लिए टाइम लाइन्स निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक स्टेप के लिए प्रत्येक स्तर पर टाइम लाइन निर्धारित किए जाने की बात कही। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट्स की डीपीआर और फॉरेस्ट और अन्य प्रकार की क्लियरेंस की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी प्रोजेक्ट्स में जो कार्य एक साथ शुरू किए जा सकते हैं, किए जाएं, इससे कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने सभी प्रोजेक्ट्स की लगातार समीक्षा कर आ रही समस्याओं को दूर किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि सोनप्रयाग - गौरीकुंड - केदारनाथ रोपवे और गोविंदघाट - घांघरिया - हेमकुंड साहिब रोपवे की डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जबकि पंचकोटी से बौराड़ी, बलाती बैंड से खलिया टॉप, ऋषिकेश से नीलकंठ, औली से गोरसों और रानीबाग से हनुमान टेंपल रोपवे प्रोजेक्ट्स की डीपीआर हेतु कंसल्टेंट नियुक्त कर दिया गया है। इस अवसर पर सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एसएसबी सिलीगुड़ी बनी राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता की चैंपियन

पौड़ी, एजेंसी। पौड़ी के ऐतिहासिक कंडोलिया मैदान में राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता स्वर्गीय भगवान सिंह टम्टा की स्मृति के नाम से मैच रखा गया था। फाइनल मुकाबले में एसएसबी सिलीगुड़ी बंगाल व केरला पुलिस त्रिवेंद्रम के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जहां पहले हाफ में दोनों ही टीमें एक दूसरे पर गोल नहीं कर सकी तो वहीं दूसरे हाफ की शुरूआत में ही एसएसबी सिलीगुड़ी ने एक जीरो से बढ़त बना ली। वहीं मैच के निर्णायक पलों में केरला पुलिस ने एक गोल दागकर मैच को बराबरी में लाकर खड़ा कर दिया, तो वहीं पैनल्टी शूटआउट के दौरान भी दोनों ही टीमों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। जहां पैनल्टी शूटआउट के सडेन डेथ के जरिए एसएसबी सिलीगुड़ी बंगाल की टीम ने जीत हासिल की। विजेता टीम एसएसबी सिलीगुड़ी बंगाल को ट्रॉफी के साथ 01 लाख 25 हजार रुपए के पुरस्कार से नवाजा गया तो वहीं उपविजेता टीम रही केरला पुलिस त्रिवेंद्रम को ट्रॉफी के साथ 50 हजार रुपए दिए गए। फाइनल मैच के पुरस्कार वितरण के दौरान बतौर मुख्य अतिथि पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी की मौजूदगी रही, तो वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि पौड़ी कोतवाल विनोद गुसांई भी मौजूद रहे। दोनों ही टीमों के गोलकीपर तथा उम्दा खेल का प्रदर्शन कर रहे एक-एक खिलाड़ी को सेंगा कंपनी के फुटबॉल शूज तो विजेता व उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किए गए। नगर पालिका द्वारा ग्रीष्मोत्सव के तहत आयोजित फुटबॉल मैच में सुरेंद्र सिंह रावत, एसडीएस रावत, योगेंद्र पटवाल तथा कृपाल सिंह ने रेफरी की भूमिका निभाई तो वहीं गजेंद्र सिंह रावत, शैलेश जोशी तथा इनायत हुसैन द्वारा मैच में कॉमेंट्री की गई। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम, आयोजक विक्रम सिंह रावत, सह संयोजक मोहन सिंह रावत तथा दयाल सिंह रावत आदि की भी मौजूदगी भी रही। फाइनल मैच को देखने आज पौड़ी के कंडोलिया मैदान में फुटबॉल प्रेमियों की अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत जनपद में विभिन्न लाभार्थियों ने बताई अपनी सफलता की कहानी

- लाभार्थियों ने आवास मिलने पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का ह्रदय से जताया आभार

देहरादून, एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत जनपद में विभिन्न लाभार्थियों द्वारा अपनी सफलता की कहानी बताते हुए अपने अनुभव साझा किए कि कैसे प्रधानमंत्री आवास योजना से उनकी झोपड़ी के स्थान पर पक्का मकान बन गया। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार का सहृदय से आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी श्रीमती प्रेमवती देवी पत्नी गंगाराम वर्ष- 2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- मारखग्रान्ट आईडी संख्या- यूटी149333251, लाभार्थी लियाकत अली पुत्र लफीत अली वर्ष- 2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- माजरीग्रान्ट आईडी संख्या यूटी117534690 लाभार्थी का नाम - तारा चन्द पुत्र सुगन सिंह वर्ष- 2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- माजरीग्रान्ट आईडी संख्या - यूटी115724859, श्रीमती संगीता देवी पत्नी बनवारीलाल वर्ष -2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- माजरीग्रान्ट आईडी संख्या- यूटी124559111, श्रीमती सुमन देवी पत्नी ऋषिपाल वर्ष- 2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- माजरीग्रान्ट आईडी संख्या- यूटी115971336 चन्दन सिंह नेगी पुत्र बहादुर सिंह नेगी वर्ष- 2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- मारखमग्रान्ट आईडी संख्या- यूटी132353244, राजेन्द्र सिंह पुत्र सुगन सिंह वर्ष - 2020.21 ग्राम पंचायत का नाम- मारखमग्रान्ट आईडी संख्या- यूटी149584323। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों द्वारा अपनी सफलता की कहानी बताते हुए बताया गया कि मजदूरी करके केवल अपने परिवार का भरण -पोषण किया जा सकता था इससे आगे कुछ नही कर पा रहे थे तथा कच्चे मकान में वषार्काल एवं तेज हवाएं चलने के दौरान खतरा बना रहता था। प्रधानमंत्री आवास योजना से कैसे उनका अपना पक्के मकान का सपना पूर्ण होने की कहानी बयां करते हुए लाभार्थियों ने बताया कि गत वर्ष प्रधान ने बताया कि तुम्हारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास स्वीकृत है, कुछ दिन बाद ब्लाक से ग्राम विकास अधिकारी द्वारा उनकी झोपड़ी का जियो टैंग/फोटो करते हुए आधार कार्ड कि छायाप्रति और बैंक पास बुक की छायाप्रति मांगी, इसके एक सप्ताह के अन्दर संबंधित लाभार्थियों के बैंक खाते में 60000.00 रू. (साठ हजार रुपए) की प्रथम किस्त आई इससे उनके मकान का कार्य लिन्टर स्तर तक करवाने के उपरान्त ब्लाक से ग्रा.वि.अ. आये और उन्होने मकान की लिन्टर स्तर की जियो टैंगध्फोटो लेने के उपरान्त एक सप्ताह के भीतर लाभार्थियों के बैंक खाते में 40000.00 रू. आ गये और उनके मकान का कार्य पूर्ण किया गया। कार्य पूर्ण होने के फलस्वरूप ग्रा.वि.अ. द्वारा फिर जियो टैंग लेकर लाभार्थियों के बैंक खाते में 30000.00 रू. की अन्तिम किस्त आयी तथा साथ ही साथ साजो- समान एवं बर्तन आदि हेतु राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार 5000.00 रू. की धनराशि दी गयी एंव मनरेगा योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को 95 दिन की मजदूरी 20235.00 रू. भी दी जा रही है। इस प्रकार लाभार्थियों का अपना पक्का मकान शौचालय सहित बनाने का सपना पूरा होने पर लाभार्थी एवं उनके परिजन पक्का मकान मिलने से खुश हैं। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही अन्य पात्र व्यक्तियों को जिनके पास पक्का मकान नहीं है। इस योजना से लाभान्वित होने के लिए ग्राम प्रधान के माध्यम से इसके लिए आवेदन करते हुए योजना का लाभ उठाने को प्रेरित किया।

उत्तरा स्टेट एमपोरियम में बिक रहे स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के बने उत्पाद

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार योजना के अन्तर्गत ग्राम्य विकास विभाग के सौजन्य से विकासखण्ड डोईवाला के रानी पोखरी में उत्तरा स्टेट एमपोरियम का निर्माण किया गया है। इसका निर्माण का उद्देश्य राज्य स्तरीय आजीविका मिशन के समूहों के विभिन्न उत्पादों के विपणन हेतु किया गया है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पाद यहाँ पर प्रदर्शित किये जा रहे हैं व उनकी अच्छी बिक्री भी हो रही है। स्थानीय लोग एवं यात्री यहाँ पर आकर इन उत्पादों को खरीद रहे हैं व इनको काफी पसंद भी किया जा रहा है। उत्तरा स्टेट एमपोरियम में विभिन्न उत्पाद बिक्री हेतु रखे गये हैं जैसे पहाड़ी दालें, मसालें, अचार, हस्तनिर्मित, धूपबत्ती, जूस, हैण्डीक्राफ्ट आईटम, स्वेटर, जूट बैग, बांस से निर्मित टोकरी आदि स्थानीय उत्पादों की बिक्री की जा रही है, स्थानीय उत्पादों को लोगों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। उत्तरा स्टेट एमपोरियम आतिथि तक लगभग 837ए101 की बिक्री हो चुकी है। चारधाम रूट पर होने के कारण यहाँ पर काफी यात्री रूक रहे हैं। साथ ही एयरपोर्ट के निकट होने के कारण भी यह यात्रियों में आकर्षण का केन्द्र है। इस के माध्यम से महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को एक उत्तम मंच मिला है जिसके द्वारा विपणन किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का अच्छे दाम पर बेचा जा रहा है जिससे उनको आय में वृद्धि हो रही है। वर्तमान में इसका संचालन जनपद देहरादून के विकासखण्ड डोईवाला के स्वाभिमान क्लस्टर द्वारा की सहायता से किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बढ़ती गर्मी को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस मुलाजिम जनता को पिला रहे हैं ठंडा पानी

हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता, लुधियानाः दिन प्रतिदिन बढ़ती गर्मी से पंजाब वासियों का बुरा हाल है वही धूप में सुबह शाम जनता की सेवा करने वाले टैफिक के मुलाजिम अपनी जान की परवाह किए ड्यूटी निभा रहे हैं साथ में ठंडा पानी भी लोगो को पीला रहे हैं यहां नजारा है लुधियाना के जालंधर बाय पास पर ड्यूटी दे रहे ट्रैफिक जोनल वन इंचार्ज रवि कुमार जो आने जाने वाले राहगीर को पानी की सेवा कर प्यास बुझा रहे हैं रवि कुमार ने बताया कि सुबह पानी की दस पेटियां बर्फ में लगा देते हैं आने जाने वाले राहगीर देख कर पानी पीने आ जाते हैं साथ में अपनी ड्यूटी भी निभा रहे हैं उन्होंने बताया कि कई लोग देख कर अपने आप पानी की पेटियां यहां पर रख जाते हैं इतनी बढ़ती गर्मी में प्यास बहुत लगती है पंजाब में वैसे ही इन दिनों लोग मीठे पानी की सेवा करते हैं उन्होंने कहा कि जितनी उनसे अपनी जेब से सेवा होती है वो करते हैं जो हर इंसान का फर्ज है वो ही फर्ज निभा रहे हैं लोगो को पानी पिलाना सबसे पुण्य का काम है हर कोई पुलिस मुलाजिम गलत नहीं होता बस लोगो का देखने का नजरिया है।

सोमवार को डीसी रेट की अधिसूचना होगी जारी : डीसी

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन एंड एमसी एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के प्रतिनिधिमंडल को डिप्टी कमिश्नर विनय प्रताप सिंह ने डिप्टी कमिश्नर कार्यलय में बुला कर डीसी रेट बढ़ाने के लिए बैठक की। प्रतिनिधिमंडल मंडल की अगुवाई कमेटी के कंवीनर अशवनी कुमार ने की। अशवनी कुमार ने डिप्टी कमिश्नर को बताया कि 2021 – 22 में डीसी रेट में सिर्फ 7 फीसदी बढ़ोतरी की थी।और 2020–21 में कोरोना के कारण डीसी रेट फ्रीज कर दिया था और चंडीगढ़ प्रशासन ने कहा था जब चंडीगढ़ प्रशासन कर्मचारियों को महगाई भत्ता देगी तब डीसी रेट में और बढ़ोतरी कर दी जाएगी प्रशासन ने महगाई भत्ता भी कर्मचारियों को दे दिया था पर डीसी रेट में बढ़ोतरी नही की। इस लिए महगाई को देखते हुए 21 फीसदी डीसी रेट मे बढ़ोतरी जल्द की जाए।डिप्टी कमिश्नर विनय प्रताप सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया डीसी रेट की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी जाएगी।प्रतिनिधिमंडल में अशवनी कुमार के इलवा लालजीत, राजिंदर कुमार,कमल कुमार, सुरिंदर कुमार ,कुलदीप सिंह और गुरमीत सिंह शामिल थे।

जागरुकता समाचार पत्र के संपादक ने साहित्यकार डॉ विनोद शर्मा से की मुलाकात

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। जागरूकता समाचार पत्र के संपादक जसपाल सिंह ने साहित्यकार डॉ विनोद कुमार शर्मा से मुलाकात की। इस मौके पर भिन्न भिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए उन्होंने डॉ विनोद शर्मा की रचनाओं को सराहा। डॉ विनोद कुमार ने उन्हें अपना प्रकाशित काव्य संग्रह बढ़ते कदम भेंट किया। मुलाकात के दौरान बलवीर सिंह भी उपस्थित थे।

बॉलीवुड चायवाला का आउटलेट मनीमाजरा में शुरू

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। बॉलीवुड चायवाला का भव्य उद्घाटन समारोह आज एससीओ 847, सेक्टर 13, मनीमाजरा, चंडीगढ़ में आयोजित हुआ। नए आउटलेट में चाय, ठंडाई, रैप्स और हेल्दी फूड जैसी विशेषताएं हैं। लॉन्च समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। फूड इंडस्ट्री के शहंशाह, बॉलीवुड चायवाला इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, प्रीति और एकलव्य ने कहा, ह्लजिस तरह हर हफ्ते सिनेमाघरों में नई फिल्में रिलीज होती हैं, वैसे ही बॉलीवुड चायवाला में हम हर हफ्ते एक नई डिश पेश करेंगे।

कामधेनु लिमिटेड ने पंजाब में अपनी उपस्थिति मजबूत की

चंडीगढ़ में चैनल पार्टनर्स मीट का आयोजन किया

चंडीगढ़, 26 मई 2022ः भारत के सबसे बड़े निमार्ता और खुदरा क्षेत्र में ब्रांडेड टीएमटी बार्स के विक्रेता कामधेनु लिमिटेड ने पंजाब में टीएमटी बार्स की अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अपनी व्यावसायिक रणनीति की घोषणा की है। रणनीति के हिस्से के रूप में, कंपनी ने आज शहर के डीलरों के लिए एक चैनल पार्टनर्स मीट का आयोजन किया है और कंपनी की विकास योजना के बारे में चर्चा की है। बैठक में लगभग 350 डीलरों ने भाग लिया जहां श्री सुनील अग्रवाल, निदेशक, कामधेनु लिमिटेड, श्री विवेक महेश्वरी डीजीएम और श्री दीपक भाटिया डीजीएम, कामधेनु लिमिटेड के साथ इस कार्यक्रम को संबोधित किया और डीलरों के प्रयासों की सराहना की।

इसके अलावा, कंपनी पंजाब में अपने प्रीमियम ब्रांड ह्यकामधेनु नेक्स्टह्व - अगली पीढ़ी के हाई-एंड इंटरलॉक स्टील टीएमटी बार की उत्पादन क्षमता को चालू वित्त वर्ष में 300000 मीट्रिक टन प्रीमियम टीएमटी बार से बढ़ाकर 400000 मीट्रिक टन करने की भी योजना बना रही है।

कामधेनु लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, ह्लकामधेनु के विकास और देश के नम्बर १ ब्रांड बनने में पंजाब एक महत्वपूर्ण बाजार है जो विशाल बुनियादी ढांचे और निर्माण के अवसर प्रदान करता है। कामधेनु में, हम उन सभी के लिए विकास में विश्वास करते हैं जहां चैनल पार्टनर और डीलर परिवार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आज पुरे पंजाब में कामधेनु की घर घर एक अलग ही पहचान है। कामधेनु नेक्स्ट की विशिष्ट रूप से डिजाइन की गई डबल रिब, थकान शक्ति और लचीलापन इसे सामान्य स्टील बार से बहुत बेहतर बनाती है। ह्यकामधेनु नेक्स्टह्व का विशिष्ट डिजाइन कंक्रीट मिश्रण के साथ बेहतर इंटरलॉक के लिए एक बेंचमार्क सेट करता है, जिससे संरचना को अधिक शक्ति मिलती है। इस स्टील बार पर दो कोणीय पसलियां स्टील और कंक्रीट के बीच इंटरलॉक ताकत को बढ़ाती हैं जिससे उन संरचनाओं को सर्वोच्च सुरक्षा प्रदान होती है जो भूकंपीय, गतिशील प्रभाव आदि जैसे अप्रत्याशित बलों के अधीन हैं। यह पुलों, फ्लाईओवरों, बांधों, थर्मल और जल विद्युत संयंत्रों, औद्योगिक टावरों, क्षितिज भवनों, भूमिगत प्लेटफार्मों जैसे कंक्रीट प्रबलित संरचनाओं के लिए उपयुक्त बनाता है। ह्यकामधेनु नेक्स्टह्व कामधेनु में प्रचलित विश्व स्तरीय अनुसंधान एवं विकास और अभिनव उत्पाद विकास का एक उत्पाद है। 2.5 गुना मजबूत कंक्रीट-स्टील इंटरलॉक के साथ, कामधेनुनेक्स्ट ऐसी विशेषताएं प्रदान करता है, जो इंजीनियर सुदृढ़ीकरण संरचनाओं और स्मार्ट वास्तुशिल्प अवधारणाओं में नए युग की आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हैं। कामधेनु इस क्षेत्र में उभरती जरूरतों को पूरा करने और बाजार में तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों के लिए सामर्थ्य में एक बेंचमार्क स्थापित करने के लिए विश्व स्तर के उत्पादों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

किआ इंडिया ने शुरू की ईवी6 के लिए बुकिंग

चंडीगढ़ : देश में सबसे तेजी से बढ़ते कार निमार्ताओं में से एक किआ इंडिया ने आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसनीय, आगामी प्रीमियम पेशकश - किआ ईवी6 के लिए बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। किआ के समर्पित ईवी प्लेटफॉर्म, इलेक्ट्रिक-ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (ई -जीएमपी) पर निर्मित ईवी6 देश में किआ की ईवी यात्रा की शुरूआत का प्रतीक है। इस वाहन को भारत के 12 शहरों में विशेषरूप से 15 चुनिंदा डीलरशिप पर 3 लाख रुपए की टोकन राशि के साथ बुक किया जा सकता है। ग्राहक किआ के इस नवीनतम गेम-चेंजर उत्पाद को बुक करने के लिए किआ इंडिया वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू . किआ. कॉम / इन पर भी लॉगइन कर सकते हैं।ते-जिन पार्क, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, किआ इंडिया, ने कहा, भारतीय वाहन उद्योग बदल रहा है, और किआ इस बदलाव की राह पर सबसे आगे है। हमने इसे अपने विश्व स्तरीय उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से बार-बार साबित भी किया है, जो न केवल अधूरे बल्कि भारतीयों की अनसुनी जरूरतों को भी पूरा करते हैं। देश में की पेशकश हमारी इसी बात को दोहराती है। ईवी6 मजबूत डिजाइन, उन्नत इंजीनियरिंग, नवीनतम तकनीकों और रोमांचक इलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस का अद्भुत संयोजन है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारे ग्राहक किआ की इस बेहतरीन पेशकश को जरूर पसंद करेंगे जिसके लिए बाजार से हमें काफी अच्छी प्रतिक्रया मिल रही है। ईवी6 भारत में किआ की सबसे प्रीमियम पेशकश है और 2022 में पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 100 विशिष्ट ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाएगी। पूरी तरह से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में आयातित, इस कार को जून 2022 के पहले सप्ताह में देश में लॉन्च किया जाएगा। कार में ब्लैक स्यूड सीट और वेगन लेदर बोलस्टर्स के साथ ऑल-ब्लैक इंटीरियर है। किआ ईवी6 भारत में पांच बाहरी रंगो - मूनस्केप, स्नो व्हाइट पर्ल, रनवे रेड, ऑरोरा ब्लैक पर्ल और याच ब्लू के विकल्प के साथ उपलब्ध होगी।

लुधियाना शहर छोड़ बाहर दिहाती एरिया में लगे आर टी ए साहब चैकिंग करने बसों की

बस स्टैंड पुल के नीचे गैर कानूनी तरीके से यू पी बिहार को बसों का धंधा जोरों से

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः आर टी ए द्वारा बसों की चैकिंग की जा रही है वो भी लुधियाना के अन्दर के इलाके छोड़ सहानेवाल दोराहा एरिया में जब की लुधियाना के बस स्टैंड पुल के नीचे सुबह शाम यू पी बिहार की बसों को भर भर कर ले जा रहे हैं मगर आर टी ए साहब को नजर नहीं आ रहा है बाहरी इलाके में जांच करने में लगे हैं यहां पार्क में शाम पांच बजे पूरी भीड़ देखने को मिलती है उपर से लेकर नीचे तक खचाखच सवारी बस में भर कर डबल किराया लेकर जा रहे हैं मगर एक बार भी आर टी ए डिपार्टमेंट द्वारा चैकिंग नहीं की गई जब की पी सी आर मुलाजिम भी यहां पर लगा नजारा देख कर चले जाते हैं कोचर मार्किट चौकी के मुलाजिमो को भी सब पता होने के बावजूद सब ने आंखे बंद कर रखी है एक तरफ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भ्रष्टाचार को खत्म करने में लगे हुए हैं दूसरी ओर लुधियाना में खुलेआम ही बस स्टैंड के नजदीक पुल के नीचे भ्रष्टाचार फैला हुआ है ना तो इस यहां के विधायक और पार्षद और पुलिस प्रशासन ने कभी कोई कार्रवाई की है ना ही आरटीए द्वारा जब भी कोई ट्रांसपोर्ट मंत्री बनता है तो स्टंट बाजी करने जरूर नजर आता है इस इलाके में जोरो से धंधा चल रहा है दूसरी ओर सनेत पिंड में भी सुबह शाम गैर कानूनी तरीके से बसे यू पी बिहार को भर भर कर जा रही है जिसमे कांग्रेस के नेता का हाथ है मगर आम आदमी पार्टी की सरकार आने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई आज भी खुले आम गैर कानूनी तरीके से बिना परमिट और ओवर लोड करके यू पी बिहार को बसे भर भर कर ले जा रहे हैं

जनहित की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ेगी कांग्रेसः श्रुति चौधरी

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों की लड़ाई सड़क से लेकर संसद एवं विधानसभा तक लड़ेगी तथा सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर जनता की आवाज उठाएंगे। यह विचार कांग्रेस की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्रुति चौधरी ने हुडा सेक्टर एक में स्थित अपने आवास पर कार्यकताओं की बैठक लेते हुए व्यक्त किए। कार्यकारी अध्यक्ष बनने उपरांत जिले में पहली बार आगमन होने पर कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका फूल बरसाकर जोरदार स्वागत किया तथा डीजे बजाते हुए उन्हें मीटिंग स्थल तक लेकर गए।

पूर्व सांसद ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा-जजपा पार्टी महज घोषणाओं की पार्टी है और इसके नेता कहीं भी ग्रास रूट पर काम करते नजर नहीं आते। चाहे वह इलाके के सांसद हों या कोई और नेता हों। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में मेहनती एवं कर्मठ कार्यकताओं को पूरी तवज्जो दी जाएगी और जो कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनके सुख-दुख में काम आएंगे और पार्टी का जनाधार बढ़ाएंगे, ऐसे कार्यकताओं को संगठन में पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी एकजुटता का पाठ पढ़ाया है और जनता के बीच जाकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि राजनीति में जनसेवा का माध्यम है तथा जनसेवा के कार्य करने में वह कभी पीछे नहीं हटेंगी।

इस मौके पर चौ. सुरेंद्र सिंह मैमोरियल क्लब के जिला प्रधान देवेंद्र हुडीना ने कार्यकताओं समेत उनका भरपूर स्वागत किया। इस अवसर पर चंद्रप्रकाश एडवोकेट, कैलाश सोनी, राजाराम गोलवा, राजकुमार नीरपुर, अजित जाट गुवाना, रिंकू नीरपुरिया, प्रदीप मंडलाना, नरेंद्र खटोटी, रायसिंह सरपंच, विजय लांबा, डा. हिम्मत, चंद्रभान सरपंच, राजेंद्र सरपंच, होशियार रावत, संदीप नूनीवाल, धर्मबीर कोजिंदा, होशियार सैनी, पवन बबल, अजय, कृष्ण सैनी व ओपी सैनी आदि मौजूद थे।

समाधान मंच फाउंडेशन ने देश मे पार्टी रहित लोकतंत्र व्यवस्था लागू करने के लिए मुहिम की शुरूआत की

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। देश की मौजूदा राजनैतिक व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन लाने के लिए स्वयंसेवी संस्था समाधान मंच फाउंडेशन ने देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाने का ऐलान किया है। इस फाउंडेशन के संस्थापक राजेन्द्र धीमान के मुताबिक इस अभियान का मकसद देश में एक ईमानदार,जवाबदेह, पारदर्शी,और पार्टी रहित राजनैतिक व्यवस्था स्थापित करना है। चण्डीगढ़ प्रैस क्लब में मीडिया के साथ बातचीत करते हुए राजेन्द्र धीमान ने बताया कि देश की मौजूदा राजनैतिक व्यवस्था के तहत लोग पांच साल के लिए अपनी सरकार चुनते हैं लेकिन पांच वर्ष के दौरान यह सरकारें किस प्राकर चलती हैं, इस पर वोट डालने वालों का कोई कंट्रोल नहीं होता। लिहाजा सरकार में बैठे लोग अपनी मनमानी करते हैं। भ्रष्टाचार का बोलबाला है और विकास का एजेंडा कहीं पीछे छूट जाता है।राजेन्द्र धीमान कहते हैं कि इनके संगठन की सबसे बड़ी प्राथमिकता देश को दलगत राजनीति से छुटकारा दिलवाना है। धीमान के अनुसार उनकी दूसरी बड़ी प्राथमिकता मतदाता को अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को वापिस बुलाने का अधिकार राइट-टू-रिकॉल दिलाना है। धीमान कहते हैं कि राइट-टू-रिकाल का सिद्धांत कोई नया विचार नहीं है। दिसम्बर 1924 में सचिंदनाथ सान्याल ने पहली बार इस का जिक्र किया था और कहा था कि अगर मतदाता को यह अधिकार ना दिया गया तो लोकतंत्र एक मजाक बन कर रह जायेगा। जनता के वोट से चुने प्रतिनिधि निरकुंश हो जायेंगें और अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त हो जायेंगे। अपनी इस मुहिम की सफलता के लिए वह देश की जनता, सभी सवैंधानिक संस्थानों और यहां तक की सभी राजनैतिक दलों का सहयोग भी लेंगे। धीमान कहते हैं कि अपने इस मंच से न किसी सियासी दल की निंदा की जायेगी और ना ही स्तुति। वह इस बात से भी इंकार करते हैं कि वह अपना कोई राजनैतिक दल बनाना चाहते है।

पारले एग्रो कर रही है समूचे भारत में किसानों और फल प्रसंस्करण साझेदारों के विकास के लिये अवसरों का निर्माण

चंडीगढ़ : भारत की सबसे बड़ी बेवरेज कंपनी पारले एग्रो, फ्रूटी और ऐपी जैसे फलों से बने प्रतिष्ठित बेवरेज ब्रांड्स बनाने में अग्रणी रही है। ये पेय पदार्थ लगभग हर भारतीय के दिलों पर राज करते हैं। देश और दुनिया भर में अपने उत्पादों की व्यापक मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पारले एग्रो अपने आंतरिक आधारभूत संरचना को अपडेट करने में ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके साथ ही कंपनी समूचे भारत में अपने फल प्रसंस्करण साझेदारों की काबिलियत और क्षमताओं का निर्माण करने में तत्परता से काम भी कर रही है। वर्ष 1985 से ही, पारले एग्रो ने भारत में फलों का उत्पादन करने वाले किसानों और प्रोसेसर्स के साथ लगातार काम किया है ताकि उन्हें आगे विकसित किया जा सके और उन्हें अपनी कमाई बढ़ाने के अवसर मिल पाएं। कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ती जा रही है और उसने अपने प्रसंस्करण साझीदारों पर भारी निवेश किया है ताकि उन्हें अपनी उच्चतम क्षमता दिखाने में मदद मिल सके। इसके साथ ही कंपनी ने भारत से ही 100% स्रोत का दृढ़ संकल्प लिया है। ऐतिहासिक रूप से पारले एग्रो ने हमेशा से भारत से फलों की आपूर्ति की है और चीन से भी आयात किया जा रहा था ताकि एप्पल जूस की उनकी जरूरतों को पूरा किया जा सके। लेकिन अब, कंपनी ने चीन से एप्पल जूस के आयात को पूरी तरह से बंद कर दिया है और भारतीय किसानों के अपने नेटवर्क के माध्यम से पूरी तरह से अकेले भारत से इसकी आपूर्ति की जा सके।पारले एग्रो ने 1985 में आम से बने अपने लोकप्रिय ब्रांड, फ्रूटी का निर्माण करने के लिये स्थानीय फल प्रसंस्करण साझीदरों से 1,000 मीट्रिक टन मैंगो पल्प मंगाने से शुरूआत की थी। पारले एग्रो ने आश्चर्यजनक रूप से बढ़ोतरी की है और वर्तमान में 150,000 मीट्रिक टन आमों से उच्च क्वालिटी के मैंगो पल्प निकाल रही है और इस तरह आम की खपत 150 गुना बढ़ गई है। पारले एग्रो के मौजूदा फल आधारित उत्पादों द्वारा वर्तमान में कुल मिलाकर लगभग

Parlé Agro

210,000 मीट्रिक टन फल का उपयोग किया जाता है। पिछले पंद्रह सालों में कंपनी के फलों की खपत पांच गुना बढ़ गई है। भारत में फ्रूट पल्प की कुल खपत का लगभग एक तिहाई, पारले एग्रो द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। एक मजबूत आम प्रसंस्करण आपूर्ति श्रृंखला बनने के अपने सफल प्रयास के बाद, पारले एग्रो ने एप्पल जूस कॉन्संट्रेट के लिये एक समान नेटवर्क के निर्माण की कल्पना की, क्योंकि इसके एप्पल आधारित पेय जैसे ऐपी, ऐपी फि ज और बी फि ज को काफी पसंद किया जाता है। कंपनी की सेब की जरूरत 5,000 मीट्रिक टन से बढ़कर लगभग 60,000 मीट्रिक टन हो गई है। स्थानीय किसानों की आय में योगदान करते हुए इसने स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर काफी प्रभाव डाला है, साथ ही साथ स्थानीय सेब प्रसंस्करण साझीदारों के लिये विकास के अवसर प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर, शौना चौहान, सीईओ, पारले एग्रो ने कहा, पारले एग्रो, कच्चे माल और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के मामले में हमेशा ही ह्यभारत-केंद्रितह्व रहेगी। हमारा लक्ष्य भारत के आर्थिक रूप से निर्माण में योगदान देकर और पूरे भारत में छोटे किसानों और एसएमई और एमएसएमई के लिये अवसर पैदा करके भारत की शानदार विकास कहानी का हिस्सा बनना है। भारत में अपने साझीदारों की क्षमताओं में सुधार लाना और उनकी क्षमताओं का निर्माण करने और बेवरेज श्रेणी में बेहतरीन उत्पाद का निर्माण करने में अग्रणी रहना हमेशा से ही हमारा लक्ष्य रहा है।

मुलाजिम मांगों की अनदेखी के चलते यूटी मुलाजिमों ने प्रशासन का पुतला फूंका

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। डीसी रेट्स मे 20 % की बढ़ोतरी की मांग को लेकर तथा सैलरी फ्रीज करने के फैसले के विरोध मे कोआर्डिनेशन कमेटी के बैनर तले सैक्टर 16 मे यूटी मुलाजिमों ने जोरदार प्रदर्शन किया तथा चंडीगढ़ प्रशासन का पुतला फूका।

जहां यह बताना जरूरी है कि कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एमसी एम्पलाइज एंड वर्कर्स यूटी चंडीगढ़ के बैनर तले यूटी प्रशासन तथा नगर निगम के मुलाजिम अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, किंतु प्रशाशन मुलाजिमों की प्रमुख मांगों पर संजीदगी से विचार नहीं कर रहा।प्रशासक से मिलने का समय कई बार मांगा गया पर कोई समय नहीं मिला। एक तरफ मुलाजिमों के मसलों को हल नहीं किया जा रहा और दूसरी तरफ मांगो पर फैसले लेने मे समर्थ अधकारी बात करने को तैयार नहीं है।जो मीटिंग निचले स्तर पर हो भी रही है उन मीटिंगों के फैसले लागू नहीं हो रहे।

नेताओं ने माननीय प्रशासक से दखल देने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रशाशन को यूटी एंप्लॉयस की तर्क संगत मांगो को बिना देरी के लागू करना चाहिए, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा अगर प्रशासन बड़े हुए डीए के आधार पर डीसी रेट्स नहीं बड़ाता तथा सैलरी फ्रीज करने के फामूर्ले को रद्द नही करता ,डेली वेज वर्करों को खाली पोस्टों पर रेगुलर नहीं करता तथा उसके 6 वे पे कमीशन का लाभ नही देता,एमसी के आर आर मे अमेंडमेंट नही करता , गावो से नगर निगम में आए स्वीपरो को बेसिक प्लस डीए नही देता तथा मांगों पर फैसला लेने में समर्थ अधिकारी मीटिंग नही करते तो कोआर्डिनेशन कमेटी संघर्ष और तेज करने के लिए मजबूर होगी।मुलाजिमों को संबोधन करते हुए कोऑर्डिनेशन कमेटी के प्रधान सतिंदर सिंह, महासचिव राकेश कुमार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुरेश कुमार,पेट्न श्याम लाल घावरी ने कहा कि प्रशासन मुलाजिमों की मांगो पर संजीदगी नहीं दिखता तो पुतला फूंक प्रदर्शन 20 जून तक जारी रहेगा।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

बिहार को जातीय जाल में उलझाकर सियासी रोटी सेंकने को आतुर बिहार के क्षत्रप

आनन्द शंकर

जातिगत जनगणना और न जाने कितने अनैतिक प्रपंच फैलाकर बिहार को एक बार फिर से गड्ढे में ढकेलने की कारस्तानी के बहकावे में यहां के जनमानस नहीं आने वाले हैं। जात-पात, अगड़ा-पिछड़ा, दलित-मुस्लिम कार्ड खेलते-खेलते 1960 के दशक से बिहार और बिहारियों के साथ सिर्फ.और सिर्फ.छल होता रहा है। बहुत सारे तथाकथित सामाजिक न्याय और उस सरीखे आंदोलनों का साक्षी रहा बिहार अब इन दकियानूसी बकवासों से ऊब चुका है। बिहार अब अपने साथ वास्तविक न्याय और इन्साफ की दुहाई मांग रहा है जिसके नाम पर सामाजिक न्याय के स्वयंभू पुरोधाओं ने केवल अपने साथ न्याय किया है और बाकी सभी बिहारियों को उनके हाल पर राशन और पेंशन के लॉलीपॉप के साथ छोड़ दिया है।

सामाजिक बदलाव का भ्रम जाल फैला कर हम बिहारियों के साथ बहुत छद्म हो चुका है।सिर्फ.इन बातों से राज्य का समग्र विकास सम्भव नहीं हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के अटल इरादे के साथ काम कर रही है जिसमें सामाजिक वर्गीकरण का पूरा ध्यान रखा जाता है। हरएक मौकों पर वंचित, पिछड़ा या दलित समाज के लोगों को उचित सम्मान के साथ सत्ता में हिस्सेदारी भी देती रही है। उसका ज्वलंत उदाहरण हाल ही में हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार में देखने को मिला है। लेकिन जरा पूछा जाय उन पिछड़े वर्ग के तथाकथित मसीहाओं से कि उन्होंने अपने कालखंड में अपने अलावे किन दूसरे काबिल लोगों को मौका दिया।

वैसे तो भाजपा-जदयू मिल कर पिछले करीब डेढ़ दशक से सरकार चला रही है और बहुत सारे गड्ढों को भरते हुए काफी कुछ किया है। चाहे घर घर में बिजली पहुंचाने की योजना हो, सड़कों का जाल बिछाना हो, अस्पतालों का कायाकल्प हो या और भी बुनियादी चीजें, पर मेरे नजर में अभी भी बहुत कुछ होना बाकी है।

बिहार को सही मायने में विकसित तभी मानूँगा जब यहां से पलायन रुक जाएगा और बिहार लेबर सप्लायर से लेबर एम्प्लॉयर बन जाएगा। यह तभी संभव है या पलायन तभी रुकेगा जब यहां के प्रत्येक जिले में छोटे बड़े उद्योग लगेंगे।

हालांकि बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल के नेतृत्व में भाजपा के सभी नेतागण अपने अपने स्तर से नई लकीर खिंचने का प्रयास कर रहे हैं साथ ही विकास की नीति को आगे बढ़ाते हुए बिहार सरकार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन नए सिरे से औद्योगिकीकरण के प्रति संवेदनशीलता से लगे हुए हैं और उसके सुखद परिणाम भी दिखाई पड़ने लगे हैं जिसका ताजा उदाहरण अभी हाल ही में आयोजित इनवेस्टर समिट था।

परन्तु, मैं बिहार के मुख्यमंत्री तथा उद्योग मंत्री से आग्रह के साथ अपेक्षा करता हूं और अन्तर्राष्ट्रीय व्यावसायिक और वित्तीय प्रबंधन का विद्यार्थि होने के नाते सुझाव भी देना चाहता हूँ कि आप बाकी विकसित राज्यों की भाँति यहां भी लगातार इनवेस्टर समिट करें, उनको बुनियादी सुविधा दें, उनको आकर्षित करने के लिए हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों की तरह टैक्स में छुट का प्रावधान करें और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। मुझे पूरा विश्वास है कि बड़े औद्योगिक घराने निश्चित रूप से यहां पैसा लगाएंगे और अपना बिहार फिर से बुलंदियों को छुने लगेगा।

कुछ दिनों पहले जिस सिद्दत से नीतीश कुमार जी सर्वदलीय समुह लेकर प्रधानमंत्री जी से जातिगत जनगणना के लिए मिले उसी सिद्दत से आप पिछले सात वर्षों में औद्योगिकीकरण और ढांचागत सुधार के लिए मिले होते तो बिहार का परिदृश्य ही कुछ और होता।

हाल के दिनों में बिहार मूल के उद्यमियों से मिलना हुआ ।बुनियादी सुविधा के अभाव में उनलोगों ने 90 के दशक में अपना ठिकाना दूसरे प्रदेश में बनाया। आज पल्प एंड पेपर टेक्नोलॉजी में वो लोग ग्लोबल लीडर हैं। ये सज्जन हैं आशीष जी और नवीन श्रीवास्तव जी।दोनों महानुभाव व्यापार प्रबंधन के गुरु हैं। आशीष जी और नवीन जी आई. आई. टी. रुड़की से इंजीनियरिंग और फिर आईआईएम से एमबीए करने के बाद आज अपने परिश्रम और काबिलियत से एक नया मुकाम हासिल किए हैं तथा पेपर इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम है। हमें ऐसे काबिल लोगों को प्रोत्साहित कर पुनः अपने प्रदेश में लाने की कोशिश करनी चाहिए ताकि बिहार और यहां के युवाओं का भला हो सके।

यहां के लोग बाकी प्रदेशों में जाकर अपने हुनर के बदौलत वहां के विकास के वाहक बन रहे हैं परन्तु जिस दिन से यहां का युवा अपनी काबिलियत का प्रयोग अपनी मिट्टी के लिए करने लगेगा तो हम सोच भी नहीं सकते हैं कि अपना बिहार विकास के किस पायदान पर पहुंचेगा।

धर्म का आदर

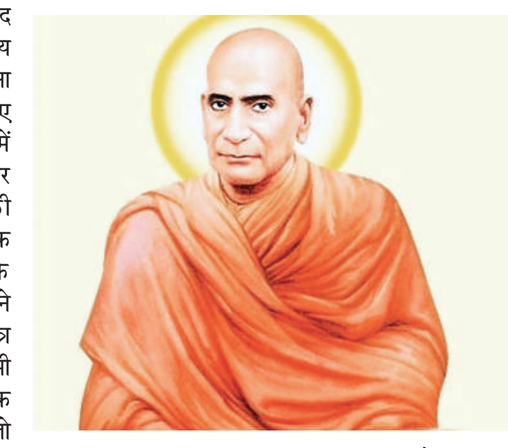

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं ? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा।जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

संपादकीय

अमेरिका की बंदूक संस्कृति

अमेरिका के टेक्सास प्रांत में वही हो गया, जो पिछले 250 साल से उसके हर शहर और मोहल्ले में होता रहा है। हर आदमी के हाथ में बंदूक होती है। वह कब किस पर चला दे, पता नहीं चलता। बंदूक का प्रयोग आत्महत्या के लिए तो अक्सर होता ही है लेकिन अमेरिका में कोई हमला ऐसा नहीं गुजरता है, जबकि कहीं न कहीं से सामूहिक हत्या की खबरें न आती हों। अभी टेक्सास में 18 साल के एक नौजवान ने बंदूक उठाई और अपनी दादी को मार डाला। फिर वह एक स्कूल में गया और वहां उसने दो अध्यापकों और 19 बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। 10 दिन पहले ही न्यूयार्क के एक बड़े बाजार में एक नौजवान ने दस अश्वेत लोगों को मार डाला था। अब से लगभग 53-54 साल पहले जब न्यूयॉर्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी में मैं पढ़ता था तो मैं यह देखकर दंग रह जाता था कि वहां बाजार में खरीदी करते हुए या किसी रेस्तरां में खाना खाते हुए भी लोग अपने बेग में या कमर पर छोटी-मोटी पिस्तौल छिपाए रखते थे। लगभग सभी घरों में बंदूकें रखी होती थीं। इस समय अमेरिका के 33 करोड़ लोगों के पास 40 करोड़ से भी ज्यादा बंदूकें हैं। याने हर परिवार में तीन-चार बंदूकें तो रहती ही हैं। ये क्यों रहती हैं? मुझे मेरे अध्यापकों ने बताया कि बंदूकें रखना अमेरिकी संस्कृति का अभिन्न अंग शुरू से ही है। जब दो-ढाई सौ साल पहले गोरे यूरोपीय लोग अमेरिका आने लगे तो उन्हें स्थानीय ह्यरेड इंडियन्सह्ण का मुकाबला करना होता था। उसके बाद अफ्रीकी अश्वेत लोगों का बड़े पैमाने पर अमेरिका आगमन हुआ तो शस्त्र-धारण की जरुरत पहले से भी ज्यादा बढ़ गई। इसीलिए अमेरिकी संविधान में जो दूसरा संशोधन जेम्स मेडिसन ने 1791 में पेश किया था, उसमें आम लोगों को हथियार रखने का पूर्ण अधिकार दिया गया था। वह अधिकार आज भी ज्यों का त्यों कायम है। अमेरिका की सीनेट याने वहां की राज्यसभा, जो वहां की लोकसभा याने हाऊस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स से ज्यादा शक्तिशाली है, इस संवैधानिक कानून को कभी खत्म होने ही नहीं देती है। डेमोक्रेटिक पार्टी के बराक ओबामा और अब जो बाइडन इसके विरुद्ध हैं लेकिन वे कुछ नहीं कर सकते। कन्जर्वेटिव पार्टी के नेता अब भी पुरानी लीक को ही पीट रहे हैं। वे यह क्यों नहीं समझते कि उनकी अकड़ की वजह से औसत अमेरिकी नागरिक का जीवन कितना भयावह हो गया है। विश्व महाशक्ति होने का दावा करनेवाला अमेरिका अपनी इस हिंसक प्रवृत्ति के कारण सारी दुनिया में कितना बदनाम होता रहता है। अमेरिका की बदनामी उसके ईसाई समाज के लिए भी चिंता का विषय है। अहिंसा और ब्रह्मचर्य का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करनेवाले ईसा मसीह के बहुसंख्यक ईसाई समाज में हिंसा, बलात्कार और व्यभिचार की बहुतायत क्या उस राष्ट्र की छवि को मलिन नहीं कर रही है?

सत्ता के लिए बेचैन होती कांग्रेस

सुरेश हिन्दुस्तानी

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद देश में सबसे ज्यादा शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी की इतनी दयनीय स्थिति क्यों बनी, इसका अध्ययन किया जाए तो यही सामने आता है कि इस स्थिति के लिए कांग्रेस के नेता ही जिम्मेदार हैं। कांग्रेस ने प्रारंभ से ही विविधता में एकता के सूत्र को स्थापित करने वाली परंपरा पर राजनीतिक प्रहार किया, एक प्रकार से कहा जाए तो कांग्रेस ने विविधता को छिन्न भिन्न करने की राजनीतिक चाल खेली। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सीमाओं को लांघते हुए कांग्रेस ने हिन्दू आस्था पर घातक प्रहार करने का षड्यंत्र किया। इसमें कांग्रेस के साथ वामपंथियों ने कदम से कदम मिलाकर सहयोग किया। यही चाल वह आज भी खेलती हुई दिखाई दे रही है। समाज में विभाजन की खाई को पैदा करने वाले राजनीतिक दल भले ही इस नीति पर चलकर शासन करते रहे, लेकिन देश की जो तस्वीर बनी, वह बहुत ही कमजोर चित्र को दर्शा रही है। इसमें समुदाओं के लिए बनाए गए पर्सनल कानून आग में घी डालने जैसा ही काम कर रहे हैं। अगर यह पर्सनल कानून की अवधारणा देश में नहीं होती तो स्वाभाविक रूप से समाज के बीच दरार पैदा नहीं होती।

भारतीय राजनीति कब किस समय कौन सी करवट बैठेगी, यह कोई भी विशेषज्ञ अनुमान नहीं लगा सकता। अगर इसका अनुमान लगाएगा भी तो संभव है कि उसका यह अनुमान भी पूरी तरह से गलत प्रमाणित हो जाए। हमारे देश में लम्बे समय तक सत्ता पक्ष की राजनीति करने वालों राजनेताओं के लिए यह समय वास्तव में ही अवसान काल को ही इंगित कर रहा है, अवसान इसलिए, क्योंकि उनके पास अपने स्वयं के शासनकाल की कोई उपलब्धि नहीं है। अगर उनका शासन करने का तरीका सही होता तो संभवतः उन्हें इस प्रकार की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। कांग्रेस आज भले ही अपनी गलतियों के कारण उत्पन्न हुई स्थितियों को वर्तमान सरकार पर थोपने का काम करे, परंतु इस बात को कांग्रेस भी जानती है कि वह केन्द्र सरकार का विरोध न करे तो उसके पास राजनीति करने के लिए कुछ भी नहीं है। आज देश में जो समस्या दिखाई दे रही है, कांग्रेस उसे ऐसा प्रचारित करती है, जैसे यह सारी समस्याएं मोदी के शासनकाल में ही आईं हैं।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद देश में सबसे ज्यादा शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी की इतनी दयनीय स्थिति क्यों बनी, इसका अध्ययन किया जाए तो यही सामने आता है कि इस स्थिति के लिए कांग्रेस के नेता ही जिम्मेदार हैं। कांग्रेस ने प्रारंभ से ही विविधता में एकता के सूत्र को स्थापित करने वाली परंपरा पर राजनीतिक प्रहार किया, एक प्रकार से कहा जाए तो कांग्रेस ने विविधता को छिन्न भिन्न करने की राजनीतिक चाल खेली। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सीमाओं को लांघते हुए कांग्रेस ने हिन्दू आस्था पर घातक प्रहार करने का षड्यंत्र किया। इसमें कांग्रेस के साथ वामपंथियों ने कदम से कदम मिलाकर सहयोग किया। यही चाल वह आज भी खेलती हुई दिखाई दे रही है। समाज में विभाजन की खाई को पैदा करने वाले राजनीतिक दल भले ही इस नीति पर चलकर शासन करते रहे, लेकिन देश की जो तस्वीर बनी, वह बहुत ही कमजोर चित्र को दर्शा रही है। इसमें समुदाओं के लिए बनाए गए पर्सनल कानून आग में घी डालने जैसा ही काम कर रहे हैं। अगर यह पर्सनल कानून की अवधारणा देश में नहीं होती तो स्वाभाविक रूप से समाज के बीच दरार पैदा नहीं होती। आज देश के लिए आवश्यक यह है कि समान नागरिक संहिता लागू की जाए।

गांधी की विरासत को गले से लगाने वाली कांग्रेस आज उन्हीं के सिद्धांतों से भटकती हुई दिखाई दे रही है। गांधी जी ने कहा था कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करुंगा, जिसमें कहीं भी ऊंचनीच का भाव नहीं हो, साम्प्रदायिकता का अभाव हो, गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध हो और शराब बंदी हो। लेकिन आज हम क्या देखते हैं कांग्रेस ने गांधी के सिद्धांतों को निर्मूल साबित कर दिया। आज की कांग्रेस ने समाज को वर्गों में बांटकर राजनीति की, इससे समाज में ऊंचनीच का भाव पैदा हुआ, इसी प्रकार केरल में कुछ वर्ष पूर्व कांग्रेस कार्यकताओं ने सरेआम गौहत्या की, वह हमने प्रत्यक्ष रुप से देखा। हालांकि बाद में भले ही कांग्रेस ने गौहत्या करने वाले कांग्रेस नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। सबसे बड़ी बात यही है कि कांग्रेस दिखावे की राजनीति करती है, मन में कुछ और ही चल रहा होता है। इसी प्रकार हम यह भी जानते हैं कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की सारी सीमाओं को तोड़ते हुए यहां तक कह दिया कि देश के संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। कांग्रेस की यह राजनीति सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली नहीं तो और क्या कही जाएगी? कांग्रेस के शासन काल में भगवान राम द्वारा बनाए गए रामसेतु को तोड़ने का भरसक प्रयास किया, सरकार की ओर से न्यायालय में दिए गए शपथ पत्र में कांग्रेस की ओर से कहा गया था कि भगवान राम एक काल्पनिक पात्र हैं, वे तो पैदा ही नहीं हुए थे। इस प्रकार की सोच रखने वाली कांग्रेस को भारत विरोधी कहना न्याय संगत ही कहा जाएगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तो कई बार उपहास का पात्र बनते हुए पूरे भारत वर्ष ने देखा है, लेकिन अब कांग्रेस भी अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उपहास का पात्र बनती जा रही है। समाज की नजरों से बहुत दूर जा चुकी कांग्रेस अपने आपको जनहितैषी साबित करने के लिए दम खम से प्रयास कर रही है, लेकिन यह दिखावे की राजनीति ही उसकी पोल खोलने का काम भी कर रही है। इससे यह साबित होता है कि कांग्रेस के नेता जो दिखाते हैं, सत्यता उससे बहुत दूर है। अभी हाल ही में कांग्रेस का चिंतन शिविर आयोजित किया गया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं के भिन्न प्रकार के स्वर मुखरित हुए, जिसके कारण कुछ नेताओं को संतुष्ट करने के लिए इसी प्रकार का दूसरा लघु चिंतन शिविर फिर से आयोजित करने की स्थिति बनी।

देश से लगातार सिमटती जा रही कांग्रेस के बारे में यही कहना समुचित होगा कि आज वह छटपटा रही है। सत्ता प्राप्त करने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है, लेकिन उनके यह प्रयत्न सकारात्मक न होकर नकारात्मक ही कहे जाएंगे। कांग्रेस ने जितने वर्षों तक देश में शासन किया, उतने वर्षों में अगर ईमानदारी से इस वंचित समाज को आगे लाने का काम किया होता तो आज समाज में असमानता नहीं होती। इसके विपरीत वर्तमान नरेन्द्र मोदी की सरकार ने प्रारंभ से ही कहा है कि उनकी सरकार सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर काम करने वाली सरकार है। उनकी सरकार में किसी का भी तुष्टिकरण नहीं किया जाएगा। ऐसा हो भी रहा है, लेकिन विरोधी पक्ष के राजनीतिक दल केवल इसलिए ही मोदी सरकार का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि केन्द्र सरकार अगर सबका विकास कर देगी तो फिर राजनीति कैसे होगी? विरोधी दल के नेता केवल इतना ही सोचकर वर्तमान केन्द्र सरकार को घेर रहे हैं, जबकि यह कमजोरी पूरी तरह से पहले की सरकारों की देन है। ऐसी राजनीति करना ठीक नहीं है।

देश में कांग्रेस की नीति पर चलने के लिए अन्य राजनीतिक दल भी आतुर दिखाई दे रहे हैं। उसमें बहुजन समाज पार्टी की मायावती तो धनवान होने के बाद भी अपने आपको वंचित समाज का हितैषी मानने का दिखावा कर रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि मायावती समय के अनुसार ही राजनीति करती हैं, इसमें उनकी पार्टी का कोई सिद्धांत नहीं है। विरोधी दलों के लिए सबसे बड़ी परेशानी की बात यह है कि उन्हें वर्तमान सरकार में कोई खामी दिखाई नहीं दे रही, इसलिए स्वयं मुद्दे खड़ा करके केन्द्र सरकार पर आरोपित करने की राजनीति ही की जा रही है। ऐसी राजनीति देश के स्वास्थ्य के लिए कतई ठीक नहीं कही जा सकती, ऐसी राजनीति से बचना ही चाहिए।

शेयर बाजारों की सट्टेबाजी से वैश्विक आर्थिक संकट

» सनत कुमार जैन

वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के सभी देशों की आर्थिक विकास की दर कई गुना बढ़ा दी थी। 2003 के बाद भारतीय शेयर बाजार सहित दुनिया भर के शेयर बाजार कर्ज एवं विकास के अर्थ व्यवस्था की उड़ान भरकर हवा - हवाई हो गए थे। कारपोरेट जगत ने वित्तीय संस्थानों से बड़े पैमाने पर कर्ज लिये। हवा - हवाई योजनाएं बनाई। सरकारों ने भी शेयर बाजार के जरिये शेयरों की खरीद बिक्री में सट्टेबाजी के जरिए कारपोरेट जगत को आसानी से पूंजी उपलब्ध कराना शुरू कर दिया। शेयर बाजार में 10 रुपये अथवा 100 रुपये के शेयर मूल्य पर सैकड़ों रुपये के प्रीमियम के साथ कंपनियों में निवेश करने की नई व्यवस्था शुरू हुई। शेयर बाजार को जीडीपी से जोड़कर वास्तविक विकास की वृद्धि का स्थान शेयर बाजारों की सट्टेबाजी ने ले लिया। इसमें आर्थिक विकास कागजों पर बड़ी तेजी के साथ बढ़ा।

सरकारें भी शामिल :

आर्थिक विकास की होड़ में विभिन्न देशों की सरकारें, बैंक, वित्तीय संस्थान भी शामिल हो गए। म्यचुअल फंड पेंशन फंड , प्रोबिडेंट फंड, इक्वटी फंड इत्यादि की पूंजी भी शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत को आसानी से उपलब्ध होने लगी। एक दशक पूर्व वैश्विक स्तर पर गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों का निवेश 30 ट्रिलियन डालर का था। जो वर्तमान में बढकर 63 ट्रिलियन डालर से उपर पंहुच गया है।

2008 में अमेरिका की आर्थिक मंदी में सैकड़ों बैंक एवं वित्तीय संस्थायें दिवालिया हो गई थी। उसके बाद शेयर बाजार के माध्यम से कारपोरेट जगत में तेजी के साथ निवेश बढ़ा। शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत से जुड़े कारोबारियों ने अरबों - खरबों रुपये कमाये। शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत में जो बहार आई थी। वह कृत्रिम तेजी थी, जिसका वास्तविक्ता से कोई लेना-देना नहीं था। अब वह कर्ज के बोझ से दबकर दिवालिया होने की कगार पर पंहुच गई है।

भारत जैसे देश में पिछले 8 वर्षों में हजारों कंपनियां कर्ज के बोझ से दबकर बंद हो गई। बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं का

लाखों करोड़ रुपया कंपनियों और कारपोरेट जगत में फंस गया। सरकार और बैंकों ने मिलकर लगभग 8 लाख करोड़ रुपयों की देनदारी को राईट -ऑफ कर अपनी बेलेंसशीट सुधारने का प्रयास किया। इसके बाद भी समस्या खत्म होने के स्थान पर केंसर की बीमारी की तरह आपरेशन के बाद और तेजी से बढ़ रही है। सैंकड़ों कम्पनियों ने अभिकरण में दिवालिया होने के लिए आवेदन कर रखे हैं। जिन कंपनियों ने दिवालिया कानून के तहत आवेदन किया है। उन कम्पनियों से 25 फीसदी राशि भी वसूल नहीं हो पा रही है। एनपीए बढ़कर 8.34 लाख करोड़ से ऊपर हो चुका है।

दुनिया के सभी देश कर्ज के संकट में फंस चुके हैं। वैश्विक व्यवस्था में जीडीपी का 24 फीसदी ऋण वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से सरकारों को मिल जाता है। दुनिया के 69 देश अधिकतम सीमा का ऋण ले चुके है। भारत भी कुल जीडीपी का लगभग 20 फीसदी कर्ज ले चुका है। कर्ज के बोझ से दबी सरकारों को कर्ज की अदायगी, मंहगाई, बेरोजगारी तथा कोविड के बाद खाद्यान्न, कर्ज के संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई देशों के पास आयात करने के लिये विदेशी मुद्रा नहीं है। रूस पर आर्थिक प्रतिबंध तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आयात-निर्यात का संतुलन विकासशील एवं विकसित देशों का बिगड़ चुका है। जिसके कारण दर्जनों देशों में बगावत तथा गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। खाद्यान्न एवं कर्ज संकट का सामना दुनिया के 70 से अधिक देश कर रहे हैं। जिसके कारण दुनिया के अधिकांश देशों में अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है।

शेयर बाजार की गिरावट से वित्तीय संस्थान होंगे दिवालिया

शेयर बाजरों के जरिये कारपोरेट जगत में किया गया निवेश बड़ी तेजी से गिर रहा है। आर्थिक मंदी और बदहाली की स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट से कारपोरेट जगत की कंपनियों की पूंजी को भारी नुकसान होगा। इस स्थिति में वित्तीय संस्थानो और निवेशकों की पूंजी डूबने का खतरा भी पैदा हो गया है। कर्ज अदायगी समय पर ना होने से वैश्विक अर्थ-व्यवस्था संकट के चरम पर पहुंच गई है। खाद्यान्न और अर्थ व्यवस्था के इस संकट में तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका बलवती हो रही है। भूख एक बार फिर पूंजीवाद के खिलाफ लड़ने के लिए सड़कों पर उतर रही है। राजनैतिक एवं सामाजिक व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे विकासशील एवं विकसित देशों में अराजकता की स्थिति बन गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ भागवत कथा महायज्ञ शुरू

मदरलैण्ड संवाददाता, बांका। बाराहाट थाना क्षेत्र के मिजार्पुर पंचायत के मिजार्पुर चंगेरी में श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह परायण कथा ज्ञान महायज्ञ शुक्रवार से प्रारंभ हो गया। इसके लिए शुक्रवार की सुबह बड़े धूमधाम से भव्य कलश यात्रा व आकर्षक झांकियां भी निकाली गई। इसमें 1008 कन्याएं शामिल हुई। यह कलश शोभा यात्रा यज्ञस्थल मिजार्पुर से मिजार्पुर चंगेरी होते हुए पुनसिया बाजार स्थित दुखहरण नाथ महादेव पहुंची। यहां आचार्यो ने वैदिक मंत्रोच्चार व आम जनता के जयघोष के साथ जलबोझी का कार्यक्रम हुआ। जल बोझी के उपरांत चंगेरी मिजार्पुर मां दुर्गा मंदिर होते हुए यज्ञ स्थल पर पहुंचीं। सभी भक्तों ने राधे कृष्ण के जयकारे के साथ शोभायात्रा में भाग लिया। ग्रामीणों ने आकर्षक झांकियां व देवकन्या का अभिवादन किया। महायज्ञ का उद्घाटन पैक्स अध्यक्ष जवाहर यादव ने फीता काट किया यज्ञ को लेकर जवाहर यादव ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 27 मई से 2 जून तक मिजार्पुर में चलेगा। इसमें सुबह नौ बजे से 12 तक संध्या 8 बजे से 11 बजे रात्रि तक कथावाचक श्री सत्यप्रकाश शरण जी महाराज द्वारा प्रवचन का कार्यक्रम होगा। यज्ञस्थल पर प्रवचन सुनने वाले सभी भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए भव्य पंडाल बनाया गया है। मौके पर बाराहाट प्रमुख खुशबू कुमारी एवं पूर्व प्रमुख राजेश यादव उप मुखिया होरिल चौधरी अविनाश यादव रामशरण चौधरी प्रदीप यादव संजय चौधरी वीरेंद्र कुमार कार्तिक चौधरी सुबोध चौधरी गौतम यादव प्रशांत कुमार गोपाल चौधरी अन्नू यादव परंतु कुमार शैलेजानंद प्रीतम रुपेश विपिन आदि मौजूद रहे।

832 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न:- जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह

मदरलैण्ड संवाददाता, देवघर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 के मद्देनजर चौथे चरण के मतदान को लेकर अहले सुबह 07 बजे से 3 बजे तक मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से हुई। जिसके तहत सारठ प्रखण्ड अन्तर्गत 337, पालोजोरी प्रखण्ड अन्तर्गत 321 एवं मारगोमुण्डा प्रखण्ड अन्तर्गत 174 मतदान केन्द्र पर मतदाता अपने मतों का उपयोग करते दिखे इसके अलावे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जिला नियंत्रण कक्ष पूरी तरह से कार्यरत था। संपूर्ण चुनाव क्षेत्र की रिपोर्ट एवं कुशल क्षेम नियंत्रण कक्ष से जानी जा रही थी। साथ ही नियंत्रण कक्ष में सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी कार्यरत मुस्तेद थे।

मुखिया संघ की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। तरैया प्रखंड के चैनपुर गांव में मुखिया जयश्री देवी के आवास पर शुक्रवार को तरैया मुखिया संघ की बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष सह भागवतपुर मुखिया मुकेश कुमार यादव ने किया। बैठक में कई विन्दुओं पर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य रूप से तूफान से क्षति के मुआवजे की मांग, अधिकतर कार्ड धारियों का राशन कार्ड जो बंद हो गया है उसका सही सत्यापन कर राशन कार्ड चालू करने मांग आदि शामिल है। इस संबंध में एक ज्ञापन बीडीओ व सीओ तरैया को सौंपा गया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, मुखिया सुशील कुमार सिंह, मुखिया तारकेश्वर सिंह, मुखिया अमित सिंह, मुखिया ओमप्रकाश राम, मुखिया प्रतिनिधि अनिल रयादव, शैलेंद्र राम, मुखिया नंदकिशोर साह, मुखिया प्रतिनिधि वीर बहादुर राय समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

फतुहा नगर परिषद ने पास किया विकासोन्मुखी बजट, शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने पर जोर

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना। फतुहा। नगर परिषद के मुख्य पार्षद रूपा कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार की नगर परिषद की बैठक हुई।संचालन नगर कार्यपालक प्रवीण कुमार ने किया।बैठक में वित्तीय बर्ष -2022- 2023 के लिए109 करोड़ की अनुमानित बिकास मुखी बजट पेश किया गया।जिसको वॉड पाषर्दों से सर्वसम्मति से पास किया।बजट में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ -साथ आमदनी का लक्ष्य प्राप्ति करने के लिए मकान कर बसूली,ट्रेड लाईसेंस निर्गत करने,मोबाईल टाबर,होडिंग लगाने वालो से कर लेने पर जोर दिया गया है। वही बैठक में बरसात पूर्व नालों की उड़ाही,शहर में बंद हुए राशन कॉड को चालू कराने की मांग वॉड पार्षदों ने की।बैठक में नगर परिषद के उप मुख्य पार्षद सूषमा देवी, सिटी मैनेजर साकेश कुमार सिन्हा, वॉड पार्षद संगीता देवी,अजय कुमार सिंह,संतोष कुमार चंद्रवंशी,मो०बबलू, जय प्रकाश यादव उर्फ चंगरू जी, दीपक कुमार, संजय कुमार विटटु,वीणा देवी,सुजाता देवी,बेबी देवी,संजु देवी,कलावती देवी,रंभा देवी, सरिता देवी सहित कई वॉड पार्षद मौजूद थे।

लालू ने मीसा और फैयाज को बनाया प्रत्याशी तो विरोध में उतरे शहाबुद्दीन समर्थक

हीना शहाब ने दी चेतावनी

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। राजद ने राज्यसभा उम्मीदवार के तौर पर लालू-राबड़ी की बड़ी बेटी मीसा भारती और मधुबनी के डॉ. फयाज अहमद को मैदान में उतारा है. आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने इन दोनों को प्रत्याशी बनाया है. शुक्रवार को जहां एक तरफ खुद लालू प्रसाद यादव दोनों उम्मीदवारों के साथ नामांकन दाखिल कराने के लिए विधानसभा गये. वहीं दूसरी ओर एक खेमा लालू प्रसाद यादव के इस फैसले से नाराजगी जाहिर कर रहा है. पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हीना शहाब को उम्मीदवार नहीं बनाये जाने पर राजद को इसका विरोध झेलना पड़ रहा है.

हीना शहाब को टिकट नहीं दिया गया

राजद के बाहुबली सांसद रहे मोहम्मद शहाबुद्दीन के समर्थन एकबार फिर अब लालू प्रसाद यादव व राजद से खफा हैं. ये नाराजगी है राज्यसभा चुनाव के टिकट को लेकर. दरअसल, मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हीना शहाब के नाम की चर्चा भी इस बार संभावित उम्मीदवारों में थी. लेकिन इसकी संभावना तब समाप्त हो गयी जब राजद ने अपने दोनों उम्मीदवारों के नाम तय कर दिये और हीना शहाब को टिकट नहीं दिया गया.

शहाबुद्दीन समर्थकों में नाराजगी, हीना की चेतावनी

हीना शहाब को राजद ने उम्मीदवार नहीं बनाया तो शहाबुद्दीन समर्थक बेहद नाराज दिखे. उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की. हीना शहाब ने मीडिया से बात की. इस दौरान उनके समर्थक जमकर नारेबाजी करते दिखे. हीना शहाब के समर्थक लालू यादव के खिलाफ नारेबाजी करके अपना गुस्सा जाहिर करते दिखे. इस दौरान हीना शहाब ने भी चेतावनी दे दी कि वो सभी लोगों से राय लेंगी और जो सबकी सलाह होगी वो उसे अमल करेंगी. राजद छोड़ने के सवाल पर हीना शहाब ने ये जवाब दिये.

मीसा भारती और फैयाज अहमद को प्रत्याशी बनाया

बता दें कि राजद ने संसदीय बोर्ड की बैठक में लालू प्रसाद यादव को उम्मीदवार के चयन के लिए अधिकृत किया था. जब नाम तय कर लिये गये तो हीना शहाब के समर्थकों को नाराज ही होना पड़ा. राजद ने मीसा भारती और फैयाज अहमद को प्रत्याशी बनाया.

शहाबुद्दीन के निधन के समय भी हुआ था विरोध

इससे पहले भी शहाबुद्दीन समर्थक लालू यादव और तेजस्वी यादव से तब नाराज दिखे थे जब मोहम्मद शहाबुद्दीन का निधन हो गया था और तमाम प्रयासों के बाद भी शहाबुद्दीन के परिजनों को शव बिहार लाने की अनुमति नहीं मिली थी. हालांकि तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव ने बाद में नाराजगी दूर करने की कोशिश की थी और सभी आपस में गले लगे थे. लेकिन एकबार फिर शहाबुद्दीन परिवार से दूरी बनती दिख रही है.

शांति पूर्ण सम्पन्न हुआ चौथा चरण का मतदान

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान दिव्यांग, महिला, बुजुर्ग मतदाताओं के उत्साह को देखते हुए कहा है कि प्रथम व तृतीय चरण के पश्चात चौथे चरण में भी मतदाता भयमुक्त माहौल में मतदान किए।

इसके अलावे उपायुक्त ने कहा कि मोनेटरिंग के दौरान देखा गया कि चौथे चरण के मतदान के दौरान मतदाताओं के जज्बे और मतदाताओं की जागरूकता से ही लोकतंत्र में एक नई जान आ जाती है। चौथे चरण के पंचायत चुनाव को लेकर अहले सुबह से विभिन्न प्रखंडो के मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग, महिला व बुजुर्ग, फर्स्ट टाइम वोटर मतदाताओं ने यही जज्बा दिख रहा है। उम्र के अंतिम पड़ाव व पैरों से लाचार बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता भी मतदान कर्मियों की सहायता से मतदान केंद्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहें हैं।

खासे उत्साहित दिखे मतदाता

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, 2022 को लेकर अहले सुबह से #ऋ१२३ळीश्ङ्ग३१ के साथ बुजुर्ग मतदाताओं में भी अपने मतों का उपयोग करने का खासा उत्साह देखा जा रहे है।

इसके अलावे चौथे चरण के मतदान को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा मतदाताओं से अपील की जाती रही कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने घरों से निकल कर मतदान केंद्रों पर पहुंचे एवं अपने मताधिकार का प्रयोग करें। अपने मनपसंद के प्रत्याशी को अपना नेता चुने एवं इस लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता दर्ज करें।

पटना में ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव के ठिकानों पर छापेमारी

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। पटना में निगरानी विभाग की विशेष इकाई की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव शैलेंद्र भारती के कई ठिकानों पर छापेमारी की है. आय से अधिक संपत्ति मामले में यह छापेमारी की गई है. छापेमारी के दौरान विशेष इकाई की टीम को आय से अधिक के पर्याप्त सबूत मिले है.

बैंक लॉकर से मिले 2 सोने के बिस्किट

मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार छापेमारी के दौरान निगरानी विभाग को शैलेंद्र भारती के बैंक लॉकर से 2 सोने के बिस्किट मिले हैं. इसके अलावा सोने के कई गहने भी बरामद किए गए हैं. इन सब की कीमत तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है. वहीं अधिकारी के पास पटना में 2 फ्लैट होने का भी पता चला है. इसके साथ ही पचास लाख रुपये मूल्य के जमीन से जुड़े दस्तावेज भी

निगरानी टीम के हाथ लगे हैं.

2 बैंकों में लॉकर

प्राप्त जानकारी के अनुसार निगरानी विभाग की विशेष इकाई की टीम को छापेमारी के दौरान अधिकारी के नाम से दानापुर के 2 बैंकों में लॉकर होने का पता चला है. टीम ने जब बैंक मैनेजर की मदद से एक बैंक लॉकर को खुलवाया तो लाकर में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य का सोने के आभूषण और 2 गोल्ड बिस्किट मिले हैं.

पटना में 3 फ्लैट

वहीं इसके साथ ही पटना में 3 फ्लैट और बांका में 50 लाख की जमीन से जुड़े कागजात भी प्राप्त हुए हैं. टीम ने एक दर्जन के करीब बैंकों के पासबुक जब्त किए हैं. इन खातों में 12 से 14 लख रुपए जमा होने की बात सामने आई है. इसके साथ ही छकउ में निवेश के कागजात भी मिले हैं. निगरानी की टीम वहीं अभी दूसरे बैंक लाकर को खुलवाने की कोशिश कर रही है.

एक करोड़ 20 लाख की संपत्ति अर्जित करने का मामला

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, डिप्टी सेक्रेटरी शैलेंद्र कुमार भारती ने आय से काफी अधिक संपत्ति अर्जित की है. इसके बाद यह कार्रवाई की जा रही है. बता दें कि शैलेंद्र कुमार भारती ग्रामीण विकास विभाग के उपसचिव है. रश्व की टीम ने शैलेंद्र कुमार के दफ्तर और आवास की तलाश ले रही है. आय से अधिक संपत्ति मामले में कर्रवाई की जा रही है. बताया जा रहा है कि आय से आधिक एक करोड़ 20 लाख की संपत्ति अर्जित करने का मामला है. ऊरढ लेवल के अधिकारी यह कार्रवाई कर रहे है.

बेगूसराय के पत्रकार की हत्या के विरोध में कलेक्ट्रेट पर भूख हड़ताल के साथ दो दिवसीय धरना

wji ने फिर एक बार पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग की है।

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। बखरी परिहारा ओपी क्षेत्र के सांखु गांव निवासी दिवंगत युवा पत्रकार सुभाष कुमार की हत्या के विरोध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के दक्षिणी द्वार पर जिला पत्रकार संघ बेगूसराय के द्वारा जिलाध्यक्ष प्रो शालिग्राम सिंह के नेतृत्व में दो दिवसीय भूख हड़ताल के साथ धरना प्रदर्शन जिले के सैकड़ों पत्रकार मिलकर किया। इस मौके पर संघ के जिलाध्यक्ष प्रो. शालिग्राम सिंह ने सभी धरना पर बैठे हुए जिले के कोने-कोने से आए पत्रकारो को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार सुभाष कुमार की हत्या होने के बाद से अपराधी खुलेआम सड़क पर घूम रहे हैं। एसपी साहब ने हम लोगों को आश्वासन दिया था कि आप लोग शांत रहिए, 72 घंटे के अंदर इस घटना में संलिप्त सभी अपराधियों को गिरफ्तार करके जेल के सलाखों में भेजेंगे और इस केस को स्पीडी ट्रायल कराकर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। प्रत्यक्ष गवाह के पत्रकार सह समाजसेवी पुष्कर प्रसाद सिंह ने कहा कि जिला पुलिस बल के कप्तान बिल्कुल हाथ पर हाथ रखकर सोए हुए हैं। अगर शीघ्र उन सभी अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं करते हैं तो तमाम पत्रकार उन्हें चैन के नींद सोने के लिए नहीं देंगे। मंझौल के वरिष्ठ पत्रकार प्रो संजय सिंह ने कहा कि हमारे बीच से अपराधियों ने गोली मारकर एक युवा साथी पत्रकार सुभाष कुमार की हत्या 7 दिन पहले कर दिया गया, लेकिन जिले के सैकड़ों पत्रकार अभी भी जिंदा बचे हुए हैं। उन अपराधियों को हम हुंकार भरते हैं कि तुम मेरी कलम की स्याही को छीनने का प्रयास किया है, लेकिन हम सभी पत्रकार भाई तुम जैसे अपराधियों को जिले के सभी भूमाफिया, शराब माफियाओं और जिले के वैसे भ्रष्ट पदाधिकारियों के खिलाफ और जमकर अपने अपने अखबार में लिखने का काम करेंगे। अन्यथा इस आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। बेगूसराय जिला आने वाले दिनों में आग की शोला बनकर जलेगा। अगर जलने से इसे नहीं आप बचाते हैं तो इसकी सारी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस धरना को संबोधित करने वाले पत्रकारों में नंदकिशोर सिंह, पंकज कुमार झा, रघुवीर झा, संतोष राय, केशव भारद्वाज, पंकज भट्ट, सुमित वत्स, कृष्ण बल्लभ, दिलीप भारद्वाज, अजय शास्त्री, प्रशांत कुमार, शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह, पुष्कर प्रसाद सिंह के अलावे धरना पर बैठे पत्रकारों में पवन बन्धु सिन्हा, गुलशन कुमार, राजेश कुमार, राकेश पांडे, अविनाश भट्ट, पंकज, मनोहर सिंह, मोनू कुमार, अंशु, गोपाल समेत दर्जनों पत्रकार अभी भी धरना पर बैठे हुए हैं। लेकिन आज हत्या के 7 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक एक भी अपराधियों की गिरफ्तारी उनके पुलिस कर्मियों के द्वारा नहीं किया गया है। उसके बाद आज से हम लोगों ने मिलकर इसे आंदोलन का रूप लिया है और यह आगे भी जारी रहेगा।पत्रकार सुमित वत्स ने कहा बेगूसराय में अपराधियों का काफी बोलबाला है। कोई भी जिले के लोग अभी सुरक्षित नहीं हैं। युवा पत्रकार सुभाष के हत्यारों की गिरफ्तारी शीघ्र पुलिस नहीं करती है, तो सभी पत्रकार मिलकर इस आंदोलन को और वृहद पैमाने पर ऊपर ले जाएंगे। मंझौल के वरिष्ठ पत्रकार महेश भारती ने कहा कि बेगूसराय जिला का यह दुर्भाग्य है कि अब अपराधी चौथे स्तंभ के साथी को गोली मारकर हत्या करने पर उतारू हो गए हैं, उसके हत्या करने से जिले के पत्रकारों की आवाज रुकने वाली नहीं है। अब और शोला बनकर यहां के पत्रकार उतरेंगे।

एसएसबी ने जब्त की शराब की बड़ी खेप

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। सीमावर्ती क्षेत्र में एसएसबी द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाकर नेपाली शराब की जब्ती की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को 56 वी वाहिनी एसएसबी बथनाहा के अंतर्गत *रसीर समुवाय फुलकाहा द्वारा भड़हर गांव के समीप पीलर सं० 187 के पास 950 बोतल नेपाली दिलवाले शराब के साथ मोटर साईकिल बरामत किया गया। मौके से गिरफ्तार तस्कर की पहचान वीरेंद्र यादव उम्र 35 वर्ष, पिता धर्मलाल यादव, , गांव भवानीपुर उत्तर, थाना प्रतापगंज, जिला सुपौल के रूप में हुई है। जब कि दूसरा तस्कर मौके से भागने में कामयाब रहा। गिरफ्तार तस्कर को फुलकाहा पुलिस को सौंप दिया गया है।

प्रगति एवं उपलब्धि की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह एवं अपर समाहर्ता अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में विधि व्यवस्था, भू-विवाद, थाना जनता दरबार एवं धार्मिक संरचना आदि से संबंधित प्रगति एवं उपलब्धि की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय स्थित परमान सभागार में आयोजित किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से वर्ष 2022 में दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई, थाना जनता दरबार (भू-विवाद) (राजस्व), थाना भवन के लिए भूमि की उपलब्धता (राजस्व), अनाधिकृत धार्मिक संरचना(गोपनीय), उत्पाद विभाग एवं विधि प्रशाख, निलाम पत्र, खनन, शस्त्र का नवीकरण (सामान्य शाखा), चरित्र प्रमाण पत्र सत्यापन (सामान्य शाखा), लोक शिकायत निवारण, न्यायालय वाद (विधि प्रशाखा) से संबंधित कार्यों की प्रगति एवं उपलब्धि की अंचल एवं थाना वार गहन समीक्षा की गई।

संबंधित पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान माह तक कुल भूमि विवादों से संबंधित थाना स्तर पर 306 एवं अनुमंडल स्तर पर 14 का निस्तारण किया गया है। इस माह के अंत तक कुल लंबित भूमि विवादों की संख्याथाना स्तर पर 90 एवं अनुमंडल स्तर पर 4 शेष हैं। लोक भूमि अतिक्रमण से संबंधित वर्तमान माह में 27 एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 78 वादों को निष्पादित किया गया है।

वही मध निषेध की समीक्षा के दौरान बताया गया कि दिनांक 01.04.2016 से 30.04.2022 तक उत्पाद विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा कुल 9851 अभियोग दर्ज किए गए हैं। कुल गिरफ्तारी 11182, कुल जप्त देसी शराब लीटर में 32025, कुल जप्त विदेशी शराब 297062.73 लीटर, कुल जप्त सुषव लीटर में 28400 तथा 1850 वाहन जप्त किए गए हैं। शराब विनिष्ठिकरण के बारे में बताया गया कि कुल 308535.98 लीटर जप्त शराब को विनिष्टकरण किया गया है। विनिष्ठिकरण हेतु शेष शराब की मात्रा 27176.70 लीटर है खनन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्तमान माह में कुल 16 वाहन जप्त करते हुए 290175 रुपये जुमार्ने के रूप में वसूल की गई है। बैठक को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता द्वारा संबंधित पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन कर भू-विवाद से संबंधित मामलों का त्वरित गति से निष्पादन सुनिश्चित करें। थाना जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित मामलों की प्रविष्टि पंजी एवं अभिलेख में करते हुए संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता के आधार पर न्याय संगत त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार अनुमंडल न्यायालय में लंबित भू-विवाद से संबंधित मामलों का निष्पादन संबंधित अनुमंडल पदाधिकारीब को ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। भू अतिक्रमण की समीक्षा के दौरान सीओ एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को लंबित सभी पुराने मामलों को प्राथमिकता के साथ नियमानुसार अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया गया। बासगीत पर्चा के लंबित मामलों का निष्पादन सीओ, डीसीएलआर एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को शत प्रतिशत ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना अध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि भू-विवाद से संबंधित लंबित मामलों का निष्पादन एवं विवादित स्थलों पर शांति बनाए रखने हेतु नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही साथ निष्पक्ष कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सभी अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से थाना में जनता दरबार का आयोजन सुनिश्चित करें। जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मामलों का नियमानुसार स्थलीय जांच एवं अभिलेख से मिलान कर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। बैठक में संबंधित पदाधिकारीगण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

परिजनों को मिले न्याय पिंकू के नेतृत्व में एसपी से मिले राजद शिष्टमंडल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। छात्रा हत्याकांड मामले में अभियुक्तों की गिरफ्तारी में हो रही देरी को लेकर राजद के शिष्टमंडल एसपी से मिलकर सभी आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है एसपी जितेंद्र कुमार को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि पुलिस पदाधिकारी द्वारा मामले की लीपापोती किया जा रहा है छात्रा हत्याकांड के आजमनगर थाना कांड संख्या 143/ 2022 मे शामिल आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है साथ ही दोषी कोई नहीं बच सके इसके लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है मौके पर राजद नेता मोहम्मद शैयाद आलम पिंकू, मोहम्मद शहाबुद्दीन, मोहम्मद मसूद आलम, रामजी प्रसाद केसरी, मोहम्मद शमशाद आलम मोहम्मद मुजाहिद,आदि शिष्टमंडल में शामिल थे।

देशी शराब के साथ महिला गिरफ्तार

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। 5 लीटर देसी शराब के साथ 29 वर्षीय महिला को घर से गिरफ्तार किया गया। थाना अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत महेशपुर पंचायत के मोहनी गांव में गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद टीम एवं थाना के संयुक्त अभियान में महिला रंजना देवी को उनके घर से 5 लीटर देसी शराब के गैलन के साथ रंगे हाथों पकड़ा गय है। मध निषेध कानून के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है ।बताते चलें कि महिला के साथ 2 वर्ष की एक बच्ची भी है। छापेमारी टीम में प्रशिक्षु एएसआई अमरजीत कुमार दल बल के साथ मौजूद थे।

अखंड हरिनाम कीर्तन को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। डंडखोरा प्रखंड के द्वाशय हॉट के राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में 24 प्रहार अखंड हरिनाम संकीर्तन को लेकर 251 कुमारी कन्याओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा दास टोला, पश्चिम टोल, बुधेली, सराहा, रहिका होते हुए चतरा घाट में जल भरकर मंडल टोल, शर्मा टोल, बीच टोल होते हुए यज्ञ स्थल पर स्थापित की गई। विभिन्न गांव के कीर्तन मंडलियों द्वारा हरिनाम कीर्तन किया जा रहा है। हरे राम हरे कृष्ण वंदना से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि आसपास के विभिन्न गांव के कीर्तन मंडली के साथ साथ कुंज रास लीला भी होगी। हरे राम कीर्तन स्थल पर मिठाई ,फल- फूल, खिलौने, श्रृंगार ,छोटे-छोटे झूले ,फास्ट फूड की दुकान है के सजने से मेला सा नजारा लग रहा। यज्ञ स्थल के मुख्य द्वार पर महाकाल की मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

कार दुर्घटना में दो घायल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। पोठिया ओपी क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 31पर डूमर के समीप कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। जिससे दो लोग बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेली भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी अनुसार नारायणपुर से शादी समारोह से कटिहार लौटने के क्रम में कार अनियंत्रित हो गड्ढे में जा गिरी। जिससे हवेली खड़गपुर जिला मुंगेर निवासी छेदी चौधरी का 60 वर्षीय पुत्र ए के चौधरी जो कार चला रहे थे। साथ ही उनके सगे भाई 65 वर्षीय अमन कुमार चौधरी कार में बैठे हुए थे ।दोनों सगे भाई बुरी तरह जख्मी हो गए। घटनो प्रांत दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेली भर्ती कराया गया। जहां आपातकाल की स्थिति में दोनों घायलों को पूर्णिया मैकस 7 अस्पताल रेफर किया गया। पोठिया ओपी के अवर निरीक्षक कामेश्वर सिंह सदल बल घटनास्थल पर उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल जांच अभियान चलाया गया

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। हसनगंज प्रखंड अंतर्गत रामा मोड़ सड़क पर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हसनगंज पुलिस ने विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान दर्जनों मोटरसाइकिल जांच किया गया। जांच के क्रम में वाहन के डिक्की सर्च व वाहन के कागजात देखा गया। वाहन जांच को लेकर वाहन चालकों में हड़कंप का माहौल दिखा। आयोजित वाहन जांच अभियान थानाध्यक्ष रामचंद्र मंडल के नेतृत्व में विशेष पुलिस बल की मौजूदगी में वाहन जांच किया गया। बताया क्षेत्रों में शांति व्यवस्था व अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। बताया कि थाना क्षेत्र में सड़क पर दौड़ रही तेज रफ्तार की गाड़ियों पर काबू पाने व मनचलों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाने हेतु विशेष जांच अभियान चलाया गया है। जिसमें खासकर वाहनों के कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट एवं डिक्की सर्च कर दंडित करने का कार्य किया गया। साथ ही कहा क्षेत्रों में अपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के साथ मनचलों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इस मौके पर एसआई सहित पुलिस बल के जवान संयुक्त रूप से शामिल रहे।

तीन पियक्कड़ गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, बेतिया। मैनाटांड़ मानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से तीन शराब पियक्कड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष विकास कुमार तिवारी ने बताया कि गम्हरिया चौक पर गश्ती के दौरान देखा गया कि तीन व्यक्ति शराब पीकर हंगामा कर रहा था। त्वरित गिरफ्तार कर मेडिकल जांच कराया गया। शराबी की पहचान इनरवा थाना क्षेत्र के पिराड़ी निवासी विजय राम, मानपुर थाना क्षेत्र के जिंगना निवासी दिनेश पंजियार और हरज खोजवार के रूप में पहचान की गई।

राशन कार्ड रद्द करने के खिलाफ राजद आंदोलन करेगी : कुणाल

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। गरीबी से तंग लोगों का राशन कार्ड रद्द करने के खिलाफ राजद आंदोलन करेगी ।वार्ड नम्बर 22 में खाद्य सुरक्षा कानून के तहत राशन कार्ड लॉक से परेशान गरीब लोगों की स्थिती का जाएजा लेने पहुंचे राजद प्रदेश महासचिव समरेंद्र कुणाल ने बात कहा उन्होने कहा कि कटिहार में लगभग एक लाख लोगों का राशन कार्ड लॉक किया जा रहा है जिसमें 90 फीसदी ऐसे लोग हैं जो रोज मजदूरी चौका बर्तन करने वाली छोटे छोटे चाय पान की दुकान या रिक्शा ठेला ऑटो रिक्शा फेरी वाले तथा सेठ साहूकार शहर के बड़े दुकानों में काम करते हैं जिनकी आमदनी पांच से छह हजार ही है। उन्होने कहा कि आंधी पानी से घर को सुरक्षित रखने वाले गरीबों को क्या पता कि एक एक ईंट जुटा कर पक्का दीवार देख कर सरकार अमीरी का दर्जा देकर पेट पर लात मार देगी राशन कार्ड रद्द कर देगी। कुणाल ने कहा कि अतिक्रमण के नाम पर घर दुकान पर बुलडोजर चलाया जा रहा है फर्जी राशन कार्ड के नाम पर वर्षों से गरीबों को मिलने वाला गेंहू चावल छीना जा रहा है ।उन्होने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार को बताना चाहिए कि पॉस मशीन खराब है या एनआईसी फर्जी है ।श्री कुणाल ने बताया कि वार्ड नम्बर 22 बैगना सतसंग मंदिर के पूर्व दिशा की ओर बस्ती में रहने वाले चंदन सहनी दिलीप जयसवाल अनिरुद्ध साह अनिल गुप्ता स्व. जनकदेव गुप्ता मनोज दत्ता उज्ज्वल सुभाष पोद्दार प्रदीप साह एवं अशोक साह मजदूरी करते हैं कोई ठेला पर सब्जी बेचता है ऐसे लोगों का राशन कार्ड लॉक कर दिया गया है लोग राशन के लिए भटक रहे हैं ।उन्होने कहा कि एसी में बैठकर लोगों का राशन कार्ड लॉक किया गया है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी अखिलेश सोनी ने कहा कि लॉक किए गए राशन कार्ड धारियों की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है मनिहारा दूकान में काम करने वाले दिलीप जयसवाल बीमार हैं पैसे के कमी के कारण उनका इलाज सही से नहीं हो रहा ऊपर से सरकार ने राशन बंद कर दिया ये गलत हो रहा है ।इस अवसर पर राजद के बिनोद साह अमित सिंह श्यामलाल यादव भीम यादव बिरेंद्र कुमार आदि मौजूद थें।

आईसीडीएस अंतर्गत महिला पर्यवेक्षक के नियोजन के लिए 32 अभ्यार्थियों ने प्रमाण पत्र जाँचा

» मदरलैण्ड संवाददाता

● महिला पर्यवेक्षक की बहाली में पारदर्शिता रखी गई है : सुगंधा शर्मा

कटिहार। आईसीडीएस अंतर्गत संविदा के आधार पर महिला पर्यवेक्षक पद पर सीधे नियोजन के लिए कोटिवार मेघा सूची में अंकित 81 अभ्यार्थियों के सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र व अन्य प्रमाण पत्र के साथ 24-25 मई को विकास भवन के सभागार में जांच के लिए प्रस्तुत होना था। इस दौरान अभ्यर्थियों को मैट्रिक, इंटर, स्नातक एवं स्नातकोत्तर, मूल एवं छाया प्रति तथा अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निर्गत आवासीय प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र एवं अपने पहचान के लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र को लाना अनिवार्य किया गया था। कागजातों की जांच के लिए विभागीय दिशा निर्देश के आलोक में तीन सदस्य समिति गठित की गई थी। गौरतलब हो कि इस दौरान अभ्यार्थियों के अंको में हेराफेरी हुई है।

इस संबंध में आईसीडीएस के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुगंधा शर्मा ने मदरलैंड वॉइस को बताया कि इन दो दिनों में कुल 32 अभ्यार्थियों ने उपस्थित होकर प्रमाण पत्र जमा किया है। अन्य अभ्यार्थियों की सूची बनाकर जल्द प्रकाशित की जायेगी ताकि ससमय उपस्थित होकर प्रमाण पत्र जमा करेंगे। संविदा पर बहाल होने वाली महिला पर्यवेक्षक की बहाली में पारदर्शिता रखी गई है।

बीडीओ सीओ ने तटबंध का लिया जायजा जेई को दिये कई निर्देश

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। महानंदा तटबंध का बाढ़ से पूर्व अंचलाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी ने शुक्रवार के दिन संयुक्त रुप से निरीक्षण किया बहरखाल से चंडीपोखर काली स्थान तक तथा आजमनगर स्पर्श संख्या 56 से दिल्लीदीवानगंज तक महानंदा तटबंध का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के क्रम मे स्पर्श संख्या 56 के नजदीक गेबियन में त्रुटियां पाई गई त्रुटियों को देख अंचलाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संबंधित कनीय अभियंता को अभिलंब मरम्मत कराए जाने के निर्देश दिए। वहीं अंचलाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि उक्त तटबंध में स्पर्श संख्या 56 के निकट गेबियन क्षतिग्रस्त हो गई है धरातलीय स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को समर्पित की जाएगी। वहीं निरीक्षण के दौरान बाढ़ प्रमंडल विभाग के जेई राहुल रंजन, शेखर सुमन, राकेश बोसाक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

मृतका छात्रा का शव रि-पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया भागलपुर

डीएसपी के आश्वासन पर टूटा देर रात प्रदर्शन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर थाना क्षेत्र के बघौरा पंचायत के पस्तिया में छात्रा हत्या कांड के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद घर ले जाने क्रम में उनके परिजनों संग जनप्रतिनिधियों ने शव को गुरुवार की तरड़के दोपहर कॉलेज चौक पर रख टायर जला कर रोड जाम कर विरोध जताया है ।और आजमनगर थानेदार पर कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके तबादले की मांग पर देर रात तक डटे रहे ।तब गुरुवार की देर रात11बजे बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हुआ और शव को री- पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेजा गया है ।इसी बीच प्रदर्शन की एक टुकड़ी सालमारी ओपी पहुँच हमला कर दिया घटना में कुछ पुलिस कर्मी आशंकि चोटिल हुई तब जवाबी कार्रवाई में पुलिस बल ने मोर्चा सम्हालते हुए प्रदर्शनकारियों पर जमकर बल प्रयोग किया तब ओपी पर हमला करने वाले सभी फरार हो गए ।इस घटना में बलरामपुर थानें व अन्य एक वाहन को छतिग्रस्त कर दिया गया है ।पुलिस मामले पर कार्रवाई करेगी वक्त बताएगा। वहीं देर रात तक आजमनगर बीडीओ सीईओ सीआई भी प्रदर्शन स्थल पर मुस्तैद रहे बता दें बघौरा पंचायत के मुखिया के सोहदे भाई सहित नौ के विरुद्ध मामला दर्ज हुआ है एक गिरफ्तार फरार की तलाश हांफ रही पुलिस...

आजमनगर पुलिस पर मामले के अनुसंधान में लापरवाही बरत रहे हैं ।पीड़ित पक्ष को अंदेशा है ।थानेदार मुखिया के प्रभाव में है ।इस लिए निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए थानेदार को हटाने की मांग एसपी कटिहार से प्रदर्शन स्थल पर पहुँचे बलरामपुर विधायक महबूब आलम ने अविलंब सस्पेंड करने की मांग की है ।जहां डीएसपी ने कार्रवाई के प्रति आश्वस्त किया है।

छात्रा हत्याकांड की हो फॉरेंसिक जांच : सुनील यादव

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस नेता सुनील यादव के द्वारा आजमनगर छात्रा हत्याकांड मामले में आज कटिहार कोर्ट में जाकर पीड़ित परिवार के आवेदन और जो फॉरेंसिक जांच की मांग सीजीएम कोर्ट में किया गया। उन्हें सुनील यादव के द्वारा हर संभव प्रयास करके मृत नाबालिक छात्रा को भागलपुर एंबुलेंस से भेजा गया। कटिहार जिले में हत्या डकैती लूट बलात्कार का बाढ़ आ गया है। जिस तरह से एक आजमनगर प्रखंड के बघौरा पंचायत के पशितमा गाँव के मेघवी छात्रा माहेनूर की सामूहिक दुष्कर्म करके निर्मम हत्या किया गया। जगन हत्या का मै कड़ी निंदा करता हूं। सरकार से मांग करता हूं कि अपराधी को स्पीडी ट्रायल चलाकर फांसी की सजा दी जाए। इस क्राइम करने वाले को बचाने वाले नेता को भी कड़ी से कड़ी सजा मिले। हम सरकार से उस पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपए का मुआवजा देने का मांग करता हूं। जिस तरह की एक मेघवी छात्रा माहेनूर एक होनहार छात्र थी। हाल ही में मैट्रिक परीक्षा में फर्स्ट आई थी। उनके माता-पिता एवं ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि वह पढ़ने में काफी तेज थी। बहुत सुशील शांत परिवार में इकलौती लड़की थी। छात्रा को पढ़कर कुछ बनने की सोच थी आज मेरे द्वारा पीड़ित परिवार को कुछ आर्थिक मदद किया गया। पीड़ित परिवार के मदद में कोर्ट से लेकर हॉस्पिटल तक जाप जिलाध्यक्ष अरुण सिंह, प्रदेश सचिव तनवीर समशी, छात्र जिलाध्यक्ष चन्दन यादव एवं पूर्व चेयरमैन जाकिर हुसैन एवं रानू एवं कुछ सामाजिक कार्यकर्ता थे।

माध्यमिक उच्च विद्यालय रौतरा का जाँच करने पहुंचे डीएम

» मदरलैण्ड संवाददाता

● भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हुए डीएम ने जमीन पर बैठकर खाया खाना

कटिहार। राज्य सरकार के निर्देश पर कटिहार के जिला पदाधिकारी उदयन मिश्र कटिहार के रौतारा माध्यमिक उच्च विद्यालय में पठन-पाठन, मध्यान भोजन , विद्यालय के रख रखाव और शिक्षा की गुणवत्ता की जांच करने के लिए पहुंचे ।जिला पदाधिकारी उदयन मिश्र विद्यालय के हर एक पहलुओं का बारीकी से जांच किया। संबंधित शिक्षक कर्मियों को उचित दिशा निर्देश दिया। लेकिन विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी उदयन मिश्र का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें जिलापदाधिकारी जमीन पर बैठकर मध्यान भोजन खाते हुए खुद उसकी गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं। विद्यालय के सभी शिक्षक हतप्रभ थे। जिला पदाधिकारी उदयन मिश्र खुद जमीन पर बैठकर खाने की गुणवत्ता की जांच खुद खाना खाकर कर रहे थे ।गौरतलब है कि इससे पहले भी कटिहार के जिलापदाधिकारी कई अनेक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया है। जिसमें कभी वह बेंच के पिछली कतार पर बैठकर शिक्षकों के पठन-पाठन का जायजा लेते दिखे थे। लेकिन आज फिर जब वो माध्यमिक उच्च विद्यालय रौतरा पहुंचे वहां भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हुए खुद जमीन पर बैठकर खाना खाया ।इससे पहले भी कटिहार के जिलाधिकारी सुर्खियों में रह चुके हैं। पर्यावरण को संरक्षित करने के लिएऔर प्रदूषण को नियंत्रण की दिशा में लोगो को जागरूक करने के लिए वो हर शनिवार को अपने आवास से जिला पदाधिकारी कार्यालय साइकिल से आते रहे हैं।

दबंग पीआरएस ने नौ माह बाद भी नहीं दिया प्रभार

उप विकास आयुक्त के आदेशों का नौ माह बाद भी नहीं हुआ पालन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मनरेगा विभाग से जुड़े पीआरएस के दबंगई का दास्तां। जिले के फलका प्रखंड अंतर्गत तबादलों पर पीआरएस बाबू भारी पड़ रहे हैं। आदेशों को ठेंगा दिखाने में इनका कोई जवाब नहीं है। उप विकास आयुक्त की बात तक को मानने से पीआरएस संतोष कुमार यादव इंकार कर देते हैं। आदेशानुसार जिले के समेली प्रखंड निवासी राजकुमार मंडल को मघेली पंचायत का पीआरएस बनाया गया था और साथ में गोविंदपुर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार 13 अगस्त को जारी पत्रांक 2132 से किया गया था। लेकिन संतोष कुमार यादव गोविंदपुर पंचायत के पीआरएस जमे हुए हैं। इसका जीता जागता उदाहरण मनरेगा विभाग से हुए कार्य स्थल के बोर्ड से दिखता है। गौरतलब हो फलका प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत का मनरेगा कार्य 2021-2022 का कार्य पीआरएस राजकुमार मंडल द्वारा होना चाहिए था। लेकिन मनरेगा में कार्यक्रम पदाधिकारी अनवर कलीम के कारण से गोविंदपुर पंचायत का पीआरएस संतोष कुमार यादव ही बने हुए थे।

आपको बताते चलें कि यहां इतनी लूट मची है कि पीआरएस बाबू सालों से जमे रहने के बाद भी जाने को तैयार नहीं हैं। अधिकारी जहां इस बात से अनभिज्ञता जाहिर कर रहे हैं, वहीं कुछ जिम्मेदार जानकारी लेके कार्रवाई की बात कह रहे हैं।

आदेश जारी होने के नौ माह बाद भी न तो सम्बंधित कर्मचारी गए न ही सम्बंधित विभाग के कार्यक्रम पदाधिकारी ने उन पर कोई कार्रवाई की। मनरेगा विभाग की ओर से

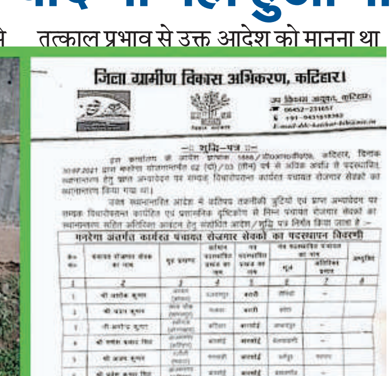

13 अगस्त 2021 को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय कटिहार में लम्बे समय से पदस्थ 27 पीआरएस के तबादला आदेश जारी किए गए थे। उन्हें तत्काल प्रभाव से उक्त आदेश को मानना था लेकिन नौ महीने बाद भी प्रभार नहीं दिया जाना उप विकास आयुक्त के आदेशों की अवहेलना करना है।

इस संबंध में फलका प्रखंड के मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी अनवर कलीम ने मदरलैंड वॉइस को बताया कि 25 मई को संतोष कुमार यादव द्वारा राजकुमार मंडल को प्रभार दे दिया गया है।

जबकि पीआरएस राजकुमार मंडल ने बताया कि फलका प्रखंड कार्यालय में बैठक हुई थी संतोष कुमार यादव को कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा गुरुवार को प्रभार देने के लिए बोला गया था लेकिन खबर प्रकाशित होने तक पीआरएस राजकुमार मंडल को गोविंदपुर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार नहीं सौंपा गया है।

लेकिन एक सवाल अब भी है कि नौ महीने से डीडीसी के लेटर पर प्रभार क्यों नहीं सौंपा गया। अब तो वक्त ही बताएगा कि संतोष एवं संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारी पर कब तक कार्रवाई होती है।

संक्षिप्त समाचार

फरार आरोपी गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, बेतिया। मैनाटांड़ इनरवा थाना क्षेत्र के बहुअरवा गांव से पॉक्सो एक्ट के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इनरवा थाना अध्यक्ष प्रकाश कुमार ने बताया कि बहुअरवा गांव निवासी जगत पटेल को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व से मामला दर्ज किया गया था।

अपहृता को पुलिस ने बरामद किया

मदरलैंड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा,संवादसूत्रः-मटियरीया थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक अपहृता, को सेरहवा भुस्की गांव से बरामद कर 164 के ब्यान के लिए बेतिया भेज दिया है। इस आशय की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया है कि कांड संख्या 39/22 के तहत अपहृता के पिता ने एक माह पूर्व प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में अपहृता के पिता ने बताया है कि उसके नाबालिक लड़की को शादी की नियत से एकडेरवा गांव निवासी गुड्डू पासवान ने बहला-फुसलाकर 3 माह पूर्व अपहरण कर लिया था। वहीं पुलिस को इसकी तलाश जारी थी।

तीन पियक्कड़ गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, बेतिया। मैनाटांड़ मानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से तीन शराब पियक्कड़ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष विकास कुमार तिवारी ने बताया कि गम्हरिया चौक पर गश्ती के दौरान देखा गया कि तीन व्यक्ति शराब पीकर हंगामा कर रहा था। त्वरित गिरफ्तार कर मेडिकल जांच कराया गया। शराबी की पहचान इनरवा थाना क्षेत्र के पिराड़ी निवासी विजय राम, मानपुर थाना क्षेत्र के जिंगना निवासी दिनेश पंजियार और हरज खोजवार के रूप में पहचान की गई।

नेपाली कस्तूरी शराब के साथ दो महिला तस्कर गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, बेतिया। मैनाटांड़ पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र से 22 बोतल नेपाली शराब के साथ दो महिला तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि गस्ती के दौरान पता चला कि 2 महिला तस्कर शराब का कारोबार कर रही है। त्वरित सूचना पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दोनों महिला के पास 22 बोतल नेपाली शराब पाया गया। गिरफ्तार महिला की पहचान बलथर थाना क्षेत्र के मुरली निवासी गिरजा देवी पति भगत महतो, छठीया देवी पिता भगत महतो के रूप में पहचान की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों महिला को मद्य निषेध अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

कस्तूरबा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुआ समर कैंप का आयोजन

मदरलैंड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा शुक्रवार को कस्तूरबा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग व प्रथम संस्था के तत्वाधान में अक्षर अंचल कार्यक्रम के तहत समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन भितिहरवा पंचायत के मुखिया मुन्नी देवी व प्रथम के सदस्यों के द्वारा किया गया। वही मौके पर मुखिया मुन्नी देवी ने बताया कि कोरोना काल की वजह से स्कूल बंद होने के कारण बच्चों की पढ़ाई काफी प्रभावित हुई है। अब ग्रीष्मकालीन छुट्टी हो गई है। ऐसे में प्रथम संस्था के द्वारा यह कार्यक्रम का आयोजन से शिक्षा में सुधार लाएगा। वही प्रथम संस्था के जिला समन्वयक नरेश कुमार ने बताया कि गौनाहा प्रखंड के 70 गांव में समर कैंप का आयोजन किया गया है। इसमें 4,5,6 कक्षा के बच्चे जिन्हें अनुच्छेद पढ़ने नहीं आता है। इस कैंप से प्रशिक्षण के बाद वैसे बच्चों को प्रशिक्षित बच्चों के द्वारा शिक्षित किया जाएगा। वही प्रथम संस्थान के सुमित पांडे ने बताया कि इसमें कक्षा 9,10,11,12 के छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिस से खेल खेल के माध्यम से आनंदमई तरीके से बच्चों को शिक्षित कर सकें। बुनियादी शिक्षा को मजबूत कर सके। वही मौके पर उपस्थित उप प्रयार्य विवेक कुमार ने कहा कि जिस प्रकार गतिविधियां अपनाकर छात्र- छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है निश्चित ही बच्चे मजेदार तरीके से सीखेंगे। वही मौके पर प्रथम संस्थान से लक्ष्मी कुमारी, शिक्षक इंद्रजीत शर्मा, सुदिष्ट कुमार, हरेश काजी, हेमंत कुमार, छात्रा वर्षा कुमारी, गुंजा कुमारी, डेजी कुमारी, शगुफ्ता जमाल, आदि उपस्थित थे।

लालू आए बिहार तो भैंस पर सवार होकर पहुंचे समर्थक, शरीर पर लिखा उइक मुदार्बाद

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना। राजद सुप्रीमो एकबार फिर बिहार आए हैं. लंबे अरसे बाद लालू यादव शुक्रवार को बिहार पहुंचे. पटना पहुंचते ही उनके समर्थकों में फिर से उत्साह देखा जा रहा है. लेकिन कुछ समर्थक ऐसे भी देखे गये जिन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया. समस्तीपुर से तीन ऐसे समर्थक राबड़ी आवास के सामने देखे गये जिन्होंने पूरे शरीर पर लालू यादव के समर्थन में पेंट करा रखा था. वो भैंस पर सवार होकर पटना आए.शुक्रवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव राजद के दोनों उम्मीदवारों के नामांकन के लिए विधानसभा पहुंचे. इधर राबड़ी आवास के सामने तीन ऐसे लालू समर्थकों को देखा गया जिन्होंने अपने शरीर को हरा यानी राजद के रंग में रंग लिया था. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ये तीनों महुआ निवासी नटवरलाल, सुरेश कुमार, मुनिलाल राय खलीफा बताये जा रहे हैं जो समस्तीपुर के पूसा में काम करते हैं। लालू यादव के इन समर्थकों ने बताया कि जब इन्हें जानकारी हुई कि आरजेडी सुप्रीमो पटना पहुंचे हैं तो तीनो भैंस की पीठ पर ही सवार होकर पटना के लिए निकल लिये. बता दें कि इन्होंने अपने भैंस को भी राजद के रंग में रंगा दिया है. भैंस के शरीर पर लालू राबड़ी जिंदाबाद लिखा हुआ है. वहीं राजद का चुनाव चिन्ह लालटेन भी बनाया गया है.इन तीन लालू समर्थकों में एक सुरेश है जो 2 फीट से भी कम कद का है. सुरेश ने भी अपने शरीर को हरा रंग से रंग लिया है और चेहरे से लेकर छाती तक पर लालू-राबड़ी जिंदाबाद तो सीबीआई मुदार्बाद लिखवा लिया है. इन तीनों को देखने के लिए लोग जुट गये. वहीं सोशल मीडिया पर इनकी तसवीरें जमकर वायरल हो रही है. लालू यादव के लिए ऐसी दिवानगी बेहद खास है.

कब जुड़ेंगे जिले से जिला से जुड़ने के लिए 2014 से ही पक्का पुल कक मांग कर रहे हैं

» मदरलैंड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा प्रखंड को जिला मुख्यालय बतिया से जोड़ने के लिए ठकराहा के सामने गंडक नदी में पक्का पुल का निर्माण कराने को लेकर एक बार फिर ठकराहा के लोगो ने आवाज उठाया है। जिसको लेकर पुल निर्माण संघर्ष समिति ने गुरुवार की शाम प्रखंड मुख्यालय परिषर में संघर्ष समिति के अध्यक्ष निजामुदीन अली की अध्यक्षता मे बैठक का आयोजन किया। बैठक में उपस्थित संघर्ष समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष निजामुदीन अली ने कहा कि 2014 से गंडक नदी में पक्का पुल का निर्माण कराने की मांग की जा रही है। लेकिन सरकार व स्थानीय सांसद व विधायक से केवल आश्वासन मिलता आ रहा है। लेकिन पुल निर्माण को लेकर ठकराहा प्रखंड के लोग एक जुट हैं। जब तक पुल का निर्माण नही हो जाता तबतक यह संघर्ष समिति के सदस्य व लोग लड़ाई लड़ते रहेंगे। वही संघर्ष समिति के सचिव विजय चौधरी ने कहा कि भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को दिल्ली में संघ के सदस्यों ने पुल निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा था। जिसके बाद उन्होंने गंडक नदी में पुल का निर्माण कराने के लिए आश्वासन दिया था। बैठक के दौरान समिति के सदस्य चंद्रमा शर्मा,अधिवक्ता नवल सिंह,हाई कोर्ट के अधिवक्ता रमेश पाण्डे, सुरेश तिवारी,रमाकांत कुशवाहा,शिवचन गद्दी व रविन्द्र तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गंडक नदी में पुल का निर्माण हो जाय तो लोगो को अतिरिक्त दूरी से मिलेगी निजात :

ठकराहा प्रखंड के लोगों ने बताया कि अगर ठाकराहा प्रखंड के सामने गंडक नदी में पुल का निर्माण हो जाए तो लोगों को जिला मुख्यालय बेतिया जाने के लिए अतिरिक्त दूरी तय नहीं करना पड़ेगा। अगर ठकराहा से जिला मुख्यालय बेतिया जाना हो तो लोगों को ठाकराहा से धनहा-रतवल मुख्य पथ होते हुए 115 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ता है। वहीं अगर पुल का निर्माण हो जाए तो लोग 35 किलोमीटर की दूरी तय कर जिला मुख्यालय पहुंच जाएंगे।

संघर्ष समिति के सदस्य संसद व विधायक को आवेदन के माध्यम से करा चुके है अवगत :

गंडक नदी में पक्का पुल का निर्माण कराने के लिए पुल निर्माण संघर्ष समिति के सदस्यों ने भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राज्य मार्ग मंत्री नितिन गडकरी, वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार कुशवाहा,राज्य सभा सांसद सतीशचंद्र दुबे,वाल्मीकिनगर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह,विधान परिषद सदस्य भीष्म सहनी से आवेदन के माध्यम से अनेकों बार अवगत करा चुके हैं। लेकिन पुल के निर्माण के लिए अब तक कोई सुनवाई नही हुई।

बरसात से पहले पीपा पुल के सहारे नदी पार कर लोग पहुचते है जिला मुख्यालय

प्रत्येक वर्ष बरसात समाप्त होने के बाद एवं गंडक नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद ठकराहा प्रखंड के सामने लोगो के आवागमन के लिए गंडक नदी में पीपा पुल का निर्माण कराया जाता है। जिससे लोग 30 से 35 किलोमीटर की दूरी तय कर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं। लेकिन जैसे ही बरसात शुरू होता है और गंडक नदी के जल स्तर में वृद्धि होता है वैसे ही पीपा पुल को पानी से निकाल दिया जाता है। जिसके बाद बरसात के 3 महीने तक लोगों को जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए 115 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ता है।

पूल संघर्ष समिति के हाईकोर्ट के अधिवक्ता राकेश पांडे ने बताया कि कोर्ट की तरफ से भी जल निगम के अभियंताओं को तलब किया गया है अगर जनहित का काम है तो आप लोगों को पुल का निर्माण कराना चाहिए।

बीडीओ ने किया पंचायत के विकास कार्यों का निरीक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

बेतिया। भितहा गुरुवार को सरकार के निर्देश के आलोक में भितहा के मच्छहा पंचायत के योजनाओ की जांच बगहा बीडीओ कुमार प्रशांत ने किया। जांच के क्रम में बीडीओ ने उक्त पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय सहित जनवितरण दुकान की जांच किया। वही पंचायत में विकास कार्य के लिए कराई गई योजनाओ का निरीक्षण करते हुए साम्बन्धित कर्मियों को जमकर फटकार लगाया। बीडीओ ने जांच के क्रम में जनवितरण दुकानदार बाबूलाल प्रसाद के दुकान की जांच किया जहां दुकानदार द्वारा वितरण रजिस्टर, स्टॉक पंजी नही दिखाई गई। बीडीओ ने बताया कि दुकानदार द्वारा रजिस्टर नही दिखाया गया। जांच के क्रम में उक्त दुकान में घोर अनियमितता पाई गयी है। जिस पर कार्यवाही के लिए जांच प्रतिवेदन दिया जाएगा। वही बीडीओ ने पंचायत सरकार भवन बैरटवा पर पहुच कर पंचायत कार्यालय सम्बन्धी पंजी की मांग पंचायत सचिव शत्रुधन प्रसाद से किया गया जहां पंचायत सचिव द्वारा कोई पंजी नही दिखाने पर बीडीओ ने जमकर फटकार लगाया। वही बीडीओ ने पंचायत आरटीपीएस कार्यालय के कार्यपालक सहायक को आरटीपीएस कार्यालय पर रजिस्टर मैंटेन करने का निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत के लोगो को ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर नही लगाना पड़े इसके लिए हर आवेदन पंचायत स्तर पर ही जमा होना चाहिए। वही बीडीओ ने सभी कर्मियों को संबधित कार्य कैसे सुचारू रूप से करना चाहिए इसकी जानकारी दिया। बीडीओ श्री कुमार ने पंचायत के नल जल योजना, आवास योजना, मनरेगा सहित सभी योजनाओं का निरीक्षण गहनता पूर्वक किया।

बीडीओ ने बताया कि सभी जांच प्रतिवेदन जिला को भेजा जाएगा।

इस अवसर पर स्थानीय मुखिया अशोक गुप्ता, पंचायत सचिव शत्रुधन प्रसाद, रोजगार सेवक पंकज कुमार, आवास सहायक विवेक मिश्रा सरपंच दिनेश्वर यादव मुकेश गोंड वार्ड सदस्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिघोर हाट में पसरा सन्नाटा बंद रहा बाजार

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बिघोर हाट की जमीन को प्रसासन द्वारा थाना बनाने के लिए निर्धारित किया गया है। जिसको लेकर हाट के दुकानदारों और स्थानीय ग्रामीणों को खासा नुकसान पहुचेगा। इस लिए ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए पूरे बिघोर बाजार को बंद रखा है। बिघोर पंचायत के वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि मो० मुजफ्फर ने बताया कि आजादी के बाद आज पहली बार इस हाट को बंद रखा है। ताकि प्रशासन उन सभी छोटे बड़े दुकानदारो को होनी वाली समस्या का अंदाजा हो पूरे बरासोइ अनुमंडल का सबसे बड़ा बाजार है। यह हफ्ते में एक दिन शुक्रवार को ही लगता है। जहां दूर दूर से छोटे बड़े व्यापारि आकार रोजी रोटी का जोगार करते है। यहीं से उनका घर चलता है बड़े पैमाने में लोग भी खरीदारी करने यहां आते हैं। हाट से कुछ ही दूरी पर पहले से कचना ओपी बना है सरकार को थाना ही बनाना है तो कचना ओपी के समीप बहुत खाली जमीन हैं।वहाँ थाना बनाया जासकता है।बिघोर के सभी दुकानदार वर्षों से अपनी दुकानों को बचा ने के लिए आंदोलन कर रहे है। इसके लिए कई बार जिला पदाधिकारी से लेकर अंचल पदाधिकारी को लिखित आवेदन देने की बाद भी हम सभी लोगों के मांग को सिरे से खारिज कर दिया जाता रहा है। इसके पीछे सरकार और प्रशासन बाजार को हमेशा के लिए बंद कर देने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। बाजार को तोड़ने की साजिश रची जा रही है। अगर बिघोर हाट में थाना बना तो प्रशासन को हम सभी दुकानदार और ग्रमीणों के लाश के ऊपर थाना बनाना होगा। प्रसासन हम सब की पहचान को छीन रही हैं। हजारों लोग भुखमरी के स्थिति में पहुँच जाएंगे सरकार को इस फैसले को जल्द से जल्द वापस लेना होगा। ताकि हम गरीब इज्जत की दो रोटी कमा के अपने घर वालों को खिला सके।

राष्ट्रीय आय सह मेघा छात्रवृति परीक्षा में छात्र- छात्राओं ने बाजी मारी।

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। राष्ट्रीय आय सह मेघा छात्रवृति परीक्षा 2022 में मनसाही की छात्र- छात्राओं ने इस बार पुनः बाजी मारी। इस मौके पर मनसाही हॉट अवस्थित अल्फा इंस्टिट्यूट में एक कार्यक्रम आयोजित कर छात्र- छात्राओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामना व्यक्त किया।इस मौके पर संस्थान के संचालक वीर विजेता ने बताया कि इंस्टीट्यूट की शुरूआत 2018 में हुआ था 2019 में पहली बार राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति की परीक्षा दिलाया गया था। जिसमें 95% छात्र- छात्राओं ने बाजी मारी थी। इस बार 2022 में इस इंस्टिट्यूट से 30 छात्र- छात्राओं ने परीक्षा दिया था, जिसमें 25 छात्र-छात्राएं पास हुए, जिसे केंद्र सरकार के द्वारा प्रतिमाह एक हजार रुपये मिलेगा,अभी मनसाही के उत्क्रमित मध्य विद्यालय रखा टोला, हरिप्रसाद, मोहनपुर, मनसाही, रानीपतरा सिंघिया आदि विद्यालय के छात्र-छात्राएं इस इंस्टिट्यूट से तैयारी कर रहे थे।जिसमे 25 छात्र-छात्राओं ने बाजी मारा। सभी छात्र-छात्राएं वर्ग आठ में पढ़ रही हैं, जिसे इंटर पास होने तक सरकार के द्वारा बारह हजार पर साल मिलता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस संस्थान से इस वार मैट्रिक की परीक्षा में प्रखंड टॉपर जयंती कुमारी थी, वहीं मनसाही के ही कैलाश कुमार 2019 में जिला टॉपर हुआ था। राष्ट्रीय आय सह मेघा छात्रवृति परीक्षा 2022 के पास हुई शिप्रा कुमारी ने बताया कि अल्फा इंस्टिट्यूट से मेघा छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी कर रहे थे और मैंने पास किया इसका श्रेय संस्थान के संचालक वीर विजेता को जाता हैं, जिन्होंने काफी बारीकी के साथ तैयारी कराएं और पास हुए,साथ ही इसका श्रेय मेरे माता-पिता को भी जाता हैं, जिसने मुझे इस काबिल समझा और मुझे पढ़ाया और मेघा छात्रवृत्ति परीक्षा पास किए सरकार के द्वारा अब इंटर पास होने तक एक हजार पर महीना हमें मिलता मिलेगा। वहीं छात्र समराज आलम ने बताया कि संस्थान के शिक्षक वीर विजेता के साथ मेरे माता- पिता एवं मेरे सहपाटी मेरा हर वक्त साथ दिए और इसी का परिणाम मिला मैंने इस मेघा छात्रवृत्ति परीक्षा में पास किए। इस अवसर पर संस्थान के संचालक वीर विजेता सहयोग में विवेक आनंद सहित छात्र-छात्राओं में सूरज कुमार, अभिषेक कुमार, तौफीक आलम, समराज आलम, शाहिद आलम, शिवम कुमार, बबली कुमारी, साक्षी कुमारी, सुषमा कुमारी, डोली कुमारी, शिप्रा कुमारी आदि मौजूद थे।

थाना स्तर पर संचालित ऑर्केस्ट्रा पार्टी की सूची तैयार करें-जिलाधिकारी

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में शुक्रवार को सामाजिक कल्याण के विभिन्न समितियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में जिला स्तरीय माता पिता भरण पोषण समिति,राष्ट्रीय न्यास दिव्यांगजन आर्टिज्म सेरेब्रल पाल्सी,बौद्धिक दिव्यांग एवं बहुदिव्यांग के लिए जिला स्तरीय कमेटी,डिस्ट्रिक्ट कन्वर्जंस एक्शन प्लान,डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,वन स्टॉप सेंटर,चाइल्ड लाइन एडवाइजरी बोर्ड,जिला स्तरीय मानव व्यापार विरोधी समिति एवं जिला स्तरीय किन्नरों के पहचान हेतु गठित समिति से संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए।इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा दो किन्नर सदस्य बिंदिया किन्नर एवं सलोनी किन्नर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।उन्होंने किन्नरों के उत्थान के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सात दिन के अंदर नव प्रवर्तन योजना अंतर्गत 10 लाख की सहायता राशि प्रदान की जाए ताकि किन्नर अपने पैर पर खड़े होकर समाज के मुख्यधारा से जुड़ सकें।जिलाधिकारी ने कहा कि किन्नर समुदाय के अन्य व्यक्ति को पहचान एवं प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कार्य योजना बनाएं।किन्नरों के कल्याण,राशन कार्ड एवं पुनर्वास हेतु सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर किन्नरों को वांछित सहयोग प्रदान किया जाए।मानव तस्करी के क्षेत्र में पीड़ितों के बचाव,परामर्श एवं पुनर्वासन के क्षेत्र में नामित स्वयंसेवी संस्थाओं से उन्होंने विस्तृत समीक्षा की।मानव व्यापार से संबंधित लंबित वादों के त्वरित निष्पादन हेतु उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिया।कहा कि थाना स्तर पर संचालित ऑर्केस्ट्रा पार्टी की सूची तैयार करें।चाइल्ड एडवाइजरी बोर्ड की समीक्षा के क्रम में उन्होंने कहा कि चाइल्ड लाइन हेल्प नंबर 1098 के प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें।चाइल्ड लाइन कोलैब,चाइल्ड लाइन सब सेंटर के द्वारा बाल व्यापार,बाल दुर्व्यवहार,बाल श्रम,बाल विवाह से भी मुक्त कराए गए बालकों का पुनर्वासन एवं दोषी व्यक्तियों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई करने का उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिया।उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि जिला एवं अनुमंडल स्तर पर कैंप लगाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र आसानी से निर्गत करना सुनिश्चित करें।संबंधित सीडीपीओ को निर्देश देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण अभियान,गोद भराई,गर्भवती महिलाओं की समुचित देखभाल,स्तनपान हेतु महिलाओं को प्रेरित करने , अन्नप्राशन,एनीमिया टेबलेट का वितरण,कुपोषित बच्चों का वेट,हाइट आदि का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से करें।इस अवसर पर संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर बैठक

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। शुक्रवार को डीएम इनायत खान की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर जिला स्तरीय तैयारी से संबंधित बैठक की गई।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में उनके कार्यालय वेश्म में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा माननीय, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए जिला स्तरीय तैयारी से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 31 मई 2022 को माननीय, प्रधानमंत्री द्वारा शिमला से 13 योजनाओं के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य एवं जिला स्तरीय आयोजन को संबोधित किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला स्तर एवं जिले के सभी प्रखंडों में *वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होगा।कार्यक्रम में माननीय ,प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री योजनाओं से संबंधित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण/शहरी), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण/शहरी), प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना,आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, प्रधानमंत्री मुद्रा योजनाओं से संबंधित लगभग 10 लाभार्थियों से वातार्लाप किया जाएगा। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को दस लाभार्थियों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही साथ कार्यक्रम को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त मनोज कुमार, सिविल सर्जन, जिला कृषि पदाधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, प्रभारी पदाधिकारी बैंकिंग, जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने रिलायंस हेल्थ गेन पॉलिसी को लॉन्च किया

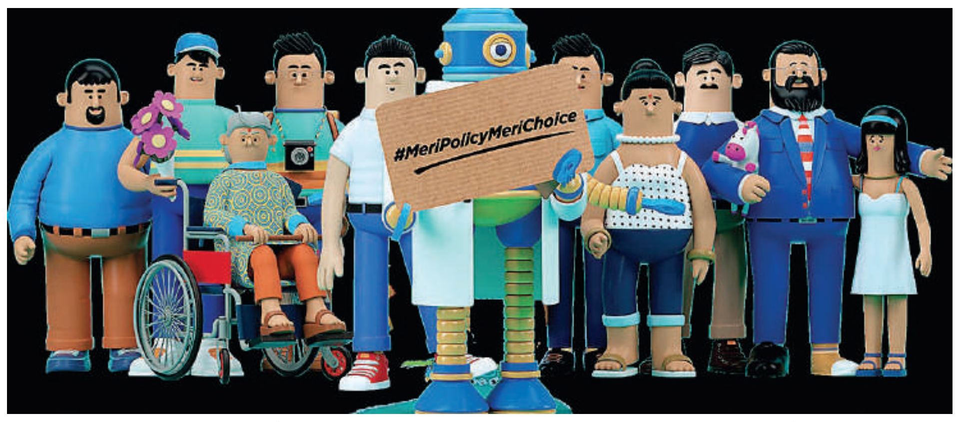

रोहतक। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने सबसे ज्यादा सुविधाजनक और कस्टमाइज करने योग्य हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी - रिलायंस हेल्थ गेन को लॉन्च किया है। यह पॉलिसी ग्राहकों को अपनी जरूरत के अनुसार सुविधाओं का चयन करने और केवल चुनी गई सुविधाओं के लिए भुगतान करके अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी तैयार करने का विकल्प प्रदान करती है। आरजीआईसीएल ने विभिन्न प्रकार की सुविधाओं के साथ-साथ 3 योजनाओं - प्लस, पावर और प्राइम को पेश किया है ताकि, ग्राहक को अपनी जरूरतों के अनुरूप पॉलिसी तैयार करने में सहूलियत मिल सके। रिलायंस जनरल ने आज के जमाने के हर उम्र के ग्राहकों की विशेष और उभरती हुई जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से इस पॉलिसी को लॉन्च किया है। रिलायंस हेल्थ गेन में इस उद्योग जगत की 38 सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं शामिल हैं, जैसे कि दोहरा कवरेज, जिसके तहत एक बार दावा करने पर उपयोग की जाने वाली बीमा राशि की दोगुनी राशि प्रदान की जाती है; संचयी बोनस की गारंटी, जो दावे के बाद संचयी बोनस का नुकसान नहीं होने देता है; या पहले से मौजूद बीमारी के लिए प्रतीक्षा अवधि को 3 वर्ष से घटाकर 2 या 1 वर्ष करने का फायदा। इस तरह के और भी कई फायदों के साथ, इस प्रोडक्ट को आज के जमाने के हेल्थ इंश्योरेंस ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इस लॉन्च से बेहद उत्साहित, श्री राकेश जैन, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, आरजीआईसीएल, ने कहा कि महामारी के बाद लोगों के बीच हेल्थ इंश्योरेंस को अपनाने के विचार में तेजी आई है, तथा लोग उपचार की आधुनिक सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत के बारे में अधिक जागरूक हो गए हैं। लेकिन आज भी ज्यादातर ग्राहकों के लिए सही बीमा कवर चुनना एक बड़ी समस्या है। रिलायंस हेल्थ गेन पॉलिसी के माध्यम से हम ग्राहकों को चुनने का अधिकार देना चाहते हैं, ताकि वे अपनी जरूरत के हिसाब से अपना हेल्थ इंश्योरेंस डिजाइन कर सकें। हमें विश्वास है कि रिलायंस हेल्थ गेन पॉलिसी के विकल्प ग्राहकों को सशक्त बनाएंगे, और उन्हें अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। अपनी पॉलिसी खुद बनाएँ दरअसल भविष्य पर आधारित मॉडल है, क्योंकि इसका उद्देश्य पारदर्शिता और विश्वास को अधिक से अधिक बढ़ाना है।

यशोमती मैया के नंदलाला के कलाकारों ने बृज बोली सीखने के लिए कीं वर्कशॉप्स

चंडीगढ़ :सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का बहुप्रतीक्षित शो यशोमती मैया के नंदलाला दर्शकों को यशोदा और कान्हा (भगवान श्री कृष्ण) के बीच मां-बेटे के प्यारे-से बंधन की एक ताजा कहानी दिखाने जा रहा है।इस शो में काम कर रहे नेहा सरगम, राम यशवर्धन, राहुल शर्मा, हितांशु जिंसी, रोमित राज और अन्य कालाकर अपने-अपने रोल्स को पूरी शिद्दत से निभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।बता दें कि शो की मुख्य बोली बृज भाषा है। इसे सही से बोलने के लिए, यशोदा की भूमिका निभा रहीं नेहा सरगम और नंद महाराज की भूमिका निभा रहे राहुल शर्मा कार्यशालाओं में भाग ले रहे हैं ताकि वे अपनी बोली को बेहतर बना सकें। नेहा और राहुल भले ही पौराणिक शो का हिस्सा रहे हों, लेकिन वे इस भाषा को सही तरीके से सीखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। नेहा सरगम कहती हैं, पौराणिक शो में नियमित शो की तुलना में बहुत ज्यादा मेहनत की आवश्यकता होती है। और हम अपना 100% देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ह्वबृजह्ल एक बहुत ही मधुर भाषा है, और इसमें संस्कृत शब्द सबसे ज्यादा हैं, जिनका प्रयोग हम अपनी रोज की जिंदगी में नहीं करते हैं। इसलिए, जब मैंने शो के लिए ह्वहांह्ल कहा, तो मैंने उच्चारण और संवाद को सही करने के लिए वर्कशॉप्स में भाग लेना शुरू कर दिया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमारे प्रयासों की सराहना करेंगे।राहुल शर्मा की भी यही राय थी, जब उन्होंने कहा कि कम समय में एक नई भाषा सीखना आसान नहीं होता है, लेकिन निश्चित रूप से यह कारगर रहा। राहुल कहते हैं, लोग अक्सर उस प्रयास को कम आंकते हैं, जो किसी शो और एक चरित्र को साकार करने में लगता है। मैं अपने किरदार में विश्वसनीयता लाने और ह्वबृज भाषाह्ल का उच्चारण सुधारने के लिए रोज एक घंटा दे रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमारे शो को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद देंगे। देखिए ह्वयशोमती मैया के नंदलालाह्ल 13 जून से, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर!

वैरिकाज नसों के लिए एक अभिनव उपचार

चंडीगढ़ :जब आप अपनी पैरों की त्वचा की सतह के नीचे या घुटने के पीछे के क्षेत्र में मुड़ी हुई, बढ़ी हुई नसों को देखेंगे तो आप बड़ी आसानी से समझ जाएँगे कि वह क्या है? अतिरिक्त रक्त, धीरे-धीरे नसों को कमजोर कर सकता और नुकसान पहुंचा सकता है जिससे सूजन, गंभीर दर्द और परेशानी हो सकती है। वैरिकाज नसों के कुछ सामान्य लक्षणों में पैरों में भारीपन की भावना के साथ सुस्त दर्द शामिल है; त्वचा की मलिनकिरण; प्रभावित क्षेत्र में चुभने वाला दर्द और कोमलता; बेचैनी, ऐंठन या धड़कते हुए दर्द; और खुजली और त्वचा में जलन शामिल है।आंकड़ों के अनुसार, लगभग 30 से 40% पुरुष और महिलाएं वैरिकाज नसों से पीड़ित हैं और यह घटना दुनिया भर में बढ़ती जा रही है। समय के साथ, ये स्थितियां खराब हो सकती हैं और रक्तस्राव, थक्के और अल्सर जैसी गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकती हैं और इस तरह जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। प्रारंभिक निदान और हस्तक्षेप वैरिकाज नसों को खराब होने से रोकने में मदद कर सकता है।इसी के बारे में बोलते हुए, डॉ अखिल मोंगा, न्यूरो और वैस्कुलर इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट, पारस अस्पताल, पंचकुला ने कहा, ह्लपिछले कुछ दशकों में, रेडियोफ्रीक्वेंसी या लेजर के रूप में थर्मल एब्लेशन सर्जरी का ह्लगो-टूह्व कम आक्रामक विकल्प रहा है।शिरा पृथक्करण एक समस्याग्रस्त नस को बंद करने और इसे खत्म करने के लिए लक्षित गर्मी का उपयोग करता है। लेकिन अब भारत में पहली बार, एडहेसिव थेरेपी नामक एक अभिनव उपचार के साथ अपनी परेशानी वाली वैरिकाज नसों को बंद किया जा सकता है।ह्लएक अनूठा मामला यह है कि एक 37 वर्षीय पुरुष रोगी को द्विपक्षीय निचले अंगों में दर्द और हल्की सूजन के साथ दिखाई देने वाली नसों का इलाज पुराने तरीके से किया जा रहा था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वह सर्जरी, जटिलताओं और ठीक होने में लगने वाले समय को लेकर चिंतित था। उन्हें मिनिमली इनवेसिव एडहेसिव आधारित क्लोजर सिस्टम के बारे में बताया गया जिसे लोकल एनेस्थीसिया के तहत किया जा सकता है। उन्होंने एक ही दिन दोनों पैरों का इलाज कराया और 2 दिनों के भीतर काम पर वापस जा सकते थे। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि ऐसी प्रक्रिया

पिनहोल के जरिए की गई है। डॉ मोंगा ने कहा कि ह्लमेरी राय में, चिपकने वाली चिकित्सा आशाजनक है और पारंपरिक लेजर या आरएफए उपचारों पर इसके कई फायदे हैं। रोगी को 2-3 मिमी की केवल एक छोटी सी चुभन होती है। रोगी तुरंत ओटी से बाहर निकल सकते हैं और काम पर वापस जा सकते हैं।प्रक्रिया के बाद स्टॉकिंग्स की कोई आवश्यकता नहीं है और लंबी अवधि की सफलता दर लगभग 98-99% है।पहले निदान और हस्तक्षेप वैरिकाज नसों को खराब होने से रोकने में मदद कर सकता है। निवारक युक्तियों में निम्नशामिल हैं :-स्वस्थ वजन बनाए रखें और नियमित शारीरिक गतिविधि करें,यदि आपके काम में लंबे समय तक खड़े रहना या बैठना शामिल है, तो सुनिश्चित करें कि आप अपने पैरों में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने के लिए नियमित अंतराल पर नियमित रूप से टहलें।तंग कपड़ों से बचना चाहिए क्योंकि यह रक्त के प्रवाह को प्रतिबंधित कर सकता है। कम नमक, फाइबर युक्त आहार खाना मददगार हो सकता है।

सोने में निवेश के लिए फोनपे ने लॉन्च की यूपीआई के जरिए एसआईपी की सुविधा

चंडीगढ़ : फोनपे , भारत की मुख्य डिजिटल पेमेंट कंपनी ने आज यूपीआई एसआईपी के जरिए सोने में निवेश की सुविधा लॉन्च की है। यूजर्स अब हर महीने कुछ पैसा डालकर 24के शुद्ध सोने में निवेश कर सकते हैं। यूजर्स इस सोने को इंश्योरेंस किए गए बैंक के लॉकर में रख सकते हैं। इन लॉकर्स को फोनपे के पार्टनर एमएमटीसी-पीएएमपी और सेफ गोल्ड प्रबंधित कर रहे हैं।फोनपे पर एसआईपी के जरिए सोना खरीदने की सबसे खास बात है यह है कि पेमेंट यूपीआई से की जा सकती है। यूजर को बस गोल्ड प्रोवाइडर को चुनना है, हर महीने निवेश के लिए रकम तय करनी है, यूपीआई पिन का प्रमाणीकरण करना है और बस हो गया! सोने की एसआईपी सेट करना सिर्फ.एक बार का काम है, इसमें कोई झंझट भी नहीं है और एक बार सेट करने के बाद पेमेंट अपने-आप होती है। यूजर्स का अपने सोने के निवेश पर पूरा कंट्रोल होगा और वे जब चाहें, अपना सोना बेच सकते हैं। सोना बेचने के बाद पैसे सीधे उनके बैंक अकाउंट में आ जाएंगे। यूजर्स अगर चाहें, तो उनके पास सोने के सिक्के और

बार के रूप में अपना सोना लेने का विकल्प है। यूजर्स का सोना उनके घर पर डिलीवर किया जाएगा।फोनपे पर यूपीआई एसआईपी के जरिए सोने में निवेश करने के ये फायदे हैं:-हर महीने सिर्फ.100 रुपये देकर खरीदें 24के सोनाः सोने में एसआईपी के जरिए, यूजर्स हर महीने सिर्फ.100 रुपये से 24के शुद्ध सोने में निवेश की शुरूआत कर सकते हैं और हर महीने छोटी-छोटी रकम देकर सोने में निवेश को जारी रख सकते हैं।लॉन्च के मौके पर, टेरेंस लूसियन, निवेश प्रमुख, फोनपे ने कहा, फोनपे में हमारा मानना है कि हम ऐसे प्रोडक्ट बनाएं और ऐसी सुविधाएं दें जिससे 38 करोड़ लोगों की निवेश की जरूरतों को पूरा किया जा सके। भारतीय लोग सोने खरीदने के स्मार्ट तरीके ढूंढ रहे हैं और ऐसे में हमें खुशी है कि हम अपने यूजर्स को यूपीआई के जरिए सोने में एसआईपी सेट अप करने की सुविधा दे रहे हैं। फोनपे की सोने में एसआईपी की सुविधा की मदद से, यूजर्स छोटी-छोटी रकम हर महीने निवेश करके, 24के का बिल्कुल शुद्ध सोना खरीद सकते हैं। ऐसा करने से, यूजर्स बिना किसी झंझट के लंबी अवधि के लिए सोने में निवेश कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीएमडब्ल्यू ने इलेक्ट्रिफाईंग बीएमडब्ल्यू आई4 को लाँच किया

चंडीगढ़ : फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई4 को आज भारत में लाँच किया गया है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप भारत में इलेक्ट्रिक कार्स की सर्वाधिक व्यापक पोर्टफोलियो की पेशकश करने वाली पहली कार निमार्ता है। इलेक्ट्रिफाईंग : बीएमडब्ल्यू आई4, बीएमडब्ल्यू की पहली इलेक्ट्रिक मॉडल है जो पूरी तरह ड्राइविंग डाइनैमिक्स पर केन्द्रित है। यह अल्टीमेट इलेक्ट्रिक ड्राइविंग मशीन है जो नेक्स्टजेन जॉय, बीएमडब्ल्यू ऐटिट्युड की भावना का प्रतिनिधित्व करती है। बीएमडब्ल्यू आई4 में स्पोर्टिंग कौशल का एक ऐसे रेंज के साथ संयोजन है जो आराम,भरपूर जगह और व्यावहारिकता के साथ लम्बे सफर के लिए भी माकूल है। बीएमडब्ल्यू आई4 को शॉप डॉट बीएमडब्ल्यू डॉट इन पर ऑनलाइन बुक किया जा सकता है। डिलिवरी जुलाई 2022की शुरूआत से आरंभ होगी। श्री विक्रम पावाह, प्रेसीडेंट, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, बीएमडब्ल्यू आई4 के लाँन्च के साथ मैं देश में प्रथम इलेक्ट्रिक मिड-साइज सिडान को पेश करते हुए उत्साहित हूँ। बीएमडब्ल्यू आई4 संवहनीयता के अभूतपूर्व अनुभव के साथ बड़ी सहजतापूर्वक ड्राइविंग के आनंद का संयोजन करता है। बीएमडब्ल्यू ई ड्राइव टेक्नोलॉजी, हाई-वोल्टेज लिथिअम-आयन बैटरी, रीयर व्हील ड्राइव और ऐडवांस्ड सस्पेन्शन काइनेमेटिक्स के अद्वितीय संयोजन की बदौलत बीएमडब्ल्यू आई4 असाधारण स्पोर्टी अहसास प्रदान करती है। यह भारत की सबसे लम्बी रेंज का इलेक्ट्रिक वाहन है। श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ परिवेश, जगह, और रीयर ऐक्सल सस्पेन्शन के साथ परम लग्जरी ज्यादा लम्बे सफर के लिए भी अधिकतम आराम सुनिश्चित करती है। डाइनैमिक, आरामदेह और समान अनुपात में शक्तिशाली बीएमडब्ल्यू आई4 हर दिन हर समय अपेक्षाओं से बढ़ कर असली इलेक्ट्रिफाईंग अनुभव प्रदान करती है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप के पास आज भारतीय ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रि कार्स का सबसे व्यापक और विविधत पोर्टफोलियो है।

अरविंद भारद्वाज इंडो-कनाडा चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रधान नियुक्त

चंडीगढ़ : अरविंद भारद्वाज को इंडो-कनाडा चेंबर ऑफ कॉमर्स का 35वां प्रधान नियुक्त किया गया है। भाविक पारिख को इसका कारपोरेट सचिव बनाया गया है। यह नियुक्तियां हाल ही में चेंबर के बोर्ड की एक बैठक के दौरान की गई।अरविंद भारद्वाज गो ब्रांड कम्युनिकेशंस के सीईओ हैं। वह इंडो-कनाडा चेंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व उपाध्यक्ष और डायरेक्टर हैं। अरविंद का एक सेल्स और मार्केटिंग प्रोफेशनल के रूप में मीडिया और रिटेल सेल्स में बीते दो दशकों के दौरान एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। वह मानव संसाधन, काबिल टीम के गठन और मीडिया सेल्ज व रिटेल सेल्ज में प्रशिक्षण देने और ऑपरेशन में माहिर हैं।जबकि भावित पारिख एक इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजिस्ट, डाटा आर्किटेक्ट और रिसर्चर हैं जिन्होंने कई फॉर्चून 500 कंपनियों के साथ काम किया है और बी2सी,बी2बी और बी 2जी सुविधाएं दी हैं। वह कनाडा अमेरिका और भारत में कई गैर-लाभकारी बोर्डों में सेवा निभा रहे हैं। उन्होंने मानव संसाधन, वित्त, स्पेस, हेल्थ, फार्मास्यूटिकल और एजुकेशन सहित कई बिजनेसों में काम किया है।इंडो कनाडा चेंबर ऑफ कॉमर्स 40 साल पुरानी (1970 में स्थापित) टोरंटो

आधारित द्विपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहित करने वाली संस्था है, जो कनाडा और भारत के मध्य आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देती है और कनाडा के छोटे बिजनेसमैनों के लिए बिजनेस के अवसर पैदा करती है।यह एक गैर-लाभकारी, निष्पक्ष संस्था है। इसके कार्यक्रम और नीतियां व्यक्तिगत प्रयासों को बढ़ावा देने सहित सदस्यों को कनाडा के आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में अहम योगदान डालने के लिए उत्साहित करते हैं।

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने हाइपरटेंशन जागरूकता माह का आयोजन किया

चंडीगढ़ः इनोवेशन पर लगातार ध्यान देने वाली वैश्विक दवा कंपनी, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (ग्लेनमार्क), ने मई महीने को हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) जागरूकता माह के रूप में मनाया। ग्लेनमार्क ने देश भर के 50 शहरों में 8000 से अधिक अस्पतालों और

क्लीनिकों के 18,000 से अधिक हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स (एचसीपी) के साथ साझेदारी की, और 110 से अधिक जन जागरूकता रैलियों और 8000 स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया, ताकि हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा की जा सके। रैलियों में उच्च रक्तचाप से बचाव के उपायों पर एक विस्तृत सत्र आयोजित किया गया, जिसमें एक एचसीपी ने संकेतों एवं लक्षणों के बारे में भी बताया। इस दौरान आम जनता के लिए स्क्रीनिंग कैंप लगाए गए। इस पूरी गतिविधि की चिकित्सा बिरादरी और जनता द्वारा व्यापक रूप से सराहना की गई। इस पहल के जरिये कंपनी ने 2 लाख से अधिक वयस्कों के बीच जागरूकता फैलाने का काम किया।कार्यक्रम के बारे में बताते हुए, श्री आलोक मलिक, ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड, इंडिया फॉर्म्युलेशन, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने कहा कि ह्लमहीने भर चली यह पहल देश में इस साइलेंट किलर बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने का हमारा प्रयास है और इस बीमारी संबंधी चेतावनी के संकेत या लक्षण या तो बहुत कम दिखते हैं या कोई संकेत या लक्षण नहीं दिखते हैं। इंडिया काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च द्वारा अभी हाल में किए सर्वेक्षण के अनुसार, हर तीन भारतीय वयस्कों में से एक व्यस्क व्यक्ति हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप से ग्रस्त है।हाइपरटेंशन प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाते हुए, ग्लेनमार्क हर साल लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले इस रोग के खिलाफ देश में जारी लड़ाई में हर संभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।ह्व हाइपरटेंशन श्रेणी में अग्रणी होने के नाते, एक पथ-प्रदर्शक उच्च रक्तचाप रोधी दवा, टेल्माइ, के साथ, ग्लेनमार्क भारतीय आबादी के बीच इस बीमारी के बारे में जागरूकता और निदान बढ़ाने में अग्रणी रहा है। कुछ समय पहले, कंपनी ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय वयस्कों की उच्च रक्तचाप जागरूकता और स्क्रीनिंग के लिए #TakeChargeAt18 अभियान शुरू किया था। कंपनी अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म www.bpincontrol.in सहित कई चैनलों के जरिये पहले ही 1.2 मिलियन से अधिक भारतीय वयस्कों तक पहुंच चुकी है। 2020 में, ग्लेनमार्क ने एचएसआई (हाइपरटेंशन सोसाइटी ऑफ इंडिया) और एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) के सहयोग से दुनिया का पहला उच्च रक्तचाप जागरूकता प्रतीक - 'द बीपी लोगो' लॉन्च किया।

गुल खान की आगामी रोमांटिक थ्रिलर, 'आशिकाना' 6 जून से डिज्नी+ हॉटस्टार पर हो रही रिलीज

चंडीगढ़ : क्या मर्डर के मौसम में खिल सकता है प्यार? डिज्नी+ हॉटस्टार की आने वाली हॉटस्टार स्पेशल्स थ्रिलर-रोमांस ह्वआशिकानाह्ल दर्शकों के सामने एक ताजा-नया शो लेकर आया है जो इस कहानी को एक मर्डर के अनोखे परिदृश्य में दिखाती है। मुंबई पर आधारित यह शो दो लोगों के इर्द-गिर्द घूमता है जिनकी जिंदगी एक कातिल के आसपास से गुजरती है। इस सीरीज का निर्देशन और निर्माण गुल खान द्वारा किया गया है, यह शो दिखाता है कि जब जीवन में धमकियां तथा विरोधी भरे पड़े हों, प्रेम अपने पूर्ण रूप में किस प्रकार निखर कर सामने आता है। जेन के स्टूडियोज के बैनर तले निर्मित यह शो डिज्नी+ हॉटस्टार पर 6 जून 2022 से उपलब्ध होगा, डिज्नी+ हॉटस्टार पर रोजाना नए एपिसोड देखें।यह शो दर्शकों को दो परिवारों - चौहान और शर्मा से मिलवाता है, दोनों ही अपने घर के एक प्रिय सदस्य की असामयिक मृत्यु से प्रभावित हुए हैं। घर के एक सदस्य की मृत्यु होने के कारण, नायक यश और चिक्की परेशान रहते हैं और यह उनके वर्तमान को प्रभावित करता है। यश की भूमिका जैन इबाद खान ने निभाई है तथा चिक्की की भूमिका खुशी दुबे ने निभाई है। इस शो में कुछ शानदार कलाकार शामिल हैं जैसे कि गीता त्यागी, विपुल देशपांडे, गीता बिष्ट, अंशुल सिंह, अंशु श्रीवास्तव, इंद्रजीत मोदी, मनोहर तेली, हर्षिता शुक्ला आदि। स्नेहा चौहान, पलाश प्रजापति, पंकज सिंह, मैरा डी मेहरा, रति पांडे और सिद्धांत कार्निक भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।निमार्ता और श्रृंखला के निदेशक गुल खान ने कहा, जब आप रोमांस और थ्रिलर के बारे में सोचते हैं, तो दो शैलियों का शायद ही कभी विलय होता है, लेकिन हॉटस्टार स्पेशल ह्वआशिकानाह्ल के साथ, हम बस यही करने के लिए तैयार हैं। यहां दर्शकों को एक असामान्य रोमांस का आनंद मिलेगा जो मर्डर की पृष्ठभूमि में दो टूटे दिलों के बीच खिलता है। किस्मत उन्हें मिलाती है, लेकिन मर्डर उनके साथ खेल खेलता है। यह शो पहले प्रस्तुत किए गए किसी भी शो से अलग है और मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि दर्शक इसके लिए कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। इस अनूठी कहानी को सबके सामने लाना मेरी टीम और मेरे लिए एक कठिन काम रहा है, और डिज्नी+ हॉटस्टार के हमारे साथ आने के लिए मैं उनकी आभारी हूं।

डेन्यूब प्रॉपर्टीज ने अल फुरजान में एक अल्ट्रा लक्जरियस रेजिडेंशियल माइलस्टोन 'जेम्ज' का अनावरण किया

बॉलीवुड सुपरस्टार संजय दत्त को डेन्यूब ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर के रूप में घोषित किया

चंडीगढ़ : यूएई स्थित डेन्यूब प्रॉपर्टीज जो लोगों को किफायती संपत्ति प्रदान करने में यूएई की सबसे शानदार निजी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है, ने आज ह्वजेम्जह्ल लांच किया जोकि पिरामिड के आश्चर्यजनक आर्किटेक्चर वाली 350 मिलीयन दिरहम की एक शानदार आवासीय परियोजना है। डेन्यूब प्रॉपर्टीज की ह्वजेम्जह्ल परियोजना विशाल घर तथा फ्लोर प्लान की पेशकश करती है। इसकी शानदार फ्लोर प्लान कन्वर्टिबल लेआउट के साथ आती है अर्थात आप 1बीएचके घर को 2बीएचके और 2बीएचके घर को 3बीएचके में आसानी से बदल सकते हैं। सुपर एक्सक्लूसिव प्रोजेक्ट ह्वजेम्जह्ल के 270 शानदार डिजाइन किए गए अपार्टमेंट में 30 लक्जरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस परियोजना की सबसे खास बात यह है कि ये डेन्यूब प्रॉपर्टीज के बेहतरीन 1 प्रतिशत मासिक भुगतान योजना के साथ आती है जो इसे 550,000 दिरहम से शुरू होने वाली कीमतों के साथ सबसे अच्छा किफायती लक्जरी सौदा बनाता है।डेन्यूब द्वारा बनाई जा रही जेम्ज परियोजना को अल फुरजान में विकसित किया जाएगा, जो शेख जायद रोड और मोहम्मद बिन जायद रोड के बीच स्थित एक बेहद शानदार आवासीय परिसर योजना है। यह परियोजना ह्व1 प्रतिशत भुगतान योजनाह्ल के साथ आती है जो मध्यम आय वाले किरायेदारों और मकान मालिकों को बिना किसी वित्तीय कठिनाई के अपने पसंदीदा घरों में रहने का सपना आसानी से पूरा करती है। घर खरीदने वालों के लिए इस सौदे को और भी अधिक

आकर्षक बनाते हुए, डेन्यूब प्रॉपर्टीज ने आज खरीदारों के लिए एक अनूठा प्रस्ताव की घोषणा कीः ह्लघर को पहले दिन बुक करें, यानी 28 मई को बुक करें और फुली फर्निश्ड अपार्टमेंट (पूरी तरह से सुसज्जित अपार्टमेंट) मुफ्त में प्राप्त करेंह्वइसके लॉन्च इवेंट में बॉलीवुड स्टार ह्वसंजय दत्तह्ल जोकि डेन्यूब प्रॉपर्टीज के नए ब्रांड एंबेसडर हैं, एक फुल पैक्ड प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। डेन्यूब समूह के संस्थापक और अध्यक्ष श्री रिजवान साजन ने कहा, उनकी कंपनी सितंबर 2022 से संबंधित मानदंडों को पूरा करने वाले निवेशकों के लिए लंबी अवधि के निवास और गोल्डन वीजा के लिए प्रोसेसिंग शुरू करेगी। जब इस प्रक्रिया की शुरूआत होगी तो इन मानदंडों में 2 मिलियन दिरहम, 5 मिलियन दिरहम और 10 मिलियन दिरहम की सीलिंग होगी। श्री रिजवान साजन ने खचाखच भरे प्रेस कांफ्रेंस में कहा, दुबई के रियल स्टेट बाजार पर लोगों को गहरा विश्वास है, जहां घरेलू उपयोगकताओं के साथ-साथ भारतीय भी एक दूसरा घर खरीदना चाहते हैं। वीजा और रेजिडेंसी नियमों में नवीनतम सुधार होने से अब निवेशकों और खरीदारों के लिए रेजिडेंस वीजा प्राप्त करना आसान बन गया है और हम बड़ी संख्या में खरीदारों को देख रहे हैं जो उपयुक्त संपत्ति खरीदना चाहते हैं। लोगों में इस सकारात्मक सोच को देखते हुए, हम अपने प्रोजेक्ट ह्वजेम्जह्ल को लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं, जो न केवल विश्व स्तरीय सुविधाओं की पेशकश करता है बल्कि एक शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। यह परियोजना ऐसे नागरिकों को आकर्षित कर रही है जो शहर की हलचल से दूर अपने परिवार का पालन पोषण करना चाहते हैं, जिसके लिए हमारी यह परियोजना एक बिल्कुल सही रणनीतिक स्थान पर है। यह काफी उत्साहजनक है कि समय पर डिलीवरी के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता के कारण हमें अपनी परियोजनाओं के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। निर्माण सामग्री में हमारे मजबूत फाइनेंस के समर्थन से, हमारी मौजूदा परियोजनाओं की सभी साइटें प्रगति पर हैं और हर रोज पूरा होने के करीब जा रही हैं। हमारा लक्ष्य अपने वादे को पूरा करना है और जब आपके हाथ में अपने सपनों के घर की चाबी हो, तो हम आपके चेहरे पर मुस्कान देखना चाहते हैं।ह्व

एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर सुपर-2 में जगह बनायी

मैन ऑफ द मैच : पवन राजभर

जकार्ता, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां खेले जा रहे एशिया कप हॉकी के अपने आखिरी पूल ए मुकाबले में इंडोनेशिया को 16-0 से हराकर सुपर-2 में प्रवेश किया है। वहीं इसी के साथ ही पाकिस्तान की टीम बाहर हो गयी। भारत ओर पाक दोनो के ही समान अंक थे पर भारतीय टीम ने अंतिम मैच में अधिक गोल किये थे इस कारण बेहतर गोल अंतर (1) के कारण उसे नॉक आउट में प्रवेश मिला। भारत के साथ एशिया कप सुपर-4 में जापान, साऊथ कोरिया और मलेशिया की टीम भी पहुंच गई है। वहीं इस हार के साथ ही पाक टीम विश्व कप 2023 से भी बाहर हो गयी है।

भारतीय टीम ने एशिया कप में अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ खेला था जो बराबरी पर रहा था। इस मुकाबले में पाक टीम ने अंतिम मिनट में गोल कर मुकाबला ड्रॉ पर रोक दिया था। इसके बाद दूसरे मैच में भारत को जापान के हाथों 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इसके बाद जापान ने पाक को 3-2 से हरा दिया, ऐसे में भारतीय टीम ने अंतिम लीग मुकाबले में बड़े अंतर के साथ जीत दर्ज कर नाकआउट में जगह बनायी। पूल-ए में भारत और पाकिस्तान दोनों के चार-चार अंक रहे और दोनों जापान से पीछे रहे।

भारत की ओर से दिग्गज दिपसान टिर्की ने सबसे ज्यादा पांच गोल दागे। दिपसान ने (42, 47, 59, 59) मिनट में ये गोल किय जबकि युवा सुदेव बेलिमागा ने (45, 46, 55) मिनट में तीन गोल कर जीत में अहम भूमिका निभाई। इन दोनों के अलावा अनुभवी एसवी सुनील ने(19, 24), पवन राजभर ने 10, 11 और कार्ति सेलवम ने (40, 56) मिनट में दो-दो गोल किए जबकि उत्तम सिंह ने (14), और नीलम संदीप सेस ने 20 वें मिनट में एक-एक गोल दागा। दौरे पर ह्यबीह्व टीम के साथ पहुंचे भारत के लिए नॉकआउट राउंड में पहुंचने के लिए जरुरी था कि वह इंडोनेशिया को कम से कम 15 गोल के अंतर से हराए। युवा भारतीय टीम ने शुरूआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। परिणाम हुआ कि हाफ टाइम तक भारतीय टीम 6-0 से आगे थी। गत चैंपियन टीम ने दूसरे हाफ में बढ़े मनोबल के साथ शुरूआत की और तीसरे क्वॉर्टर में चार और गोल कर इसे 10-0 कर दिया। चौथे क्वॉर्टर में भारतीय खिलाड़ियों की तेजी देखते ही बनी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में हो रही राजनीति : लैंगर

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने देश के क्रिकेट बोर्ड (सीए) के साथ ही उसके अंतरिम प्रमुख रिचर्ड फ्रेउडेनस्टेन पर निशाना साधा है। लैंगर ने कहा कि सीए में जमकर राजनीति हो रही है। लैंगर ने इसी साल कोच पद छोड़ दिया था। लैंगर के कोच रहते ही टीम ने पहले बार टी20 विश्व कप जीता था। इसके अलावा टीम ने एशेज श्रृंखला में भी शानदार जीत दर्ज की थी। इसके बाद उनका कोच पद का कार्यकाल बढ़ाये जाने की उम्मीद बन रही थी। पूर्व खिलाड़ियों मार्क वॉ, एडम गिलक्रिस्ट, रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन और दिवंगत शेन वॉर्न सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने लैंगर के साथ किए गए व्यवहार की आलोचना की है।

लैंगर ने एक कार्यक्रम में कहा, ह्यसबसे पहले रिचर्ड ने मुझसे कहा कि तुम्हें यह अच्छा लग रहा होगा कि तुम्हारे सभी साथियों का समर्थन तुम्हें मिला है।ह्व तब मैंने कहा कि यह बात बिलकुल सही है क्योंकि ये सभी लोग बड़े खिलाड़ी रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि क्रिस सिल्वरवुड के इंग्लैंड का कोच बनने के बाद उन्होंने इस बारे में किसी से कोई बात नहीं की है।

संक्षिप्त समाचार

आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्तिक को लगी फटकार

अहमदाबाद, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को आईपीएल की आचार संहिता उल्लंघन करना भारी पड़ा है। उन्हें इस मामले में कड़ी फटकार लगायी गयी है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले के दौरान कार्तिक पर आचारसंहिता का उल्लंघन का आरोप है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार कार्तिक ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। साथ ही कहा, ह्यकार्तिक ने आईपीएल आचार संहिता के नियम 2.3 के तहत लेवल एक का अपराध किया था जिससे लिए उन्हें दी गयी सजा स्वीकार को स्वीकार किया है, इसलिए इस मामले में आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है। गौरतलब है कि आचार संहिता के तहत लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला ही अंतिम होता है।ह्व कार्तिक का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा रहा है और उन्होंने अपनी टीम की ओर से अब तक अहम भूमिका निभाई है।

अफगानिस्तान के गेंदबाजी कोच बने गुल

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल अब अफगानिस्तान के गेंदबाजी कोच बने हैं। गुल का अनुबंध एक साल का है और वह अगले माह जून में होने वाले जिम्बाब्वे दौरे पर पहली बार टीम के साथ होंगे। 4 जून से 14 जून के बीच होने वाले इस दौरे में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय खेले जाएंगे। इससे पहले गुल पाक सुपर लीग (पीएसएल) में क़्वेटा ग्लैडिएटर्स के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इससे पहले यूएई में अप्रैल में होने वाले अभ्यास कैंप के लिए गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया था। वहीं अब उन्हें कोच बनाया गया है। एसीबी ने अपने एक बयान जारी करते हुए कहा कि अभ्यास कैंप में गुल ने प्रभावी कार्य किए और हमें अभी गेंदबाजी कोच की जरुरत भी है। इसलिए हमने फैसला लिया है कि हम स्थायी अनुबंध देकर उन्हें गेंदबाजी कोच बनाएंगे। गुल ने गुल ने अक्तूबर 2020 में सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास लिया था। इस खिलाड़ी ने अपने करियर के दौरान 47 टेस्ट मैचों में (163 विकेट), 130 एकदिवसीय मैचों में (179 विकेट) जबकि 60 टी20 अंतररष्ट्रीय में (85 विकेट) लिए हैं।

बोपन्ना और मिडलकूप फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंच

पेरिस, एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार नीदरलैंड के माटवे मिडलकूप जीत के साथ ही फ्रेंच ओपन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। बोपन्ना और मिडलकूप ने कजाकस्तान के आंद्रे गोलुबेव और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 के हराया। इससे पहले बोपन्ना और मिडलकूप ने ग्येमार्ड वेयनबर्ग और लुका वैन स्चे को पहले दौर में तकरीबन एक घंटे तक चले मुकाबले में 6-4, 6-1 के हराया था।

उमरान फिट रहे तो लंबे समय तक खेलेंगे : गांगुली

मुम्बई, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए तेज गेंदबाजी उमरान मलिक ने अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए भी टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा है कि है। इस खिलाड़ी का भविष्य उसके हाथ में है। अगर वह फिट रहता है और इसी गति से गेंदबाजी करता है तो मुझे भरोसा है कि वह लंबे समय तक खेलेगा। गांगुली ने उमरान के अलावा मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक सनराइजर्स के बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सहित अन्य युवा खिलाड़ियों की भी जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल से युवा प्रतिभाओं को एक मंच मिला है। जिससे कई खिलाड़ी सामने आ रहे हैं।

माराडोना के सम्मान में दिखेगा उड़ता हुआ संग्रहालय

ब्यूनर्स आयर्स, एजेंसी। अर्जेन्टीना के महान फुटबॉलर और डिएगो माराडोना के सम्मान में अब आसमान में एक उड़ता हुआ संग्रहालय दिखेगा। यह संग्रहायलय ह्यटेंगो डी10एसह्व विमान में बनाया गया है। यह देश में अलग-अलग जगहों पर जाएगा और माराडोना के प्रशंसकों को खेल देखने मैदान पर आने के लिए प्रेरित और उत्साहित करेगा।

इस विमान के बाहरी हिस्से में माराडोना की तस्वीरें लगाई गई। इसमें साल 1986 की वह तस्वीर भी है जिसमें माराडोना अर्जेन्टीना की जर्सी पहने हुए और विश्व कप ट्रॉफी को लिए हुए हैं। यह विमान बासीलोना और नेपल्स भी जाएगा जहां माराडोना की कप्तानी में नेपोली ने 1987 और 1990 में इटली के के दोनो ही लीग खिताब जीते थे।

यह विमान इसके बाद कतर जाएगा जहां विश्व कप होना है। इसमें 1986 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ माराडोना के दो गोल की तस्वीर भी है जिसमें विवादास्पद ह्यहैंड आफ गॉडह्व गोल भी शामिल है। विमान के अंदर माराडोना से जुड़ी चीजें रखी गई हैं। गौरतलब है कि माराडोना का 2020 में 60 साल की उम्र में मस्तिष्क की सर्जरी के बाद दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

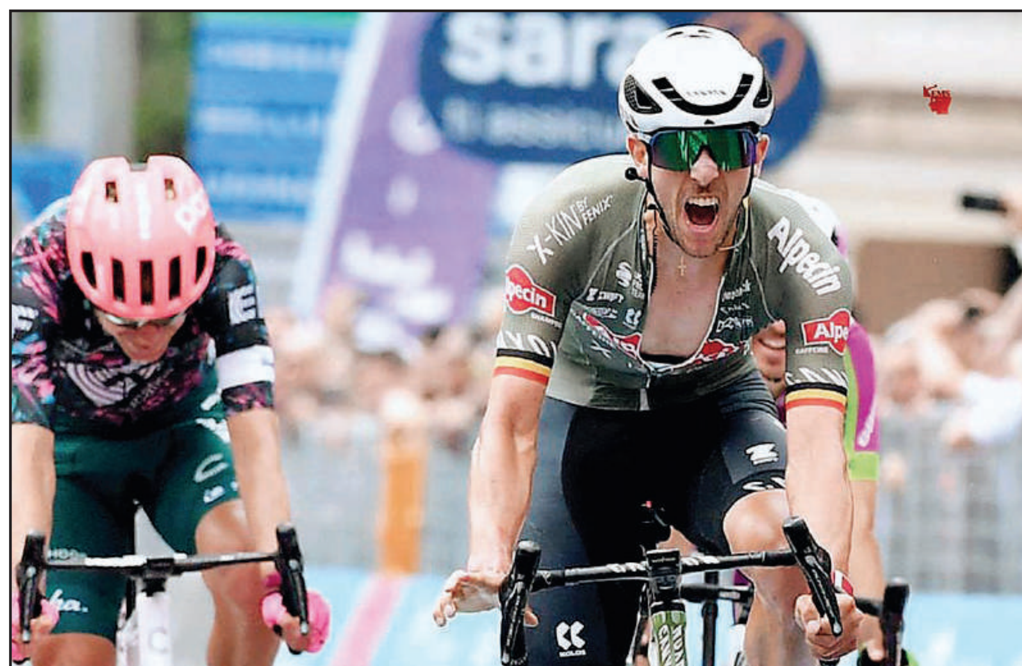

इटली में जियरो डि इटालिया साइकिल रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

साहा बंगाल की ओर से रणजी ट्राफी नॉकआउट मुकाबला नहीं खेलेंगे : कैब

व्हाट्सऐप ग्रुप भी छोड़ा

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने बंगाल टीम की ओर से रणजी ट्रॉफी नॉक आउट मुकाबला खेलने से इंकार कर दिया है। इसी के साथ ही साहा का बंगाल क्रिकेट टीम के साथ घरेलू सफर समाप्त हो गया है। साहा ने साल 2007 में बंगाल के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। बंगाल को 6 जून को झारखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलना है पर अब इसमें टीम को साहा के बिना ही उतरना होगा। साहा अभी आईपीएल में गुजरात टाइंटस की ओर से खेल रहे हैं।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने अपने एक बयान में कहा, सीएबी चाहता था कि कि साहा रणजी ट्रॉफी के नॉक आउट मुकाबले में खेलें और टीम को खिताबी जीत दिलायें पर उन्होंने इंकार कर दिया जबकि साहा को टीम के साथ रहना चाहिए था। मैंने स्वयं साहा से बात कर उन्हें अपने फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा थ पर इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि वह नॉक आउट मुकाबला नहीं खेलना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने राज्य क्रिकेट संघ से इंटर-स्टेट एनओसी के लिए अनुराध किया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, साहा बंगाल क्रिकेट टीम के व्हाट्सऐप ग्रुप से भी बाहर हो गये हैं। माना जा रहा है कि यह पूरा विवाद श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट की घरेलू सीरीज से साहा को बाहर किए जाने के साथ ही हुआ। टीम इंडिया से बाहर होने के बाद साहा ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप स्तर के मुकाबलों से भी अपना नाम वापस ले लिया था हालांकि तब उन्होंने इसके पीछे निजी कारण बताये थे। इसके बाद सीएबी के संयुक्त सचिव देवब्रत दास ने टीम के प्रति साहा की प्रतिबद्धता और समर्पण पर सवाल खड़े किए थे।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को दस विकेट से हराया

ढाका, एजेंसी। श्रीलंका ने बांग्लादेश को दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन शुक्रवार को 10 विकेट से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीत ली है। श्रीलंका की जीत में तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो की अहम भूमिका रही। फर्नांडो ने केवल 51 रन देखकर छह विकेट लिए। इस तेज गेंदबाज ने मैच में 144 रन देकर कुल 10 विकेट लिए। मेजबान बांग्लादेश की ओर से सुबह के सत्र में लिटन दास और शाकिब अल हसन ने 97 रन की साझेदारी कर अपनी टीम को बचाने का प्रयास किया पर वे सफल नहीं हुए।

फर्नांडो ने अपनी गेंद पर शानदार रिटर्न कैच लेकर लिटन को पेवेलियन भेजा। लिटन ने 52 रन बनाए। वहीं शाकिब 72 गेंदों में 58 रन बनाकर जल्दी आउट हुए। बांग्लादेश ने आखिरी तीन विकेट बिना कोई रन बनाकर खो दिये। बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 169 रनों पर ही आउट हो गयी। पहले पारी के आधार पर मिली बढ़त को देखते हुए श्रीलंका को जीत के लिए केवल 29 रन बनाने थे जो उसने बिना कोई विकेट खोए हासिल कर लिए। आसादे फर्नांडिज 21 जबकि दिमुथ करुणारत्ने 7 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले बांग्लादेश ने पहली पारी में 365 और दूसरी पारी में 169 रन बनाये थे जबकि श्रीलंका ने पहली पारी में 506 रन बनाये थे।

राहुल कप्तानी के लिए सही नहीं : मांजरेकर

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि लोकेश राहुल कप्तानी के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि आईपीएल में जिस प्रकार राहुल ने एक ही गलती दोहरायी है उससे यह साबित होता है। जिम्मेदारी निभाने के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों ने लंबे समय तक आईपीएल में मुख्य बल्लेबाज और कप्तान की जिम्मेदारी एक साथ निभाई है पर राहुल इसमें खरे नहीं उतरें। इससे जाहिर है कि वह इस भूमिका में फिट नहीं हैं।

मांजरेकर ने कहा कि एक कोच के रूप में मैं राहुल से बस यह कहना चाहूंगा कि वह अपने दिमाग से निकाल दें कि वह टीम को मैच जिताने जा रहे हैं। आप बस मैदान में जाइए और अपने खेल का आनंद लिजिए। आपको पहले दिन से ही उनके खेल में फर्क दिखने लगेगा। ऐसा आप उनके आंकड़ों से भी समझ सकते हैं।

एलीमिनेटर मुकाबले में आरसीबी के खिलाफ खेली राहुल की पारी पर मांजरेकर ने कहा कि उनकी टीम को तब फायदा होता जब राहुल लंबा खेलने की बजाय तेज खेलने की सोचते। साथ ही कहा कि इससे पहले जब राहुल पंजाब किंग्स के कप्तान थे, तब भी उनके साथ ऐसा हो रहा था। वह बड़ी पारियां खेलते तो थे पर उनकी टीम लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहती थी। राहुल इस साल दूसरी टीम के कप्तान बन गये पर उनका रवैया वही है। उन्हें खेल के प्रति अपना रुख बदलना होगा।

बांग्लादेश टीम को असफलता का डर निकालना होगा : शाकिब

ढाका, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कहा है कि हमारी टीम की मानसिकता ठीक नहीं है। हमें उसमें बदलाव लाना होगा। शाकिब के अनुसार हम विफलता से डरने लगे हैं। इसके लिए हमें मानसिकता में सुधार लाना ही होगा। मुझे लगता है हम असफलता से डरने लगे हैं।ह्व। शाकिब ने कहा, ह्यहमारी टीम की फिटनेस बहुत अच्छी है। हम काफी समय मैदान पर बिताने के आदी हैं। हमने इस सीरीज में 400 (408) ओवरों की फील्डिंग की है। लिटन ने 400 ओवर कीपिंग की और 141 रन बनाए। मुश्फफिकिर ने पहली पारी में 175 रन बनाए। हम शारीरिक रूप से मजबूत हैं पर मानसिक तौर पर नहीं।

हमने दबाव का ठीक से सामना नहीं किया। हम दूसरी पारी में खराब खेल रहे हैं। हमारे आज इसे बदलने का अवसर था पर हमने इसे खो दिया है।ह्व शाकिब ने कहा कि नजमुल हुसैन शांतो के रन आउट से साफ जाहिर हो गया था कि बल्लेबाज शांत मन से नहीं खेल रहे थे जबकि टेस्ट में इस प्रकार रन आउट होना सही नहीं कहा जा सकता। दबाव के क्षणों में हमें ठंडे दिमाग से काम लेना पड़ता है। ऐसे में तनाव और डर होता ही है पर यही टेस्ट क्रिकेट का रोमांच है। हम सबने पहले भी ऐसे अवसर देखे हैं। बहुत जरूरी है कि आप याद रखें कि आपको ऐसे में सफलता कैसे प्राप्त हुई है।

टेस्ट के चौथे दिन शाकिब ने अपनी 19वीं पारी में पांच विकेट लेने के बाद कहा कि मैं वैसे अपनी गेंदबाजी पर हमेशा विश्वास करता हूं। शायद मैंने अपना आत्म विश्वास सिर्फ एक या दो बार खोया है। वहीं टीम के कप्तान

मोमिनुल हक का इस साल का औसत केवल 16.20 का है। बतौर कप्तान भी यह औसत 31.44 का ही है पर शाकिब ने कप्तान का समर्थन करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक कठिन समय है पर उनका समर्थन करना जरूरी है।

वेलोसिटी महिला टी20 चैलेंज के फाइनल में पहुंची

पुणे, एजेंसी। वेलोसिटी टीम महिला टी20 चैलेंज क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंच गयी है। अब खिताबी मुकाबले में वह सुपरनोवाज से खेलेगी। वेलोसिटी ने ट्रेलब्लेजर्स की ओर से मिले जीत के 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए इस प्रकार हार के बाद भी वह फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ट्रेलब्लेजर्स को फाइनल में पहुंचने के लिए 32 या उससे ज्यादा रन से इस मुकाबले को जीतने की जरूरत थी जबकि वेलोसिटी को फाइनल में जगह बनाने के लिए कम से कम 159 रन बनाने थे।

वेलोसिटी की ओर से किरण नवगिरे ने 34 गेंदों पर 69 रन की शानदार पारी खेली। किरण ने 25 गेंदों में ही टी20 का सबसे तेज शतक लगाया। वहीं ट्रेलब्लेजर्स की ओर से राजेश्वरी गायकवाड़ ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। 191 के रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेलोसिटी ने 36 रनों के अंदर ही यास्तिका भाटिया का विकेट खो दिया। यास्तिका रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी 29 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। शेफाली को राजेश्वरी गायकवाड़ ने एलबीडब्ल्यू किया। लौरा वॉलवार्ट आउट होने वाली तीसरी खिलाड़ी रहीं। वॉलवाट ने 16 गेंदों पर 17 रन बनाए। कप्तान दीप्ति शर्मा 3 गेंदों पर 2 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज एस मेघना के सबसे ज्यादा 73 रन जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स के 66 रनों की सहायता से ट्रेलब्लेजर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 190 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। ट्रेलब्लेजर्स की ओर से हीली मैथ्यूज ने 27 रन और सोफिया डंकले ने 19 रन बनाये। ट्रेलब्जेजर्स का पहला विकेट 13 रन के स्कोर पर कप्तान स्मृति मंधाना 01 का गिरा। इसके बाद एस मेघना ने आक्रामक बल्लेबाजी की और जेमिमा के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी बनाकर बड़ा स्कोर बनाया।

अंतिम ओवर में गेंदबाजी से डरते नहीं हर्षल

कोलकाता, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने कहा है कि उन्हें अंतिम ओवरों में गेंदबाजी करने में कोई घबराहट नहीं होती। वह स्वयं चाहते ही हैं कि हर मैच में उन्हें दबाव वाले इन अवसरों पर गेंदबाजी करने को मिले।

पटेल ने डैथ ओवरों में अपनी गेंदबाजी की विविधता का अच्छे से प्रयोग किया है। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मुकाबले में उन्हें इस बात का साबित भी किया है कि क्यों उन्हें ह्यडैथ ओवर विशेषज्ञह्व कहा जाता है। इस युवा गेंदबाज ने कहा, ह्यह्य मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकूंगा या नहीं, मैं नहीं जानता और न ही इस बारे में पक्के तौर पर कुछ कह सकता पर मैं इस प्रकार के हालातों से बार बार गुजरना चाहता हूं।ह्वह्व

उन्होंने कहा, ह्यह्य पिछले दो तीन साल से मुझे इसी प्रकार के अवसरों का इंतजार था। मैं घरेलू क्रिकेट में हरियाणा के लिये आखिरी ओवरों में गेंदबाजी करता रहा हूं और अब इसे आईपीएल में कर रहा हूं। मैं अपने को इस हालातों के अनुरुप बनाना चाहता हूं। कई बार अच्छा प्रदर्शन कर सकूंगा तो कई बार नहीं भी होगा।ह्वह्व

पटेल ने कहा, ह्यह्य कई मैचों में पराजय भी हाथ लगेगी पर चलता है। बस हमें चुनौतियों से भागना नहीं है।ह्वह्व

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

खूबसूरती निखारे ब्लशर

आप बिना मेकअप किए भी ब्लशर लगाने से बेहद खूबसूरत दिखाई दे सकती हैं। चेहरे पर खिली सुंदर मुस्कान हर किसी को आपकी तरफ आकर्षित कर सकती है। आपकी इसी मुस्कान चार चांद लगा देता है ब्लशर। लेकिन, यदि आपने इसका गलत इस्तेमाल किया तो आप दस साल बड़ी उम्र की भी लग सकती हैं। आप बिना मेकअप किए भी ब्लशर लगाने से बेहद खूबसूरत दिखाई दे सकती हैं। ब्लशर लगाने में आपसे कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए आपका कुछ बातों का जानना बेहद जरूरी है।

रोजी ग्लो के लिए

मेकअप में ब्लशर सबसे जरूरी है। इसका इस्तेमाल डल स्किन में फ्रेश और रोजी ग्लो लाने में मदद करता है। इसमें थोड़ा गोल्डेन शिमर मिलाने से यह फीचर्स को बैलेंस कर देगा। इससे आप हल्के फीचर्स को उभार सकती हैं। उसे एक डेफिनिशन दे सकती हैं।

दें सही कवरेज

क्रीम ब्लशर, मूस ब्लशर पाउडर, लिक्विड या जेल ब्लशर लगाने का सही तरीका जानना जरूरी है।

पाउडर ब्लशर

पाउडर ब्लशर आपको बोल्ड लुक लेता है। क्योंकि इसकी कवरेज मीडियम से हेवी होती है। यह चीक्स को शेप, शेड और कॉन्टूर करने के लिए बेस्ट है। इसे लगाने का सही तरीका है, डोम-शेप्ड ब्लशर ब्रश को ब्लशर पर रखकर गोलाई में घुमाएं। फिर मुस्कराएं और चीक्स के एपल पर हल्का स्ट्रोक्स देते हुए लगाएं। माथे की तरफ ले जाते हुए लगाएं। ब्रश से अच्छी तरह ब्लेंड करें।

लिक्विड/जेल ब्लशर

इसे आप चीक्स और लिप्स दोनों के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर दूसरे शेड्स और प्रोडक्ट भी इसके साथ प्रयोग कर सकती हैं। लिक्विड से क्रीम जेल का टेक्सचर अलग-अलग होता है। ये लॉन्गलास्टिंग व नैचुरल मैट स्टेन लुक देते हैं।

मल्टीग्रेन आटा करे बीमारियों को दूर

गेहूं में अगर दूसरे अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। मल्टीग्रेन आटे का इस्तेमाल करने के लिए आमतौर पर भारतीय घरों में रोटी बनाने के लिए गेहूं, बाजरा, मक्का और ज्वार जैसे अनाज का इस्तेमाल करते हैं। गेहूं में अगर दूसरे अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। आज हम आपको मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटी कई तरह की बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद होती है।

विभिन्न रोगों में मल्टीग्रेन आटे का उपयोग

डायबिटीज के लिए फायदेमंद है मल्टीग्रेन आटा

मधुमेह के रोगी 5 किलोग्राम गेहूं के आटे में डेढ़ किलोग्राम चना, 500 ग्राम जौ और 50 ग्राम मेथीदाना मिला कर पिसवाएं। मेथी ब्लडशुगर को नियंत्रित करती है। 5 किलोग्राम गेहूं के आटे में प्रोटीन के मुख्य स्रोत 500 ग्राम सोयाबीन, 1 किलोग्राम चना और 500 ग्राम जौ मिला कर पिसवाए गए आटे की रोटी खाने से बढ़ती उम्र के बच्चों को लाभ होता है।

प्रैग्नेंट महिलाएं ऐसे करें मल्टीग्रेन आटे का इस्तेमाल

गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे में सोया, पालक, मेथी, बथुआ और लौकी जैसी हरी सब्जियों और थोड़ी सी अजवाइन का मिला कर उस का प्रयोग करना चाहिए। मेनोपौज की प्रक्रिया से गुजर चुकी महिलाओं के शरीर में हारमोन परिवर्तित हो जाते हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाओं को हाई ब्लडप्रैशर, हाई कोलैस्ट्रौल और डायबिटीज जैसी बीमारियां घेर लेती हैं। ऐसी स्थिति में 10 किलोग्राम आटे में 5 किलोग्राम गेहूं, 1 किलोग्राम सोयाबीन, डेढ़ किलोग्राम चना और 1 किलोग्राम जौ मिला कर उस आटा का प्रयोग करें। मोटापे के शिकार लोगों को गेहूं के आटे के बजाय केवल चना, ज्वार, बाजरा जैसे विभिन्न अनाज से बनी रोटी का प्रयोग करना चाहिए।

बैंगन के फायदे

वजन कम करने या मोटापे की समस्याओं का सामना करने वाले लोगों के लिए, बैंगन बहुत ही स्वस्थ भोजन है, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का वसा या कोलेस्ट्रोल नहीं होता। बैंगन भारतीय उपमहाद्वीप में मूल रूप से पायी जाने वाली सब्ज़ी है, लेकिन अब यह दुनिया भर के सांस्कृतिक व्यंजनों में पायी जाती है। दुनिया भर में बैंगन के कई प्रकार की क़िस्मों का उपयोग किया जाता है और यह कई अलग अलग तरीक़ों के व्यंजनों में शामिल होता है। इसे आम तौर पर सब्ज़ियों का राजा कहा जाता है, क्योंकि यह, सांस्कृतिक विरासत में सबसे अधिक बहुमुखी और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों में से एक है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक है। बैगन हमें विटामिन, खनिज और पोषक तत्व प्रदान करता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी6, थायमिन, नियासिन, मैग्नेशियम, फ़ोसफ़ोरस, कौपर, फाइबर, पोटेशियम और मैगनीज पाया जाता है।

बैगन वज़न कम करता है

वजन कम करने या मोटापे की समस्याओं का सामना करने वाले लोगों के लिए, बैगन बहुत ही स्वस्थ भोजन है, क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का वसा या कोलेस्ट्रोल नहीं होता। इसमें पाया जाने वाला फ़ाइबर घ्रालिन होर्मोन को बनने से रोकता है, जिससे व्यक्ति हमेशा, भरा हुआ महसूस करता है, और उसे ज़्यादा खाने से रोकता है।

कैंसर के लिए लाभदायक

बैगन में पाए जाने वाले एंटीओक्सिडेंट्स, विभिन्न बीमारियों से हमारी रक्षा करते हैं, इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली का अहम् हिस्सा है। इसमें मैगनीज होता है जो एक प्राकृतिक एंटीओक्सीडेंट है। नियसिन, और क्लोरोजेनिक एसिड फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स हमारी तंत्रिका को बिगाड़ने, अल्ज़ाइमर रोग और मनोभ्रंश की उपस्थिति को उत्पन्न करते हैं।

खूबसूरती में चार चांद लगाए नारियल

अगर आप अपने लिए खूबसूरत रंगरूप चाहती हैं तो नारियल पर डालिए एक नजर.. क्या आप जानते हैं कि नारियल प्रकृति का सबसे ज्यादा बहुपयोगी फल है? प्राचीन काल से ही सेहत और सुंदरता पाने के लिए इसका अलग अलग तरह से इस्तेमाल किया गया है. हम इसका इस्तेमाल करते हैं, फिर भी यह नहीं जानते हैं कि इसके अलगअलग रूप जैसे पानी, गूदा, तेल और मलाई खूबसूरती निखारने का सर्वोत्तम तरीका है...

रंगरूप संवारे... खूबसूरत अहसास जगाए

नर्म, मुलायम और निखरे रंगरूप के लिए नारियल तेल से बढ़कर और कुछ नहीं। नारियल तेल तेजी से त्वचा में समा जाता है और इसे भीतर से खिला-खिला और दमकता बनाता है। इसके अलावा रूखी, खुरदरी और झुर्रियों से युक्त त्वचा को चिकना बनाने में यह अति उत्तम है।

वर्जिन नारियल तेल- इसमें है एंटीऔक्सीडैंट, जो त्वचा को फ्री रैडिकल्स से सुरक्षित रखते हैं, जिनके कारण त्वचा अपना लचीलापन खो देती है। यह उम्र और तेज धूप के कारण दिखाई देने वाले बदसूरत दाग-धब्बे भी दूर करता है।

बाल... आज और कल

बाल आपकी खूबसूरती का एक खास हिस्सा है। अगर आप दक्षिण भारत की अधिकतर स्त्रियों के बाल देखेंगे तो पाएंगे कि इनके बाल कितने घने, लंबे, काले चमकीले होते हैं। इनका रंगरूप भी कितना मुलायम औद बेदाग होता है। इसका क्या राज है? दरअसल, ये स्त्रियां अपने भोजन में और रंगरूप संवारने के लिए हर दिन नारियल तेल का इस्तेमाल करती हैं। नारियल तेल बालों की जड़ों को पोषण देकर, इसके स्वाभाविक और स्वस्थ विकास को बनाए रखता है। यह सिर की त्वचा को ठंडक पहुंचाता है। नारियल तेल को हल्का सा गर्म करें और बालों पर लगाएं। खास तौर पर बालों की जड़ों पर। इसे रात भर रहने दें और सुबह बालों में शैम्पू कर लें। यह निश्चित रूप से साबित हो चुका है कि शुद्घ नारियल तेल के नियमित इस्तेमाल से बालों का झड़ना 50% तक कम हो जाता है।

क्यों जरूरी है ब्रेस्टफीडिंग

शिशु के पोषण के साथ साथ एक मां को स्तनपान कराते समय स्वच्छता का भी अधिक ध्यान देना चाहिए। दुनिया भर में केवल पांच में से दो बच्चे जन्म के दो घंटे के भीतर स्तनपान का लाभ ले पाते हैं – वह सुनहरे घंटे शिशु को बढ़ने और विकसित होने का सबसे अच्छा मौका देते है। ब्रेस्टफीडिंग नई माताओं को अपने शिशु के साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बांड बनाने में मदद करती है। जन्म से लेकर छह महीनों तक शिशु के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान बहुत महत्वपूर्ण है। मां का दूध शिशुओं में शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के साथ, पोषक तत्व भी प्रदान करता है।

शिशु के साथ-साथ स्तनपान मां के लिए भी अति लाभदायी होता है। स्तनपान के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक लाभ यह है कि स्तनपान कराने की सुविधा देने वाला मुख्य हार्मोन गर्भाशय को उसकी पूर्व स्थिति मे लाने में मदद करता है। नई माताओं में यह मोटापा और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के साथ-साथ स्तन और ओवेरियन कैंसर के खतरे को भी कम करता है। पहले के समय में माताएं घर पर रह कर शिशु का लालन- पोषण करती थी और उनको छह माह से लेकर साल भर तक स्तनपान कराती थी। लेकिन आज की परिस्थिति कुछ अलग है। आजकल अधिकांश माताएं काम पर जाती हैं और उन्हें लंबे समय तक घर से दूर रहना पड़ता है। हालांकि पिछले कुछ महीनों से बहुत सी माताएं घर से ही काम कर रही हैं , लेकिन घर के काम और ऑफिस के रूटीन के चलते वह हर समय शिशु को स्तनपान नहीं करा पाती , जिससे नई माताओं के लिए स्तनपान का अभ्यास जारी रखना मुश्किल हो जाता है। लेकिन, यह सुनिश्चित करना बेहद ज़रूरी है कि शिशु कम से कम छह महीने से लेकर एक साल तक के लिए विशेष रूप से स्तनपान पर निर्भर रहे।

रस्सी कूदें और कद बढ़ाएं

अगर आपका बच्चा खेल-खेल में रस्सी कूदता है, तो ये जानकर आपको खुशी होगी कि ये एक ऐसा खेल है जो व्यायाम भी है और साथ ही सेहत को कई प्रकार से फायदा पहुंचाता है। ये भी कहा जाता है कि रस्सी कूदने से छोटे कद वालों को अपनी हाइट बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा भी रस्सी कूदने के कई फायदे होते हैं, आइए जानते हैं -

- रस्सी कूदना शरीर के रक्तसंचार को बढ़ाने के साथ ही आपको ऊर्जावान बनाने के लिए काफी फायदेमंद है। यह उत्साह बढ़ाने का भी बेहतरीन जरिया है।
- वजन कम करना हो या फिर शरीर की बढ़ी हुई चर्बी कम करना हो, रस्सी कूदना सबसे आसान विकल्प है, जो आप जब चाहें आजमा सकते हैं।
- बढ़ती उम्र में रस्सी कूदना, कद बढ़ाने के लिए बढ़िया एक्सरसाइज है। खेल-खेल में ही यह हाइट बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका साबित होता है।
- यह आपको मानसिक रूप से स्वस्थ बनाता है, तनाव को कम करता है साथ ही चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने के लिए भी सहायक है।
- यह शरीर को चुस्त-दुरुस्त बनाता है, साथ ही हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे आप स्वस्थ्य बने रहते हैं।

बालों से निकालें हाईलाइट कलर

बालों पर मन मुताबिक कलर ना हो पाया है और आपको लगता है कि वो हेयर कलर आप पर बिल्कुल भी सूट नहीं करता तो उसे बिना कुछ सोंचे समझे निकाल डालिये। प्रस्तुत हैं ये टिप्स। बालों को नया रंग देने या उन्हें हाईलाइट करने से आपकी पर्सनालिटी में निखार आता है। पर कभी–कभार बालों पर मन का रंग ना चढ़ने की वजह से सारा मूड खराब हो जाता है। ये रंग बड़े पक्के होते हैं और लगभग 6 महिने तक आपके बालों के साथ रहते हैं। पर बालों पर मन मुताबिक कलर ना हो पाया है तो इसका ये मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आपको उस गलती के साथ जीना पडेगा। अगर आपको लगता है कि आपके बालों का हेयर कलर आप पर बिल्कुल भी सूट नहीं करता तो उसे बिना कुछ सोंचे समझे निकाल डालिये।

विटामिन सी टेबलेट

बाजार से जा कर सबसे सस्ती विटामिन सी की टेबलेट्स खरीद कर ले आइये। उसके बाद करीबन 25-30 टेबलेट को पीस कर पानी के साथ पेस्ट बना लें। अब इसे हल्के हल्के अपने सिर पर लगा कर मालिश करें और 30 मिनट तक ऐसे ही रखने के बाद बालों को शैंपू से धो लें। ऐसा करने से बालों का रंग दो-तीन शेड हल्का हो जाएगा।

हॉट आयल ट्रीटमेंट

इस ट्रीटमेंट को आप घर पर भी कर सकती हैं। इससे बाल जड़ से मजबूत होते हैं और बालों का कलर भी हल्का हो जाता है। लेकिन इस ट्रीटमेंट को एक हफ्ते में एक बार से ज्यादा ना करें।

लॉन्ड्री डिटर्जेंट या साबुन

बालों से रंग को छुडाऩे के लिये अपने शैंपू में डिटर्जेंट या कपड़े धोने वाला साबुन मिला कर बाल धोएं। इस विधि को आप कई बार प्रयोग कर सकती हैं। ध्यान रहे कि इसमें ज्यादा ब्लीचिंक कंटेंट ना रहे वरना बालों को नुक्सान भी पहुंच सकता है।

आयरन की कमी को करें पूरा

गर्भावस्था के दौरान अपनी और गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत का सही ध्यान रखना है तो आयरन से जुड़ी इन बातों को नजरअंदाज करने की भूल न करें... आयरन उन महत्त्वपूर्ण पोषक तत्त्वों में से एक है जो प्रैगनैंसी में आप को और आप के शिशु को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। प्रैगनैंसी के दौरान आयरन की आवश्यकता दोगुनी हो जाती है।

आयरन का उपयोग शरीर में औक्सीजन का संचार करने के लिए होता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन का घटक है जोकि हीमोग्लोबिन की मदद से पूरे शरीर में औक्सीजन ले जाने का काम करता है। इस के अलावा यह मायोग्लोबिन (मांसपेशियों में पाया जाने वाला एक तरह का प्रोटीन) की मदद से मांसपेशियों में भी औक्सीजन का संचार करने का काम करता है। साथ ही यह कई जरूरी ऐंजाइम्स के उत्पादन के लिए भी जरूरी होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है।

प्रैगनैंसी के दौरान आप को अपने और डेली ग्रो करते शिशु के लिए विशेषरूप से दूसरी और तीसरी तिमाही में अतिरिक्त आयरन की जरूरत होती है। सही आयरन की आपूर्ति प्लैसेंटा का सही विकास सुनिश्चित करती है और प्लैसेंटा के जरीए ही गर्भनाल के द्वारा शिशु को सभी पोषक तत्व और औक्सीजन पहुंचती है, जिस से शिशु का शारीरिक और मानसिक विकास सही तरीके से होता है।

आयरन की कमी पड़ सकती है भारी

अधिकतर डाक्टरों का यही मानना है कि वैजिटेरियन भोजन करने वाली अधिकतर महिलाएं अकसर कुछ हद तक आयरन की कमी यानी ऐनीमिया की शिकार होती हैं और ये स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब महिला प्रैगनैंट हो, क्योंकि ऐसे में उसे दोगुनी मात्रा में आयरन की आवश्यकता होती है। ऐक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आप सही मात्रा में आयरन नहीं लेती हैं तो आप को प्रीमैच्योर डिलिवरी, सिजेरियन डिलिवरी और शिशु के विकास में रुकावट का भी सामना करना पड़ सकता है।

पालक में छिपा है रूप का खजाना

पालक की पत्तियां स्वास्थ्य के लिए तो अच्छी होती हैं ही, रूप निखारने में भी इनका खूब इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप नियमित तौर पर इनका इस्तेमाल करेंगे तो खुद ही महसूस करेंगे कि त्वचा में एक अलग निखार आ गया है। पालक की पत्तियों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके इस्तेमाल से ढलती उम्र के लक्षण कम नजर आते हैं। पालक की पत्तियों में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसके अलावा यह विटामिन ए और सी का भी एक अच्छा माध्यम है। लवणों की बात करें तो इसमें मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम और ऑक्जेलिक एसिड होते हैं। ये सभी तत्व बालों के लिए अच्छे होने के साथ ही त्वचा की देखभाल के लिए भी बेहतरीन रहते हैं। पालक की पत्तियों के कुछ ऐसे उपाय जिन्हें आप अब तक नहीं जानते होंगे :

पालक में विटामिन बी, सी और ई पाया जाता है। इसके अलावा इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स भी भरपूर होते हैं। ये सभी तत्व बालों की लंबाई के लिए बेहद जरूरी होते हैं। पालक में मौजूद आयरन शरीर में ऑक्सीजन के बहाव को बढ़ाता है। इससे कोशिकाओं में रक्त संचार बढ़ता है। इस वजह से पालक बालों की लंबाई बढ़ाने में मदद करता है।

बालों का झड़ना कम करें

आयरन की कमी से एनीमिया होने की आशंका बढ़ जाती है। इस वजह से भी बाल गिरना शुरू हो जाते हैं। पालक में पर्याप्त मात्रा में आयरन पाया जाता है जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाने का काम करता है।

पालक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके इस्तेमाल से ढलती उम्र के लक्षण कम नजर आते हैं.

आज की रेसिपी

थाई क्रंची रोल

यह एक यम्मी थाई स्नैक रेसिपी है जिसमें आपको थाई स्वाद के साथ मशरूम, बेबी कॉर्न, बीन्स और अन्य चीजों का स्वाद मिलेगा.

सामग्री :

- थाई अदरक, लेमन लीफ ब्रॉकली, मशरूम, बेबी कॉर्न बीन्स, नींबू, धनिया, सॉस, थाई मिर्च का पेस्ट, करी पाउडर, वेज ऑस्टर सॉस, डार सोया सॉस, क्रशड काली मिर्च, सुगंधित मसाला पाउडर

विधि :

- कड़ाही में तेल डालें, थाई हर्ब्स, लहसुन, वेजिटेबल सीज़निंग डालें और 5 मिनट तक हिलाएं और फिर थाई चिली पेस्ट सॉस डालें.
- एक स्प्रिंग रोल पेस्ट्री शीट बिछाएं या एक साफ सतह पर लपेटें.
- इसके एक कोने पर 2 बड़े चम्मच फीलिंग रखकर इसे रैप करें, इसके बाद राइट और लेफ्ट दोनों तरफ से टाइट रोल करें.
- अब कड़ाही में तेल गरम करें और मीडियम आंच पर इन्हें फ्राई करें.
- रोल्स को गोल्डन ब्राउन होने तक डीप फ्राई करें, इसे पेपर टॉवल पर निकाल लें और थाई चिली सॉस के साथ सर्व करें.